युवा भविष्य को सुरक्षित करने.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मलयालम फिल्मों में काम नहीं... 11

वर्ष - 02, अंक - 65 | गाजियाबाद / सोमवार 08 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

प्रोफेसर की हत्या करने 1400 किमी दूर से आया कपल

- प्रॉपर्टी हड़पना चाहता था, पुलिस ने बंगाल से गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर देवोस्मिता पॉल की हत्या का मामला तीन दिन में सुलझा लिया है। पुलिस ने पश्चिम बंगाल के बर्धमान निवासी एक कपल को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी प्रॉपर्टी विवाद के चलते करीब 1400 किमी दूर पश्चिम बंगाल से दिल्ली आए थे। पॉल के पास पश्चिम बंगाल में एक संपत्ति थी, जो उसे नाना के मरने के बाद विरासत में मिली थी। इस संपत्ति की कीमत करोड़ों रुपए है। आरोपी उस घर में किराएदार थे और संपत्ति पर इनकी नजर थी। हालांकि, पॉल उन पर घर खाली करने का दबाव डाल रहा थी। इसी वजह से कपल ने हत्या की साजिश रची ताकि उसकी संपत्ति पर कब्जा कर सकें।

कपल मास्क पहनकर 30 मिनट फ्लैट में रहा

पुलिस जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक कपल फ्लैट में आता दिखाई दिया। दोनों करीब 30 मिनट तक फ्लैट के अंदर रहे। वे प्राइवेट कैब से आए थे और लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों से छठी मंजिल तक गए। शक से बचने के लिए वे अपने बच्चे को भी साथ लाए थे। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों प्रोफेसर से मिलने के बहाने दिल्ली आए थे। देवोस्मिता की बहन देवरति पॉल ने गुरुवार को पुलिस को सूचना दी थी।

वाराणसी में शहर से बाहर शिफ्ट होंगी मांस-मछली की दुकानें

- सावन से पहले नगर निगम का अहम फैसला, योगी सरकार भी ऐक्टिव

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी नगर निगम ने मांस और मछली की सभी दुकानें शहर की सीमा से बाहर ट्रांसफर करने का फैसला किया है। सावन से पहले नगर निगम ने यह कदम शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ रखने की मंशा से उठाया है। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी संदीप श्रीवास्तव ने

रविवार को बताया कि महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को मैदागिन स्थित टाउन हॉल भवन में बैठक हुई। इस बैठक में मांस और मछली की दुकानों को शहर से बाहर ट्रांसफर करने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में वाराणसी के विकास को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मौजूद नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने सदन को बताया कि इस योजना के प्रथम चरण में पांच जगहों का चयन किया जा चुका है और यह सभी स्थान शहर की बाहरी सीमाओं के करीब हैं। उन्होंने कहा कि आम जनता को कोई असुविधा न हो, इसका ध्यान रखा गया है। श्रीवास्तव ने बताया कि योजना के तहत शहर के भीतर संचालित मांस की दुकानों को आगामी दिनों में रामनगर, शुजाबाद, गणेशपुर, अवलेशपुर और शिवपुर क्षेत्रों में ट्रांसफर किया जाएगा।

गौतम अडानी 1, मुकेश अंबानी 2

एशिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की संपत्ति बढ़कर 89.2 अरब डॉलर हो गई है। यह उन्हें एशिया में सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलेनियर्स लिस्ट में यह जानकारी दी गई। अडानी के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी 88 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। सॉफ्टबैंक के मासायोशी सोन को 87 अरब डॉलर के साथ तीसरा पायदान मिला है। सोन गुरुवार को जापानी निवेश फर्म के शेयरों में गिरावट से पहले एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे। गौतम अडानी की संपत्ति का मुख्य स्त्रोत

अडानी समूह की कंपनियों में हिस्सेदारी है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अडानी की संपत्ति में पिछले महीने अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट की ओर से अडानी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज करने के बाद से लगभग 10 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है।

हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद आई थी गिरावट

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने 2023 में अडानी पर स्टॉक में हेरफेर और व्यापक धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। हालांकि, भारतीय नियामकों ने पिछले साल इन दावों को खारिज कर दिया था। कहा था कि आरोप सिद्ध नहीं हुए। उन्हें अमेरिका में भी आरोपों का सामना करना पड़ा था। ये अब समाप्त हो चुके हैं।

कानूनी चुनौतियों से उबर चुका है अडानी ग्रुप

अरबपति उद्योगपति ने पिछले महीने शेयरधारकों को लिखे अपने वार्षिक पत्र में कहा कि अडानी समूह अमेरिकी कानूनी चुनौतियों से उबर चुका है। ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा रहा है। इससे वह एआई आधारित विकास की बढ़ती मांग से फायदा उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के हालिया 24,930 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की सफलता को निवेशकों का विश्वास बताया। यह ऐसे समय पर आया था, जब समूह शासन और नियामक मुद्दों पर सवालों का सामना कर रहा था।

उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर समझौते का सवाल नहीं

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने देश के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर किसी समझौते की संभावना से इनकार कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त मैसेज देते हुए उत्तर कोरिया की सीनियर अधिकारी किम यो ने कहा कि परमाणु शक्ति के रूप में हमारी स्थिति पर कोई बातचीत नहीं होगी। हम अमेरिका को बताना चाहते हैं कि उत्तर कोरिया किसी भी तरह की धमकी बर्दाश्त नहीं करेगा।

करोड़ों कैश, पांच बंगले और 14 प्लॉट

'करप्शन किंग' निकला ओडिशा का इंजीनियर

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में सतर्कता विभाग की कार्रवाई में एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। यहां पर मात्र 6 हजार महीने की सैलरी पाने वाले इंजीनियर के पास से करोड़ों का कैश मिला है। इसके अलावा उसके पास प्रदेश में अलग-जगह जगों पर मकान और जमीन भी मिली हैं। यह इंजीनियर है बैकुंठनाथ बेहरा, जो

कंधमाल जिले के बालीगुडा में एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) के सहायक कार्यकारी के रूप में तैनात है। उनकी कानूनी आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायतों के बाद यह तलाशी अभियान शुरू किया गया था।

नौ जगहों पर छापेमारी

भुवनेश्वर के विशेष सतर्कता न्यायाधीश की ओर से जारी तलाशी वारंट के आधार पर विजिलेंस की टीमों ने भुवनेश्वर, बारीपदा, जाजपुर जिले के धर्मशाला और बालीगुडा में कुल नौ स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इस टीम में दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पांच उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी), छह निरीक्षक और अन्य सहायक कर्मचारी शामिल थे। कार्रवाई के दौरान सतर्कता अधिकारियों को भुवनेश्वर के चंद्रशेखरपुर स्थित नीलाद्रि विहार में एक चार मंजिला इमारत, शैलाश्री विहार में एक तीन मंजिला इमारत और पटिया में बैद्यनाथ मेमोरियल अस्पताल के पास कानन विहार फेज-एक में एक दो मंजिला मकान का पता चला। अधिकारियों ने 13 जमीनों की पहचान की है, जिनमें भुवनेश्वर के प्रमुख स्थानों में सात प्लॉट और जाजपुर और बरईपाड़ा में हैं।

घर के चूल्हे में फिर लगी 'महंगाई' की आग

घरेलू रसोई गैस की कीमत में 29 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू रसोई गैस एलपीजी की कीमत में 29 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी गई है। यह तीन महीने में दूसरी बढ़ोतरी है, क्योंकि सरकारी ईंधन कंपनियां बढ़ती वैश्विक ऊर्जा लागत से जूझ रही हैं। दिल्ली में 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये हो गई है। यह नई दर 7 जून से लागू हो गई है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, मार्च में पश्चिम एशिया में हुए संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई थी, जिसके चलते 7 मार्च को 60 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी। फिर भी, घरेलू एलपीजी बिक्री पर हो रहे नुकसान को सिर्फ आंशिक रूप से ही कवर किया जा सका। इस बढ़ोतरी से पहले सरकारी तेल कंपनियां हर एलपीजी सिलेंडर पर करीब 703 रुपये का नुकसान उठा रही थीं।

दूसरे ईंधनों की कीमतों में भी वृद्धि

एलपीजी की इस बढ़ोतरी के साथ ही अन्य ईंधनों की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। मई के मध्य से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 7.50 प्रति लीटर रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। सीएनजी की दर में करीब 6 रुपये प्रति किलो की वृद्धि हुई है। इसके बावजूद तेल कंपनियां पेट्रोल पर 11 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 33.60 रुपये प्रति लीटर का नुकसान झेल रही हैं। सरकार ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में हुई पूरी बढ़ोतरी को उपभोक्ताओं पर नहीं डाला है। वैश्विक कच्चे तेल और ईंधन बाजार की अस्थिरता के बीच राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों के जरिए कुछ नुकसान को खुद वहन किया जा रहा है। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर शुक्रवार को 5.1 प्रतिशत कर दिया था। पहले इसके 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। इसका मुख्य कारण ईंधन की बढ़ती कीमतों से कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी है। पेट्रोल की खुदरा कीमतों में मई से अब तक कुल 7.4 प्रतिशत और डीजल में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आरबीआई ने मौद्रिक नीति बयान में कहा कि इस बढ़ोतरी का कुल महंगाई पर करीब 0.36 प्रतिशत का सीधा असर पड़ेगा। इसके साथ दूसरे दौर के प्रभाव आने वाले महीनों में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में दिखाई देंगे।

नीट पेपर लीक के बाद बदलेगा एनटीए का सिस्टम

एक्सपर्ट्स सवाल तैयार तो करेंगे, पर पता नहीं होगा किस एग्जाम के लिए किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट 2026 पेपर लीक और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। एक बड़े अखबार के मुताबिक, एनटीए ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्सपर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं। नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब 10 हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा। वहीं, शनिवार को अखबार के आइडिया एक्सचेंज कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा- पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी ली है।

रिजिजू बोले- शिक्षा मंत्री पर सीधा आरोप हो तो इस्तीफा मांगिए

रिजिजू ने कहा कि लाखों छात्रों को NEET दोबारा देने की नौबत आई और CBSE की मार्किंग गड़बड़ियों से भी परेशानी हुई। ऐसे मामलों में सरकार की जिम्मेदारी समस्या को ठीक करना है, न कि उससे बचना। उन्होंने भरोसा जताया कि उठाए गए कदम भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी मंत्री या उसके स्टाफ पर सीधे भ्रष्टाचार, रिश्वत या गलत काम का आरोप हो तो इस्तीफे की मांग जायज होती है।

सिस्टम को लोगों पर नहीं, प्रोसेस पर भरोसा करना चाहिए

एनटीए से जुड़े अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पूरे प्रश्नपत्र की जानकारी बहुत कम लोगों तक पहुंचे। सिस्टम को लोगों पर नहीं, प्रोसेस पर भरोसा करना चाहिए। पेपर लीक मामले में ट्रांसलेशन करने वालों की गिरफ्तारी के बाद एनटीए ट्रांसलेशन प्रोसेस में भी बदलाव करना चाहती है। एजेंसी पहले ही सुप्रीम कोर्ट को बता चुकी है कि वह करीब 85 फीसदी ट्रांसलेशन का काम एनटीए से कराने की योजना बना रही है। इसके बाद एक्सपर्ट्स सिर्फ यह जांचेंगे कि ट्रांसलेशन सही हुआ या नहीं। अधिकारियों का कहना है कि कोशिश यह भी रहेगी कि ट्रांसलेशन करने वालों को यह जानकारी न हो कि वे किस परीक्षा के सवाल देख रहे हैं। वहीं, एनटीए इस समय 21 जून को होने वाले नीट यूजी री-टेस्ट की तैयारी भी कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक कुछ बदलाव अभी से लागू किए जा चुके हैं।

एनटीए बोला- नीट री-एग्जाम का पेपर लीक नहीं हुआ

नीट 2026 री-एग्जाम से पहले सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स पर पेपर लीक होने और सवाल पहले से मिलने के कई दावे किए जा रहे हैं। एनटीए ने इन सभी दावों को गलत और भ्रामक बताया है। एजेंसी का कहना है कि कुछ ठग गिरोह छात्रों और उनके परिवारों को गुमराह कर पैसे कमाने की कोशिश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित पेपर और लीक से जुड़े मैसेज पूरी तरह फर्जी हैं।

बैठक से पहले ही इंडिया गठबंधन में रार

डीएमके-आप का बहिष्कार, बैठक से कर लिया किनारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को होने वाली इंडिया ब्लॉक की बैठक में सीपीआई (एम) का प्रतिनिधित्व पार्टी के राज्यसभा नेता जॉन ब्रिटास करेंगे। हालांकि, केरल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान लगे आरोपों को लेकर पार्टी अभी भी कांग्रेस की

- **सीपीआईएम ने खरगे से मांगा राहुल के बयान पर जवाब**

प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सीपीआई (एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की उन टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण मांगा है, जिनमें केरल में सीपीआई (एम) और बीजेपी के बीच राजनीतिक समझ होने का संकेत दिया गया था।

गठबंधन की भावना के खिलाफ आरोप

लेटर की कॉपी इंडिया ब्लॉक के दूसरे हिस्सों के साथ भी शेयर की गई थी, जिसमें कहा गया था कि ऐसे आरोप विपक्षी गठबंधन की सहयोग की भावना के खिलाफ हैं। लेफ्ट पार्टी ने कहा है कि वह इस मामले पर कांग्रेस से सफाई का इंतजार कर रही है। सीपीआई (एम) के सूत्रों ने कहा कि पार्टी को अभी तक कांग्रेस से कोई जवाब नहीं मिला है और उम्मीद है कि ब्रिटास मीटिंग में इस मुद्दे को उठाएंगे।

मुद्दे को लेकर दोनों दलों में विवाद

इस बातचीत में, बेबी ने चिंता जताई थी कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और खरगे समेत कांग्रेस नेताओं के आरोप चुनावी आलोचना से कहीं आगे थे, जिससे बीजेपी को मिलकर चुनौती देने के लिए बने गठबंधन के कामकाज पर सवाल खड़े हो गए। केरल विधानसभा चुनावों के बाद से ही यह मुद्दा दोनों पार्टियों के बीच विवाद का विषय रहा है। विपक्षी इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ नेता सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में बैठक करेंगे। इस बैठक में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार का मुकाबला करने और विपक्ष की एकजुटता को मजबूत करने की साझा रणनीति पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, बैठक में शामिल होने वाले लोगों में टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, राहुल गांधी और खड़गे शामिल हो सकते हैं।

- **मदन मित्रा की कार पर फेंके गए अंडे, ड्राइवर को पीटा**

तृणमूल कांग्रेस के एक और नेता पर हमला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सरकार परिवर्तन के साथ ही ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं को निशाना बनाया जाने लगा है। हाल ही में अभिषेक बनर्जी भीड़ के गुस्से का शिकार बने थे। अब खबर आ रही है कि कमरहाटी से टीएमसी विधायक मदन मित्रा की कार पर अंडे फेंके गए। शनिवार शाम को मित्रा अपने पार्टी ऑफिस में थे तो उन्हें खबर मिली कि बीजेपी समर्थकों ने वार्ड नंबर 14 के पार्षद पर हमला कर दिया है। यह सुनकर वे तुरंत उस इलाके में पहुंचे। वहां उनका सामना उपद्रवियों के एक समूह से हुआ। जब उन्होंने उनसे पूछा कि वे क्यों आए हैं तो वे आक्रामक हो गए और उनकी कार पर हमला कर दिया। ईंटें और अंडे फेंके। राहत की बात यह है कि हमले के समय मदन मित्रा गाड़ी के अंदर नहीं थे।

अंडों की बौछार और चोर-चोर के नारे

मदन मित्रा ने घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा, मैं अपने ऑफिस में एक बैठक कर रहा था। तभी कमरहाटी के कुछ लोगों ने मुझे बताया कि कुछ लोग स्थानीय लोगों को डरा-धमका रहे हैं और हमला हुआ है। मैंने कहा कि मैं दक्षिणेश्वर में बप्पा के ऑफिस जा रहा हूं। मैं वहां गया और जिन घरों पर हमला हुआ था उनकी जानकारी नोट कर रहा था। तभी कुछ लोग अचानक आए और मुझसे कहा, दादा 100-150 युवाओं का एक समूह ने केसरिया स्कार्फ पहन रखे हैं। वह हमला कर रहे।

राज्यसभा में मजबूत हो सकता है एनडीए, बदले राजनीतिक समीकरणों पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की स्थिति आने वाले महीनों में और मजबूत हो सकती है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और विभिन्न दलों में बदलते समीकरणों के बाद भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए उच्च सदन में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार पश्चिम बंगाल में टीएमसी की टूट, आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों के भाजपा खेमे में जाने और विभिन्न राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों ने एनडीए की स्थिति को मजबूत किया है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु की राजनीति में लगातार संभावित बदलावों पर भी नजर रखी जा रही है। संविधान संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में राज्यसभा में संख्या बल बढ़ाना केंद्र सरकार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि विपक्षी दल इन दावों को राजनीतिक अटकलें बताते हुए कहते हैं कि आगामी चुनाव और क्षेत्रीय दलों की रणनीतियां ही भविष्य की तस्वीर स्पष्ट करेंगी। फिलहाल राज्यसभा के बदलते समीकरण राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण विषय बने हुए हैं।

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कार्य से 21 ट्रेनें प्रभावित, कई मार्ग बदले गए

बरेली (एजेंसी)। मुरादाबाद-गाजियाबाद रेलखंड के पिलखुआ-कुचेसर रोड सेक्शन में ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग कमीशनिंग कार्य के चलते रेलवे ने 21 ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। इसके तहत कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए हैं, जबकि कुछ को पुनर्निर्धारित और नियंत्रित कर चलाया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार लालकुआं-आनंद विहार एक्सप्रेस, छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-उधना एक्सप्रेस, लखनऊ-आनंद विहार एक्सप्रेस और सहरसा-अमृतसर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से चलाया जाएगा। कुछ ट्रेनों का बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा और हापुड़ जैसे स्टेशनों पर ठहराव भी अस्थायी रूप से समाप्त रहेगा। इसके अलावा सहरसा-आनंद विहार, मुजफ्फरपुर-पोरबंदर और लालकुआं-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस समेत आठ ट्रेनों को निर्धारित समय से देरी से रवाना किया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है।

पुर्तगाल में फायरिंग के बाद विदेशी धरती पर गैंगवार की चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुर्तगाल में हुई एक कथित फायरिंग घटना के बाद विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के आपराधिक गिरोहों के बीच गैंगवार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्टों में राहुल आर.के. मीणा और सुनील मीणा गैंग का नाम सामने आया है, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वायरल पोस्टों में दावा किया गया है कि पुर्तगाल के विला नोवा डी मिलफोंटेस क्षेत्र में एक कथित प्रतिद्वंद्वी गिरोह के ठिकाने पर कई राउंड फायरिंग की गई। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और ऑडियो संदेशों में कुछ लोगों ने घटना की जिम्मेदारी लेने का भी दावा किया है। पोस्ट में इसे प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के लिए चेतावनी बताया गया है और भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है। हालांकि स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के अपराधी नेटवर्क और उनके बीच बढ़ते टकराव चिंता का विषय हैं। फिलहाल वायरल सामग्री की सत्यता और घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

दिल्ली के अयप्पा मंदिर में सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को नई दिल्ली के आरके पुरम स्थित प्रसिद्ध अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। यह उद्घाटन समारोह शाम 5:30 बजे आयोजित किया जाएगा, जहां गृह मंत्री शाह औपचारिक रूप से इस नवनिर्मित भवन को श्रद्धालुओं और मंदिर समुदाय को समर्पित करेंगे। इस नई सुविधा का मुख्य उद्देश्य मंदिर के बुनियादी ढांचे का विस्तार करना तथा उसकी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाना है। मंदिर प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, सबरीसम भवन वर्षभर आयोजित होने वाले विभिन्न आध्यात्मिक समारोहों, सामुदायिक कार्यक्रमों, धर्मार्थ पहलों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इस उद्घाटन कार्यक्रम की महत्ता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री के कार्यालय ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली के अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। नई दिल्ली के आरके पुरम में स्थित अयप्पा मंदिर को पूरे उत्तर भारत में भगवान अयप्पा के सबसे प्रमुख और पूजनीय मंदिरों में से एक माना जाता है। वर्ष 1980 में स्थापित किया गया यह भव्य मंदिर अपनी पारंपरिक केरल शैली की उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए देश भर में प्रसिद्ध है। यह मंदिर दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ आसपास के पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गहरी आस्था का केंद्र है। समय के साथ यह राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे मलयाली समुदाय और भगवान अयप्पा के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मंच के रूप में विकसित हुआ है। इस मंदिर में नियमित रूप से पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान, भजन, विशेष पूजा, सांस्कृतिक उत्सव तथा जनसेवा से जुड़े अनेक कार्य आयोजित किए जाते हैं। इसकी भूमिका केवल पूजा-अर्चना तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां सामाजिक कल्याण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले कई बड़े सेवा कार्य भी संचालित किए जाते हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह शाह-नड्डा से मिले, कांग्रेस वापसी की अटकलें खारिज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के वरिष्ठ नेता जे.पी. नड्डा से मुलाकात की। इस उच्च-स्तरीय बैठक ने न केवल उनके कांग्रेस में लौटने की तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया, बल्कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में भाजपा की रणनीति और संगठन विस्तार के लिए इसे बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कैप्टन ने पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, भाजपा के जनाधार को मजबूत करने और पार्टी के सामने मौजूद चुनौतियों को लेकर अपने अनुभव साझा किए।

जंतर-मंतर के प्रदर्शन को बताया ट्रेलर और दे दिया सरकार को अल्टीमेटम

-कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा- मांग नहीं मानी गई तो 7 दिन बाद फिर लौटेंगे

-शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक की घटनाओं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद रविवार को पार्टी ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम का वीडियो साझा करते हुए केंद्र सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है और चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए वीडियो के साथ लिखा कि शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई गई। पार्टी ने दावा किया कि यह केवल शुरुआत है और यदि जवाबदेही तय नहीं की गई तो आंदोलन का दायरा और बड़ा होगा। प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले एक महीने से शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है, लेकिन इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही समस्याओं के बावजूद सरकार छात्रों और युवाओं की चिंताओं को गंभीरता से नहीं ले रही है।

आंदोलन को दिया जाएगा देशव्यापी स्वरूप

कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने बयान में कहा है कि यदि सात दिनों के भीतर केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद से नहीं हटाया गया तो अगले शनिवार को फिर से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। साथ ही आंदोलन को देशव्यापी स्वरूप देने की भी चेतावनी दी गई है। अभिजीत दीपके ने कहा कि मौजूदा प्रदर्शन आंदोलन का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। उन्होंने दावा किया कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो छात्रों और युवाओं की आवाज को देश के हर राज्य और शहर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर युवाओं में बढ़ती नाराजगी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

अनेक संगठन और समूह आए समर्थन में

प्रदर्शन को विभिन्न छात्र संगठनों और राजनीतिक समूहों का भी समर्थन मिला। आंदोलन स्थल पर कई छात्र नेता मौजूद रहे। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधार के पक्षधर सोनम वांगचुक ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर आंदोलन के प्रति समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि जब न्याय और जवाबदेही की मांगों को अनसुना किया जाता है, तब लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना आवश्यक हो जाता है। सीजेपी का यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है जब देश में परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक और शिक्षा सुधार जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं और अभिभावकों में सरकार के प्रति नाराजगी जारी है।

मुंबई एयरपोर्ट पर सोना तस्करी का बड़ा खुलासा, भाजपा से जुड़े पदाधिकारी समेत 5 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोना तस्करी के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भाजपा से जुड़े एक पदाधिकारी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने आरोपियों के कब्जे से 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना और अन्य सामान बरामद किया है। डीआरआई द्वारा की गई इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में अजित आचरेकर का नाम प्रमुख रूप से सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आचरेकर भाजपा की एक श्रमिक (कामगार) संगठन में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। उनके अलावा रोहित कुमार सिंह, संतोष सुभाष, समीमुल्ला शाह, हमीद लेबेरीफखान और फलिल मोहम्मद कासिम को भी हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, डीआरआई की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट परिसर में संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर इन लोगों को रोका और पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान अधिकारियों को सोना तस्करी से जुड़े महत्वपूर्ण सबूत मिले, जिसके बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में बरामद सोने की कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। अधिकारियों का मानना है कि यह मामला केवल एक तस्करी की घटना नहीं, बल्कि किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। जानकारी के अनुसार, अजित आचरेकर ने कुछ महीने पहले ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। उनका पार्टी में प्रवेश महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम में हुआ था। इसके बाद उन्हें पार्टी की श्रमिक इकाई में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डीआरआई अब इस बात की जांच कर रही है कि इस तस्करी के पीछे कोई अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी गिरोह सक्रिय था या नहीं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि विदेशों में मौजूद किन व्यक्तियों या संगठनों के नेटवर्क का इस्तेमाल इस अवैध कारोबार के लिए किया गया। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और बरामद सोने के स्रोत तथा उसके अंतिम गंतव्य का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

अब हरिद्वार में बिरयानी नाम पर ऐतराज, संतों ने वेज पुलाव कहने को कहा

-अखाड़ा के सदस्य बोले-इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरिद्वार,(ईएमएस)। हरिद्वार के अखंड परशुराम अखाड़ा ने भोजनालयों से अपने साइनबोर्ड और मेनू से बिरयानी शब्द हटाने का आग्रह किया है। उनका प्रस्ताव है कि पवित्र शहर की धार्मिक पवित्रता बनाए रखने के लिए वेज बिरयानी का नाम बदलकर वेज पुलाव कर दिया जाए। संतों ने हरिद्वार भर में कई खाद्य विक्रेताओं का दौरा किया और दावा किया कि चूंकि बिरयानी पारंपरिक रूप से मांसाहारी भोजन से जुड़ी है, इसलिए इस पवित्र धार्मिक स्थल पर इसका इस्तेमाल अनुचित है और इससे स्थानीय लोगों और आने वाले श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अखंड परशुराम अखाड़ा के सदस्यों ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव से विक्रेताओं के व्यवसाय पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा। अखाड़ा के एक सदस्य ने कहा कि हरिद्वार एक पवित्र नगर है। हमने दुकानदारों से आग्रह किया है कि मांस से बने व्यंजनों के पर्याय माने जाने वाले इस पकवान को यहां 'बिरयानी' के नाम से न बेचा जाए। हमने उनसे इसे 'वेज पुलाव' के नाम से बेचने को कहा है। सभी दुकानदारों से अनुरोध किया है कि वे अपने मेनू और साइनबोर्ड पर बिरयानी शब्द के स्थान पर वेज पुलाव लिखें। यदि कोई इसके बाद भी बिरयानी शब्द का प्रयोग करता रहेगा, तो हम उसके खिलाफ औपचारिक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। हमारा उद्देश्य शहर की पवित्रता और धार्मिक वातावरण को बनाए रखना है। हम सभी विक्रेताओं से अनुरोध करते हैं कि वे इस अनुरोध में सहयोग करें ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद न हो।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन हेतु तैयारियां तेज, सीडीओ ने विभागों को दिए समन्वय के निर्देश

देहरादून (शिखर समाचार)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल एवं भव्य आयोजन को लेकर जनपद स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक में योग दिवस को व्यापक जनसहभागिता के साथ मनाने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के प्रारंभ में जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार ने मुख्य विकास अधिकारी सहित सभी उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जनपद में अब तक आयोजित किए गए कार्यक्रमों तथा आगामी दिनों में प्रस्तावित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों, ग्राम पंचायतों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से योग को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से लोगों को नियमित योगाभ्यास अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवनशैली का आधार है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए तथा प्रत्येक विभाग अपने स्तर पर योग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करे।

बैठक के दौरान कॉमन योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत ह्ययोग ब्रेकह्न विषय पर एक दिवसीय योग कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षक रविन्द्र थपलियाल ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा व्यक्ति तनावमुक्त और ऊर्जावान जीवन जी सकता है।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को योग के वैज्ञानिक महत्व, स्वास्थ्य लाभों और दैनिक जीवन में योग को अपनाने के तरीकों की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने योगाभ्यास में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक के अंत में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों से अपील की कि वे अपने-अपने माध्यमों से आमजन को योग के प्रति जागरूक करें और 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि योग को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सके और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा सकें।

कर्नाटक में रामलिंगा रेड्डी ने लिया इस्तीफा वापस, विपक्ष की रणनीति को झटका

-सुरजेवाला बोले- रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य

बेंगलुरु (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कर्नाटक राज्य प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने घोषणा की है कि वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने आधिकारिक तौर पर अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। सुरजेवाला ने इस बात पर जोर दिया कि रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य बना है और पुष्टि की कि अनुभवी राजनेता संगठन के एक निष्ठावान सिपाही के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते रहेंगे और अपना मंत्री पद बरकरार रखेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस समाधान ने विपक्ष की रणनीतियों को झकझोर दिया है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि आंतरिक परिवर्तन के सुचारू प्रबंधन को लेकर बीजेपी अभी भी स्तब्ध है। केंद्रीय नेतृत्व और रेड्डी के बीच संगठनात्मक शिकायतों के समाधान के लिए गहन चर्चा के बाद इस्तीफे को वापस लेने का फैसला लिया। मतभेद को एक संक्षिप्त गलतफहमी बताते हुए, सुरजेवाला ने राज्य इकाई में रामलिंगा रेड्डी के गहरे संस्थागत महत्व को दोहराया। गतिरोध को शीघ्रता से हल करके, पार्टी ने अपने मंत्रिमंडल की स्थिरता को बनाए रखने और एक अहम विधायी मोड़ पर एकजुट होकर सामने आने में सफलता प्राप्त की है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि समाधान ने गुटबाजी की संभावित कमजोरियों को समाप्त कर दिया है, जिससे उच्च कमान को अपना पूरा ध्यान अपने मुख्य विधायी और शासन संबंधी एजेंडों पर केंद्रित करने का अवसर मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व संकट को सुलझाने के साथ-साथ, कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीतिक तैयारियों को सफलतापूर्वक सुव्यवस्थित कर लिया है। वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद ने अपने सहयोगियों के साथ राज्यसभा और राज्य विधान परिषद दोनों की अहम सीटों के लिए औपचारिक रूप से नामांकन दाखिल किया है। यह समन्वित नामांकन दाखिल करना पार्टी के राज्य तंत्र द्वारा अपनी विधायी शक्ति को मजबूत करने के लिए किए जा रहे उच्चस्तरीय समन्वित प्रयास को दर्शाता है। यह प्रक्रिया कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में किए गए हाई-प्रोफाइल नामांकन दाखिल करने के बाद हुई है, जो राज्य इकाई के दीर्घकालिक विकास के लिए केंद्र के मजबूत समर्थन का संकेत है।

युवा भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं, वे कठपुतली नहीं बनेंगे

बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने बिना नाम लिए सीजेपी के संस्थापक पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आरोप लगाया है कि कुछ ताकतें देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति की ओर धकेलने का कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवा राष्ट्र निर्माण और अपने भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं। वे किसी के हाथ की कठपुतली नहीं बनेंगे। झारखंड के रांची में बुद्धिजीवियों के साथ संवाद करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि कुछ लोग विदेश में बैठकर यह सोचते हैं कि वे भारत के युवाओं को दिशा दे सकते हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका यह बयान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके के संदर्भ में माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का युवा नवाचार, सृजन और राष्ट्र निर्माण की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। देश में करीब दो लाख स्टार्टअप युवाओं की मेहनत और प्रतिभा का परिणाम हैं। भारत वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नबीन ने कहा कि विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अंदर होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग युवाओं को व्यवस्था विरोधी राजनीति की ओर धकेलना चाहते हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि भारत का युवा सकारात्मक राजनीति का ही चयन करेगा। बीजेपी अध्यक्ष ने पीएम मोदी के विकसित भारत 2047 विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 सालों में देश में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है और 54 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं। उन्होंने महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छता अभियान जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया। नबीन दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लिया और पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा की। उनका यह दौरा झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के चुनाव से पहले अहम माना जा रहा है।

नाम बदलने की राजनीतिः सांस्कृतिक पुनर्जागरण या राजनीतिक रणनीति?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और विभिन्न राज्यों में भाजपा की सरकारों ने स्थलों, इमारतों के नाम परिवर्तन का जो दौर चलाया उसे लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। देश में शहरों, गली-मोहल्ले, सड़कों, रेलवे स्टेशनों और अब विश्वविद्यालयों के नाम बदलने का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है। हाल ही में भोपाल स्थित बरकतुल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलकर मां वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय किए जाने के प्रस्ताव पास होने के बाद यह बहस फिर तेज हो गई है कि नाम परिवर्तन के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या है।

अनावश्यक तौर पर किए जा रहे नाम परिवर्तन की आलोचना करने वालों का तर्क है कि यह प्रक्रिया राजनीतिक लाभ और भाजपा के वैचारिक एजेंडे का हिस्सा है। उनका कहना है कि नाम बदलने से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार नाम परिवर्तन किए जाने से सरकार पर आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है। सरकारी दस्तावेजों, साइनबोर्ड, वेबसाइटों और रिकॉर्ड को अपडेट करने में भारी खर्च आता है। इसके साथ ही सदियों की पहचान बने स्मारक अपनी असली पहचान भी खोते चले जाते हैं। उनकी पहचान कायम करने के लिए अलग से प्रयास किए जाते हैं, जिसमें काफी समय लग जाता है, जबकि दुनियाभर में ऐसे कार्यों की आलोचना ही होती है, कोई इसकी प्रशंसा नहीं करता दिखता। हालांकि समर्थकों का मानना है कि यह एक बार का निवेश है, जबकि सांस्कृतिक पहचान का लाभ लंबे समय तक बना रहता है।

विवाद को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता भी मुखर हुए हैं उन्होंने कहा है, कि यह कदम देश को औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त कर भारतीय सांस्कृतिक पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए उठाए जा रहे हैं। पार्टी के अनुसार, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले पुराने नामों को वापस लाकर राष्ट्रीय गौरव को मजबूत किया जा रहा है। इस पर विरोधी खेमा कहता देखा जाता है कि बरकतुल्ला भोपाली जैसे स्वतंत्रता सेनानी के नाम की जगह कोई और नाम रखा जाना औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त करने जैसी सोच से जोड़कर कैसे देखा जा सकता है? अब इस तरह के नाम परिवर्तन को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध दर्ज कराया जाने लगा है। विरोध करने वालों का कहना है कि नाम परिवर्तन करने की जगह मूलभूत समस्याओं पर ध्यान दिया जाए तो बेहतर होगा।

करोड़ों की सनसनीखेज लूट का खुलासा करीब: पुलिस हिरासत में चार संदिग्ध, नौकर और निलंबित कांस्टेबल की भूमिका भी जांच के घेरे में

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में टिम्बर कारोबारी नरेंद्र अग्रवाल के घर हुई करोड़ों रुपये की सोना-नगदी लूट के मामले में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं मामले में कारोबारी के एक नौकर और एक निलंबित कांस्टेबल की संदिग्ध भूमिका की भी जांच की जा रही है।
गौरतलब है कि एक जून की रात गिरधारी नगर निवासी टिम्बर कारोबारी नरेंद्र अग्रवाल के घर चार बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में वारदात को अंजाम दिया था। बदमाश गन प्वाइंट पर कारोबारी के पोते को लेकर घर में घुसे और नरेंद्र अग्रवाल, उनकी पत्नी सुशीला अग्रवाल, पोते सिद्धांत तथा चौकीदार श्याम कुमार के हाथ-पैर बांधकर एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद बदमाश घर में रखे करोड़ों रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और नकदी लूटकर फरार हो गए थे।

घटना के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने जिले और आसपास के क्षेत्रों में लगे 700 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान बदमाश कई कैमरों में कैद हुए। फुटेज में तीन आरोपी एक बाइक पर तथा चौथा आरोपी दूसरी बाइक पर सवार होकर फरार होता दिखाई दिया। पुलिस ने इन फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान और उनकी गतिविधियों का पता लगाया।
पुलिस सूत्रों के अनुसार मुरादाबाद के बसंत विहार निवासी रोहित और नितिन, पीपलसाना निवासी सतीश व रिंकू सहित कार चालक अभय को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसियां यह भी खंगाल रही हैं कि वारदात के पीछे किसी अंदरूनी व्यक्ति की भूमिका तो नहीं थी। इसी कड़ी में कारोबारी के एक नौकर और एक निलंबित कांस्टेबल का नाम भी जांच के दायरे में आया है।
पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि जांच के दौरान बदमाशों की पहचान कर ली गई है। पुलिस टीमों को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।
यह सनसनीखेज वारदात जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है और अब सभी की निगाहें पुलिस के संभावित बड़े खुलासे पर टिकी हैं।

पांच दिवसीय मोटापा निवारण शिविर संपन्न, योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भारतीय योग संस्थान, खतौली के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय मोटापा रोग निवारण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हो गया। शिविर में बड़ी संख्या में साधकों ने भाग लेकर योग, प्राणायाम और ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। शिविर के दौरान संस्थान से जुड़े योग शिक्षकों ने प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार, कमरचक्र आसन, वज्रासन, सिंह गर्जना, मधुर हास्य, शिथिल आसन, सर्प आसन, नितंब रोलिंग आसन, पादचक्र आसन, शवासन, प्राणायाम एवं ध्यान का नियमित अभ्यास कराया। इसके अतिरिक्त मोटापा से पीड़ित साधकों को विशेष रूप से सूक्ष्म क्रियाओं का अभ्यास शिविर की संयोजिका सीमा गुप्ता ने कराया और उनके स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों का समाधान भी किया।
शिविर के संयोजक राकेश गुप्ता ने भारतीय योग संस्थान के साहित्य, योग सामग्री तथा खतौली एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित योग कक्षाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों को योग से जुड़ने का आह्वान किया। संगठन मंत्री जगमोहन जैन ने साधकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें नियमित योगाभ्यास के लाभों से अवगत कराया।
योग सामग्री स्टॉल की व्यवस्था प्रवीण अग्रवाल, डॉ. ब्रह्म सिंह और प्रवीण गुप्ता ने संभाली। कार्यक्रम में प्रांतीय प्रधान निर्मल कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला प्रधान बाबूराम वर्मा, महिला जिला प्रधान शशि गुप्ता, जिला मंत्री तेजेंद्र भाटिया तथा संगठन मंत्री जगमोहन जैन का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।
कार्यक्रम का संचालन अरुण धारीवाल ने किया। शिविर को सफल बनाने में मदन छाबड़ा, अंजू खुराना, सुधांशु जैन, पदमा तोमर, अनुपम जैन, रीता गुप्ता, सीमा जैन, किशोर गोयल, पुष्पलता, नीतू जैन, राजकुमारी शर्मा, नीलम उपाध्याय सहित अनेक कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।
समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल मोटापे को नियंत्रित करने में सहायक है, बल्कि शरीर और मन को स्वस्थ रखने का प्रभावी माध्यम भी है। उन्होंने लोगों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की।

चाय पर चर्चा में गूंजे विकास के मुद्दे, पौधारोपण कर विधायक ने दिया हरित संदेश

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर की पॉश कॉलोनी राजेंद्र नगर स्थित अमरदीप कॉलोनी में आयोजित पौधारोपण एवं चाय पर चर्चा कार्यक्रम में सदर विधायक विजयपाल आढ़ती ने शिरकत कर क्षेत्रवासियों और व्यापारियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा क्षेत्र की समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। व्यापारी सचिन जिंदल के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने जन कल्याण समिति के पदाधिकारियों एवं स्थानीय व्यापारियों से मुलाकात कर शहर के समग्र विकास पर चर्चा की। अमरदीप कॉलोनी जन कल्याण समिति परिसर में उन्होंने छायादार और फलदार पौधे लगाए तथा सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की। विजयपाल आढ़ती ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और घटते हरित क्षेत्र के बीच पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम पांच पौधे लगाकर उनकी देखभाल करनी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ

वातावरण और शुद्ध हवा मिल सके। जन कल्याण समिति के महामंत्री सचिन जिंदल सर्राफ ने कहा कि बढ़ता तापमान और पर्यावरणीय असंतुलन मानव जीवन, जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों और समिति पदाधिकारियों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में राजेंद्र नगर और अमरदीप कॉलोनी में जलभराव की समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। इसके अलावा स्ट्रीट लाइट, साफ सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी लोगों ने चिंता जताई तथा रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की। समस्याएं सुनने के बाद विधायक ने संबंधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर जलभराव और साफ सफाई की समस्या के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि स्ट्रीट लाइट और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से क्षेत्र को आदर्श कॉलोनी के रूप में विकसित किया जाएगा।
इस अवसर पर उत्तरी मंडल अध्यक्ष प्रशांत त्यागी, जन कल्याण समिति अध्यक्ष तरुण बाटला, महामंत्री सचिन जिंदल सर्राफ, व्यापारी सुरक्षा फोरम के जिलाध्यक्ष अरुण गर्ग, सुशील वर्मा, अशोक सोढ़ी, विजय वर्मा, राजेश गुप्ता, अक्षय गोयल, राजेश कंसल, अशोक अरोड़ा, पुनीत जिंदल, नवीन आनंद, रवीन्द्र ढींगरा, सभासद सुशील शास्त्री, मोंटी बत्रा, बॉबी ग्रोवर सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने लगाए गए पौधों की देखभाल का संकल्प लिया।

जाको राखे साईंया मार सके ना कोय : पुलिस की तत्परता से बची युवक की जान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश पुलिस की डायल-112 (पीआरवी) टीम ने संवेदनशीलता, साहस और त्वरित कार्रवाई का परिचय देते हुए एक युवक को मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस घटना ने एक बार फिर यह कहावत चरितार्थ कर दी कि जाको राखे साईंया मार सके ना कोय।
जानकारी के अनुसार खतौली कोतवाली क्षेत्र के गांव शेखपुरा निवासी एक युवक घरेलू कलह और मानसिक तनाव से परेशान होकर आत्मघाती कदम उठाने के इरादे से रेलवे ट्रैक पर पहुंच गया। युवक ने ट्रेन के सामने आकर जीवन समाप्त करने का मन बना लिया था। इसी बीच किसी व्यक्ति ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी।
सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल डायल 112 की पीआरवी 6547 को सक्रिय किया। पीआरवी पर तैनात कांस्टेबल शिव चौधरी उर्फ

शिव प्रसाद और होमगार्ड सुंदर सिंह को तत्काल मौके पर रवाना किया गया।
मौके पर पहुंचने पर पुलिसकर्मियों ने देखा कि युवक रेलवे ट्रैक के किनारे चल रहा है और सामने से ट्रेन भी तेजी से आ रही है। स्थिति की नाजुकता को समझते हुए दोनों जवानों ने समय गंवाए बिना पटरियों पर करीब डेढ़ किलोमीटर तक दौड़ लगाई। अपनी जान की परवाह किए बिना उन्होंने युवक का पीछा किया और ट्रेन के पहुंचने से महज कुछ क्षण पहले उसे सुरक्षित पकड़कर ट्रैक से नीचे खींच लिया।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि पुलिसकर्मियों के पहुंचने या युवक तक पहुंचने में कुछ सेकंड की भी देरी हो जाती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस की इस साहसिक कार्रवाई से न केवल एक युवक की जान बची, बल्कि उसका पूरा परिवार भी संभावित दुखद घटना से बच गया।
युवक को सुरक्षित बचाने के बाद पुलिस ने उसकी पहचान कर परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और युवक को समझाया-बुझाया। इसके बाद पुलिस ने युवक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजनों ने इस घटना को ईश्वर की कृपा बताते हुए डायल 112 टीम और मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों का आभार व्यक्त किया। क्षेत्र के लोगों ने भी पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की।
थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल ने कहा कि मानसिक तनाव या किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में लोग अकेले संघर्ष करने के बजाय परिवार, मित्रों अथवा पुलिस और परामर्श सेवाओं की सहायता लें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस आमजन की सुरक्षा और सहायता के लिए हर समय तत्पर है तथा किसी भी संकट की स्थिति में लोग तत्काल हेल्पलाइन 112 पर संपर्क कर सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित

मुरादनगर (शिखर समाचार)। गंग नहर पुल स्थित सतलोक आश्रम में मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योगाभ्यास किया और स्वास्थ्य संबंधी लाभ प्राप्त किए। कार्यक्रम के दौरान योग प्रशिक्षिकाओं नंदिनी एवं गौरी ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम तथा ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक क्षमता बढ़ती है, मानसिक तनाव कम होता है तथा व्यक्ति का समग्र स्वास्थ्य बेहतर होता है। साथ ही उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रतिदिन योग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर महात्मा ज्ञान शब्दानंद ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आध्यात्मिक गुरु सतपाल महाराज की प्रेरणा से मानव उत्थान सेवा समिति के विभिन्न आश्रमों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को तन, मन और आत्मा के स्तर पर संतुलित एवं स्वस्थ बनाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली में बढ़ते तनाव, चिंता और विभिन्न शारीरिक समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए योग एक प्रभावी एवं प्राकृतिक उपाय है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक उन्नति का मार्ग भी प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण का लक्ष्य साकार किया जा सकता है। शिविर के समापन पर प्रतिभागियों ने योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। आयोजन के दौरान आश्रम के पदाधिकारी, स्वयंसेवक तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

बिजनौर व सम्भल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, तीन हिस्ट्रीशीटरों की 31 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क

बिजनौर (शिखर समाचार)। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बिजनौर और सम्भल पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की 31 लाख रुपये से अधिक मूल्य की अवैध संपत्ति कुर्क कर ली। यह कार्रवाई जिलाधिकारी के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत की गई। जानकारी के अनुसार बिजनौर के थाना शेरकोट पुलिस तथा सम्भल के थाना असमौली पुलिस की संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम ने स्थानीय तहसीलदार की मौजूदगी में सम्भल जनपद के ग्राम हरथला में पहुंचकर कुर्की की मुनादी कराई और संपत्तियों को जब्त किया। यह कार्रवाई थाना अफजलगढ़ (बिजनौर) में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 281/25, धारा 2/3 उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम

1986 के तहत की गई। पुलिस के अनुसार ग्राम हरथला निवासी इस्तकार उर्फ इस्तखार द्वारा अवैध आय से निर्मित दो आलीशान आवासीय मकानों को कुर्क किया गया, जिनकी अनुमानित कीमत 11,00,922 रुपये है। इसके अतिरिक्त आरोपी खुर्शीद के 150 वर्ग गज क्षेत्रफल में बने आवासीय मकान एवं भूमि को भी जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 10,21,443 रुपये आंकी गई है। वहीं आरोपी शादाब के 150 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले आवासीय मकान को भी कुर्क किया गया, जिसकी कीमत लगभग 10,16,443 रुपये बताई गई है। पुलिस ने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 31,38,808 रुपये है। तीनों आरोपी थाना असमौली (सम्भल) के चिन्हित हिस्ट्रीशीटर हैं। इनके विरुद्ध बिजनौर, सम्भल सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों तथा पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के कई थानों में गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल एवं राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

आयुष मलिक प्रकरण में निष्पक्ष जांच की मांग, आर्य जाट महासभा ने परिवार को दिया समर्थन

शामली (शिखर समाचार)। आर्य जाट महासभा की कार्यकारिणी की बैठक जाट भवन में आयोजित की गई, जिसमें आयुष मलिक के कथित धर्मांतरण प्रकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में महासभा के पदाधिकारियों ने मेडिकल स्टोर संचालक देवराज मलिक एवं उनके परिवार के समर्थन में खड़े होते हुए धर्मांतरण संबंधी खबरों को निराधार बताया और कहा कि परिवार का इस मामले से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। महासभा ने आरोप लगाया कि आयुष मलिक को प्रेम संबंधों के माध्यम से प्रभावित कर उसका ब्रेनवॉश किया गया तथा उसे धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया गया। संगठन ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने तथा देवराज मलिक और उनके परिवार को

पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की।
बैठक में वक्ताओं ने कहा कि समाज किसी भी परिस्थिति में परिवार के साथ खड़ा है और उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा समाजहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों, मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान तथा संगठन की आगामी गतिविधियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर बाबूराम पंवार, राजकुमार चेयरमैन, नरेश मलिक, रामपाल सिंह देशवाल, ओमपाल सिंह निर्वाल, विपिन गोहरनी, वीरेंद्र सिंह, अभय राणा और डॉ. ओमपाल सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अन्तर्जनपदीय लूट गिरोह का सदस्य दबोचा, लूटी गई बाइक, इन्वर्टर व तमंचा बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान अन्तरजनपदीय लूट गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अमरोहा से लूटी गई बाइक, चोरी का इन्वर्टर, दो मोबाइल फोन और एक तमंचा बरामद किया है। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि पुलिस टीम बनखंडा नहर पटरी मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार युवक संदिग्ध परिस्थितियों में आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की तो उसकी पहचान बाबूगढ़ क्षेत्र के कुचेसर रोड चौपला निवासी यश के रूप में हुई। जांच में वह अन्तरजनपदीय लूट गिरोह का सदस्य निकला, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से अमरोहा जनपद से लूटी गई बाइक, चोरी का एक इन्वर्टर, दो मोबाइल फोन तथा एक अवैध तमंचा बरामद किया गया। पूछताछ में उसके कई आपराधिक मामलों में संलिप्त होने की जानकारी भी सामने आई है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हापुड़, बुलंदशहर और अमरोहा के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट समेत एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपी के अन्य साथियों और आपराधिक नेटवर्क के संबंध में भी जानकारी जुटाने में लगी है।

तीन शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी के आभूषण, नकदी, बाइक और अवैध हथियार बरामद

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के आभूषण, नकदी, चोरी की मोटरसाइकिल तथा अवैध हथियार बरामद किए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई कई चोरी की घटनाओं के खुलासे का दावा किया गया है। पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की वारदातों से लोगों में दहशत का माहौल था। शुक्रवार रात भी कस्बे में तीन मकानों के ताले तोड़कर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया था, जबकि दो मोटरसाइकिलें भी चोरी हो गई थीं। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए दो टीमों का गठन किया और संदिग्धों की तलाश शुरू की। पुलिस ने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस को गोपनीय सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति गांव सिरसा माचीपुर के पास एक मोटरसाइकिल के साथ मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो संदिग्धों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को दबोच लिया और पूछताछ के लिए कोतवाली ले आई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तेजपाल और कृष्ण निवासी पलवल तथा गौरव निवासी साहबनगर के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण, 4,160 रुपये नकद, चोरी की एक मोटरसाइकिल, एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर कस्बे में तीन मकानों के ताले तोड़कर चोरी की थी। इसके अलावा दो अलग अलग गांवों से दो मोटरसाइकिलें भी चोरी की थीं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है और उनसे जुड़े अन्य मामलों की भी जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। बरामद सामान को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

करोड़ों की डकैती मामले में बड़ी कार्रवाई : लापरवाही पर थाना प्रभारी लाइन हाजिर, एसओजी प्रभारी को मिली कमान

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में टिम्बर कारोबारी के घर हुई करोड़ों रुपये की सनसनीखेज डकैती के मामले में पुलिस अधीक्षक ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है। उन पर मामले में लापरवाही बरतने का आरोप है। उनकी जगह एसओजी प्रभारी पारस मलिक को नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। जानकारी के अनुसार गढ़ रोड स्थित टिम्बर कारोबारी नरेंद्र अग्रवाल के घर में पांच दिन पूर्व देर रात चार सशस्त्र बदमाश घुस आए थे। बदमाशों ने कारोबारी के पोते सिद्धांत को गन पॉइंट पर लेकर पूरे परिवार को बंधक बना लिया। इस दौरान नरेंद्र अग्रवाल, उनकी पत्नी सुशीला देवी, पोते सिद्धांत तथा चौकीदार को कब्जे में लेकर बदमाशों ने दो करोड़ रुपये की मांग की। बदमाशों ने परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए चादरों के टुकड़ों से बांध दिया और अलमारी की चाबी लेकर करीब सवा किलो सोने-चांदी के आभूषण तथा लाखों रुपये की नकदी लूट ली। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश सभी को बंधक बनाकर मौके से फरार हो गए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने पूरे मामले की समीक्षा की। जांच के दौरान लापरवाही पाए जाने पर थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया। साथ ही एसओजी प्रभारी पारस मलिक को थाना हापुड़ देहात की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ह्यपुलिस अधिकारियों का कहना है कि डकैती की घटना का शीघ्र खुलासा करने के लिए कई टीमें लगाई गई हैं और बदमाशों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

हापुड़ के नन्हे होनहार ने अमेरिका में बजाया सफलता का डंका, अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में हासिल की विश्व की 9वीं रैंक

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ की बेटी प्रियंम सिंघल के आठ वर्षीय पुत्र अयान शर्मा ने अमेरिका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व स्तर पर 9वीं रैंक प्राप्त कर जिले और देश का नाम रोशन किया है। अयान की इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। अयान शर्मा ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का परचम लहराया है। उनकी सफलता पर हापुड़ के प्रतिष्ठित नागरिक श्रीओम सिंघल सहित पूरे परिवार को गर्व है। परिवार के अनुसार अयान बचपन से ही पढ़ाई में बेहद मेधावी रहा है और गणित उसका सबसे प्रिय विषय है। कठिन से कठिन सवालों को हल करने की उसकी क्षमता ने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया है। विशेष बात यह है कि अयान केवल गणित में ही नहीं बल्कि लेखन के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बना चुका है। महज आठ वर्ष की उम्र में उसकी दो अंग्रेजी पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। पहली पुस्तक ळॅी इङ्म३३ङ्के ङ्मा ३ॅी ळ१ी तथा दूसरी ळॅी ख४स्र३ी१ है। इतनी कम उम्र में साहित्य और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करना उसकी बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण है। अयान की मां प्रियंम सिंघल ने बताया कि उनका बेटा प्रतिदिन कई घंटे गणित का अभ्यास करता है और नई चुनौतियों को स्वीकार करना उसे पसंद है। उन्होंने कहा कि अयान की सफलता उसकी लगन, अनुशासन और निरंतर मेहनत का परिणाम है। अयान की उपलब्धि की जानकारी मिलते ही हापुड़ में बधाई देने वालों का तांता लग गया। शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने उसे उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। लोगों का कहना है कि अयान जैसे प्रतिभाशाली बच्चे देश का भविष्य हैं, जो अपनी मेहनत और क्षमता के बल पर विश्व स्तर पर भारत की पहचान मजबूत कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

केजीएमयू में अब एप से होगा दवा का वितरण, मरीज के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी सत्यापन के बाद ही मिलेगी दवा

लखनऊ , एजेंसी। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में दवाओं, इंप्लांट, स्टेंट और सर्जिकल उपकरणों की खरीद में करोड़ों रुपये के घोटालों के वाद प्रशासन सतर्क हो गया है। संस्थान ने अब इलाज प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए एक अत्याधुनिक डिजिटल व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत मरीज के पंजीकृत मोवाइल नंबर पर ओटीपी सत्यापन के बाद ही चिकित्सा सामग्री जारी की जाएगी।

यह कदम यूरोलॉजी विभाग में सामने आए करीव ढाई करोड़ रुपये के घपले के बाद उठाया गया है। यहां कैंसर की महंगी दवाएं पेशाब और गुर्दे के मरीजों के नाम पर जारी की गई थीं। जांच समिति ने अनियमितताओं की पुष्टि की जिसके बाद आरोपी चिकित्सक और कर्मचारियों पर कार्रवाई हुई। इस प्रकरण के वाद केजीएमयू प्रशासन ने सात अन्य विभागों की जांच भी शुरू कर दी है।

केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि आईटी विभाग के सहयोग से एक विशेष मोवाइल एप विकसित किया जा रहा है। यह एप मरीज की भर्ती से लेकर उपचार तक की संपूर्ण जानकारी रियल टाइम में दर्ज करेगा। एप के जरिये मरीज को दवा और इंप्लांट का वितरण होगा। यह व्यवस्था जल्द लागू होगी।

सूत्रों का कहना है एप के जरिये दवा एवं इंप्लांट वितरण की व्यवस्था मोबाइल नंबर पर आधारित होगी। इसमें खतरा ये है कि दवा, इंप्लांट, सर्जिकल उपकरणों के नाम पर गोलमाल करने वाले फर्जी मरीज तैयार कर सकते हैं। परिवार, परिचितों के मोबाइल नंबर मरीज के तौर पर पंजीकृत कराकर व्यवस्था में सेंध लगा सकते हैं। ऐसे मामलों को कैसे रोका जाएगा, यह एप लॉन्च होने के बाद ही पता चल सकेगा।

में ओटीपी सत्यापन के बाद ही सामग्री निर्गत की जा सकेगी। मरीज या परिजन एप पर यूएचआईडी नंबर दर्ज कर इलाज से संबंधित पूरी जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। यह डिजिटल निगरानी प्रणाली फर्जी तरीके से दवाएं जारी करने जैसी अनियमितताओं पर प्रभावी रोक लगाएगी।

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को उड़ाया, उछलकर बोनट पर गिरा तो 100 मीटर तक घसीटा

मेरठ, एजेंसी। सदर थाना क्षेत्र में बुधवार रात दुकान बंद कर अपने घर जा रहे सोतीगंज निवासी हेयर सैलून संचालक मो. बाबर को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इतना ही नहीं आरोपी चालक कार के बोनट पर गिरे मो. बाबर को करीब 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया और फिर तेजी से निकल गया। शुक्रवार को इस हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं बाबर की हालत गंभीर बनी हुई है।

सोतीगंज निवासी मो. मजहर ने शुक्रवार को सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनके भाई मो. बाबर का पत्ते मोहल्ले में हेयर सैलून है। बुधवार रात को बाबर अपना सैलून बंद कर स्कूटी से वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही वह धनेश्वर चौक से सोतीगंज की तरफ मुड़े, तभी सामने से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी में सीधी और जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाबर उछलकर कार के बोनेट में फंस गए लेकिन यह देखकर भी आरोपी चालक ने कार रोकने के बजाय रफ्तार बढ़ा दी। बाबर को सड़क पर 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया।

देर रात हुए इस हादसे और तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के स्थानीय लोग तुरंत मौके पर दौड़े। सड़क पर लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई और लोगों ने कार चालक को पकड़ने के लिए उसका पीछा किया। खुद को जनता से घिरता देख और पकड़े जाने के डर से चालक ने अचानक चलती कार में जोर से ब्रेक मार दिए। अचानक ब्रेक लगने के कारण बोनेट में फंसे मो. बाबर छिटककर सड़क पर काफी दूर जा गिरे जिससे उन्हें बेहद गंभीर चोटें आईं। इस दौरान उनकी स्कूटी भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल बाबर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल बाबर का एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

वंदेभारत एक्सप्रेस का ब्रेक जाम

चौरीचौरा समेत तीन ट्रेनें हो गईं लेट, यात्रियों को हुई परेशानी

वाराणसी, एजेंसी। बनारस रेलवे स्टेशन से खजुराहो तक जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस का शुक्रवार सुबह ब्रेक जाम हो गया। ट्रेन अभी स्टेशन से आगे बढ़ी थी कि ब्रेक जाम हो गया। कैंट रेलवे स्टेशन से प्रयागराज होकर दिल्ली तक जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस, कानपुर तक जाने वाली चौरीचौरा एक्सप्रेस देर हो गई।

बनारस स्टेशन से हर दिन सुबह 5.15 बजे ट्रेन नंबर 26506 वंदेभारत एक्सप्रेस खजुराहो तक जाती है। ट्रेन जैसे ही स्टेशन से छूटी और पहले सिग्नल पर पहुंची, आगे नहीं बढ़ पाई। पहले तो लोको पायलट ने प्रयास किया, लेकिन जब गड़बड़ी दूर नहीं हुई तो इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी।

सवा घंटे बाद 6.30 बजे जब ब्रेक सही हुआ तब जाकर ट्रेन आगे बढ़ी। यह ट्रेन कैंट स्टेशन पर बिना रुके आगे जाती है। इधर, कैंट स्टेशन से दिल्ली ट्रेन नंबर 22415 वंदेभारत एक्सप्रेस सुबह 6 बजे हर दिन जाती हैं, यह भी 55 मिनट की देरी से रवाना हुई।

बनारस रेलवे स्टेशन के निदेशक लवलेश राय ने बताया कि तत्काल समाधान कराकर ट्रेन को आगे रवाना किया गया। खजुराहो जाने वाली वंदेभारत पांच दिन में दूसरी बार खराब हुई है। 31 मई को इसी ट्रेन का पैंटोग्राफ टेढ़ा हो गया था, जिसकी वजह से इस ट्रेन को कैंट स्टेशन पर 4 घंटे तक रोकना पड़ा।

एक घंटे देरी से आई दिल्ली से आने वाली वंदेभारत

नई दिल्ली से वाराणसी आने वाली ट्रेन नंबर 22416 वंदेभारत एक्सप्रेस लगातार दूसरे दिन देरी से पहुंची। बृहस्पतिवार को भी वंदेभारत अपने निर्धारित समय रात 11 बजे की जगह 45 मिनट की देरी से आई थी। इधर शुक्रवार को भी यह ट्रेन 1 घंटा की देरी से रात 12 बजे कैंट रेलवे स्टेशन पर पहुंची। इस वजह से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक राममिलन यादव की तहरीर पर मृतक कमलेश चौधरी के भाई व प्रधान पति संजय बिंद, गोड़ा देहाती की ग्राम प्रधान अनिता बिंद, मोहिल बिंद, राजकुमार बिंद, कमलवता, विंचरिया बिंद और 50 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्जकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अधिकारी बोले

फुल्लनपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास शव रखकर बवाल व पथराव करने के मामले में छह नामजद और 50 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्जकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

-डॉ. राकेश मिश्रा, एएसपी सिटी

मंदिर से नाग देवता की मूर्ति और दानपात्र से नकदी चुराने वाला चोर रंगे हाथ गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव स्थित भगवंत शकुंतला डिग्री कॉलेज परिसर के मंदिर में चोरी करने वाले एक आरोपी को गार्डों ने रंगे हाथों पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, कॉलेज के गार्ड संजीव कुमार निवासी पीना, थाना शिवाला कला ने अपने साथी गार्ड ऋषभ के साथ मिलकर चोरी करते हुए आरोपी को दबोच लिया। संजीव कुमार ने चांदपुर थाने में तहरीर देकर घटना की जानकारी दी।

पकड़ा गया आरोपी शादाब पुत्र बाबू, मोहल्ला अहमदनगर, चांदपुर का निवासी है। गार्डों ने उसके कब्जे से मंदिर से चोरी की गई तांबे की नाग देवता की मूर्ति तथा दानपात्र से चुराए गए 732 रुपये नकद बरामद किए।

गार्डों की सतर्कता और सूझबूझ के चलते आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया और बरामद सामान सहित पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

इंदिरापुरम पुलिस ने मुठभेड़ में एक लुटेरे को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में पुलिस लगातार अपराधियों को गिरफ्तार कर रही है। एक बार फिर पुलिस ने आमने-सामने की मुठभेड़ में एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। इस बार थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में पुलिस और बदमाश कपिल के बीच में मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में कपिल के पैर में गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कूटी, एक पीली धातु की चेन का टूटा हुआ टुकडा, 1 अवैध तमंचा, 1 खोखा कारतूस और 1 जिन्दा कारतूस बरामद किया। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि वैशाली पुलिया के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान स्कूटी पर एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने का इशारा किया तो वह भागने लगा और पुलिस पर फायरिंग करने लगा। पुलिस ने भी फायरिंग की जिसमें उसके पैर में गोली लगी है और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त के खिलाफ एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह राहगिरों को टारगेट किया करता था और मौका मिलते ही स्नैचिंग की वारदात को अंजाम दे देता

था। वारदात को अंजाम देने के बाद मिले हुए सामान को दिल्ली में बेच दिया करता था और वहां से अर्जित धन को अपने शौक में पूरा कर दिया करता था।

11 साल की बेटी को महीनों से बनाता रहा हवस का शिकार

तबीयत बिगड़ी तो खुला घिनौना राज, दरिंदगी की दास्तां

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के सेनपश्चिम पारा थाना क्षेत्र में रिश्तों को कलंकित करने वाली घटना हुई। एक सरकारी विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मी पिता अपनी ही 11 वर्षीय बेटी को कई महीनों से हवस का शिकार बनाता रहा। मां के साथ लखनऊ एक बर्थडे पार्टी में गई बच्ची की अचानक तबीयत बिगड़ी, तो मां उसे अस्पताल ले गई।

वहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद बेटी से दुष्कर्म की पुष्टि की तो मां सन्न रह गई। बेटी ने मां को बिलखते हुए पिता की काली करतूत बयां की। शहर लौटते ही महिला ने गुरुवार को पति के खिलाफ बेटी से दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया।

पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 12 वर्ष पहले 2014 को सेन पश्चिम

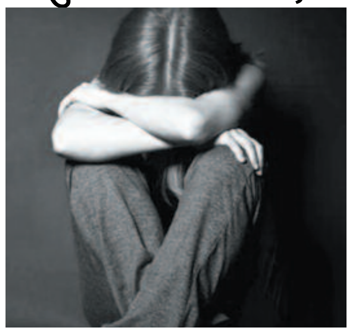

पारा थाना क्षेत्र निवासी युवक से अंतरधार्मिक प्रेमविवाह किया था। वर्ष 2015 में उन्होंने एक बेटी और 2023 में एक बेटे को जन्म दिया। बताया बीते मंगलवार को वह अपने दोनों बच्चों के साथ लखनऊ में एक बर्थडे पार्टी में शामिल होने गई थीं।

वहां अचानक बेटी के निजी अंगों से रक्तस्राव शुरू हो गया। इस पर उन्होंने बेटी को नर्सिंगहोम में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने बेटी के साथ दुष्कर्म होने की पुष्टि की। यह सुनते ही उनके होश उड़ गए। बेटी से पूछने पर उसने पिता द्वारा लगातार कई महीने से दुष्कर्म करने की जानकारी दी। इसके बाद मां-बेटी फूट-फूटकर बिलखने लगीं। बेटी ने मां को बताया कि पिता उसे कई महीने से मोबाइल पर जबरन गंदी फिल्में दिखाकर गलत काम करने का दबाव बनाते थे। विरोध करने पर डराते-धमकाते थे। गुरुवार को लखनऊ से लौटकर मां ने थाने पहुंचकर अपने पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।शुक्रवार सुबह पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा गया। सेनपश्चिम पारा थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि पिता को जेल भेजने के साथ ही बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

मेंहदीपुर बालाजी धाम के महंत के सेवक से वसूली

रिटायर्ड डिप्टी एसपी सहित दो गिरफ्तार ; जेल भेजे गए

आगरा, एजेंसी। राजस्थान के दौसा स्थित मेंहदीपुर बालाजी धाम के महंत के सेवक को ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में एक सेवानिवृत्त डिप्टी एसपी और राजस्थान के एक युवक को रकाबगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

सेवानिवृत्त डिप्टी एसपी अपना यूट्यूब चैनल चला रहा था। वह राजस्थान के युवक के साथ मिलकर महंत के सेवक से वसूली की कोशिश कर रहा था। आरोपियों ने सेवक को आगरा के जेपी होटल में बुलाया था। पुलिस ने यह कार्रवाई गुपचुप तरीके से की। इस पूरे मामले की जानकारी मीडिया से साझा नहीं की गई। जयपुर के रहने वाले अनुज कुमार महंत नरेशपुरी के सेवक हैं। उन्हें धौलपुर के कसौटी खेड़ा के

जितेंद्र ने कॉल किया था। ट्रू कॉलर पर उसका नाम आरिफ आ रहा था।

अनुज ने पुलिस को बताया था कि जितेंद्र ने अपने पास महंत के निजी वीडियो होने के बारे में बताया। इसके बाद ब्लैकमेल करने लगा। महंत से मिलने की कह रहा था। वीडियो सोशल मीडिया और समाचार पत्रों में प्रकाशित कराने की धमकी दे रहा था। 26 मई को जेपी होटल में बुलाया। पांच लाख रुपये की मांग की। इतनी बड़ी रकम देने से मना करने पर आरोपी चले गए।

कुछ देर बाद फिर से फोन कर शाहजहां गार्डन के पास बुलाकर जितेंद्र के साथ तीन लोग आ गए। एक ने अपना नाम गणेश बाग, न्यू आगरा निवासी विवेक शर्मा बताया। सीने पर राइफल तानकर एक लाख रुपये छीन लिए। बाकी रकम नहीं देने पर बदनाम करने की धमकी दी। मामले में थाना रकाबगंज में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

फर्जी आईडी से लिए थे सिम

पुलिस ने बताया कि मामले में टीम ने काफी छानबीन की। अनुज कुमार को जिन नंबरों से कॉल किए गए थे, उनकी जानकारी जुटाई गई। यह सब फर्जी आईडी से लिए गए थे। जेपी होटल के सीसीटीवी फुटेज में आरोपियों के चेहरे साफ हो गए। 1 जून को विवेक शर्मा और राजस्थान निवासी जितेंद्र को गिरफ्तार किया गया। विवेक शर्मा सेवानिवृत्त डिप्टी एसपी है। उसके पास लाइसेंसी राइफल भी बरामद हुई। पुलिस ने उसे जब्त किया। इसी से महंत के सेवक को धमकाया गया था। आर्म्स एक्ट की धारा भी बढ़ाई गई। उसने अपना यू ट्यूब चैनल शुरू किया था। जितेंद्र को अपने साथ काम पर रखा था। दोनों मिलकर महंत के सेवक को ब्लैकमेल कर रहे थे।

बैराज मार्ग पर सड़क हादसे में पूर्व एसीएमओ डॉ. महेंद्र सिंह की मौत, स्वास्थ्य विभाग में शोक

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना शहर कोतवाली क्षेत्र के बैराज मार्ग पर रविवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में नजीबाबाद निवासी एवं स्वास्थ्य विभाग के पूर्व एसीएमओ डॉ. महेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। उनके निधन की खबर से स्वास्थ्य विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, डॉ. महेंद्र सिंह किसी कार्य से बैराज मार्ग से गुजर रहे थे। इसी दौरान मैरिटा स्कूल के पास सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए

डॉ महेंद्र सिंह का फाइल फोटो

जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में ले लिया है। अधिकारियों के अनुसार वाहन को जब्त कर लिया गया है तथा मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। डॉ. महेंद्र सिंह सेवानिवृत्ति के बाद भी स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे थे। उनके आकस्मिक निधन से विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और परिचितों में गहरा शोक व्याप्त हो गया।

गोंडा-बुढ़वल रेलखंड में ब्लॉक, बरेली होकर गुजरने वाली तीन ट्रेनें निरस्त

बरेली , एजेंसी। जून-जुलाई में गोंडा-बुढ़वल और गोंडा-गोंडा कचहरी रेलखंड में ब्लॉक के कारण बरेली होकर गुजरने वाली तीन ट्रेनों को निरस्त किया गया है और 32 के रूट बदल दिए गए हैं। इसके अलावा इज्जतनगर-गोरखपुर एक्सप्रेस समेत 10 ट्रेनों को चार घंटे तक की देरी से चलाया जाएगा। शुक्रवार को पूर्वोत्तर रेलवे ने ब्लॉक संबंधी सूचना जारी कर दी है।

ये गाड़ियां रहेंगी रद्द

छह जुलाई को 15133 छपरा-आनंद विहार एक्सप्रेस, आठ जुलाई को 15134 आनंद विहार-छपरा एक्सप्रेस, 10 और 11 जुलाई को 14617 पूर्णिया कोर्ट-अमृतसर एक्सप्रेस, आठ और नौ जुलाई को 14618 अमृतसर-पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस निरस्त रहेंगी।

इन ट्रेनों के बदले गए रूट

आठ और नौ जून को 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस, चार और नौ जुलाई को 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस, 27 जून को 15136 अमृतसर-छपरा एक्सप्रेस, आठ जून और नौ जुलाई को 15212 अमृतसर-दरभंगा एक्सप्रेस, 29 जून को 22423 गोरखपुर-अमृतसर एक्सप्रसे, 28 जून और आठ जुलाई को 15904 चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस, 29 जून, छह और 10 जुलाई को 02569 दरभंगा-नई दिल्ली विशेष गाड़ी, एक, चार, छह और आठ जुलाई को 14010 आनंद विहार-बापूधाम मोतिहारी एक्सप्रेस, 29 जून और छह जुलाई को 15532 अमृतसर-सहरसा एक्सप्रेस, 30 जून को

15098 जम्मूतवी-भागलपुर एक्सप्रेस, दो जुलाई को 15530 आनंद विहार-सहरसा एक्सप्रेस, तीन जुलाई को 15622 आनंद विहार-कामाख्या एक्सप्रेस, तीन जुलाई को 14692 जम्मूतवी-बरौनी एक्सप्रेस, छह जुलाई को 12587 गोरखपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस, पांच जुलाई को 15655 कामाख्या-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस, छह और 10 जुलाई को 02563 बरौनी-नई दिल्ली विशेष गाड़ी, नौ जुलाई को 12565 दरभंगा-नई दिल्ली एक्सप्रेस, छह जुलाई को 15651 गुवाहाटी-जम्मूतवी एक्सप्रेस, आठ और 10 जुलाई को 12571 गोरखपुर-आनंद विहार एक्सप्रेस, नौ जुलाई को 12572 आनंद विहार-गोरखपुर एक्सप्रेस, आठ और 10 जुलाई को 02570 नई दिल्ली-दरभंगा विशेष गाड़ी, आठ और नौ जुलाई को 14673 जयनगर-अमृतसर एक्सप्रेस, आठ जुलाई को 15005 गोरखपुर-देहरादून एक्सप्रेस, 15652 जम्मूतवी-गुवाहाटी एक्सप्रेस, 12596 आनंद विहार-गोरखपुर एक्सप्रेस, 15653 गुवाहाटी-जम्मूतवी एक्सप्रेस, नौ जुलाई को 12555 गोरखपुर-बठिंडा एक्सप्रेस, आठ और नौ जुलाई को 02564 नई दिल्ली-बरौनी विशेष गाड़ी, नौ जुलाई को 14674 अमृतसर-जयनगर एक्सप्रेस, सात और 10 जुलाई को 15273 रक्सौल-आनंद विहार एक्सप्रेस, आठ और 11 जुलाई को 15274 आनंद विहार-रक्सौल एक्सप्रेस का संचालन निर्धारित मार्ग रोजा, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा, मनकापुर के स्थान पर रोजा, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या, मनकापुर के रास्ते किया जाएगा।

देरी से चलाई जाएंगी ये गाड़ियां

नौ जुलाई को 12557 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार एक्सप्रेस, आठ जुलाई को 13019 हावड़ा-काठगोदाम एक्सप्रेस, नौ जुलाई को 12595 गोरखपुर-आनंद विहार एक्सप्रेस, 12566 नई दिल्ली-दरभंगा एक्सप्रेस, छह जुलाई को 22423 गोरखपुर-अमृतसर एक्सप्रेस, 29 जून को 12587 गोरखपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस चार घंटे तक की देरी से चलाई जाएंगी।

सेवा समर्पण के रूप में मनाया गया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा गोरक्ष पीठाधीश्वर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म दिवस सेवा और समर्पण के रूप में मून क्लाउड बैंक्वेट हॉल सेक्टर 75 में मनाया गया। जिलाध्यक्ष विपिन चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद डॉ महेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ विश्व हिंदू महासंघ रुद्र कुमार पाठक रहे। वही विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष महिला आयोग बबीता चौहान, पूर्व अध्यक्ष महिला आयोग विमला बाथम, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिला अध्यक्ष एडवोकेट अभिषेक शर्मा, महामंडलेश्वर देवानंद गिरी, विश्व हिंदू महासंघ से मुख्य वक्ता जयराम भारती, संयोजक प्रकोष्ठ मनोज प्रजापति आदि उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष विपिन चौधरी ने बताया कि तीन दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रम मे 5 जून को 2100 वृक्षारोपण, 6 जून को रुद्राभिषेक और 7 जून को विशाल हिन्दू सम्मेलन एवं हिंदू रत्न सम्मान आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष विपिन चौधरी, प्रभारी चौधरी तेज सिंह, संयोजक देवेंद्र शर्मा, संरक्षक जेपी शर्मा, जिला अध्यक्ष मातृशक्ति नीलम राणा, महानगर अध्यक्ष किरन त्यागी, महासचिव रविंद्र कसाना, महासचिव अमित पोरवाल, उपाध्यक्ष अशोक राय, आनंद सिंह रावत, अनिल शर्मा, केसु राम चौहान, संगठन मंत्री प्रमोद शर्मा, अंकुर शर्मा, कार्यालय प्रभारी अजीत मास्टर, कोषाध्यक्ष कल्याण सिंह, मंत्री बलवंत, सुधांशु तिवारी, प्रदीप सिंह, राहुल शर्मा, नितिन गौड़, राजीव रंजन द्विवेदी, अंकुर शर्मा, धनंजय सिंह, विकास सक्सेना, निहारिका बंसल, साधना शर्मा, नीलम कुशवाहा, नविन पोरवाल, सुधीर पोरवाल, शैलेंद्र पोरवाल, निरंजन गुप्ता, गणेश जाटव, संजय वाली, उमेश त्यागी, प्रज्ञा पाठक, वासुदेव चौधरी, अतर सिंह डागर, सुशील कसाना, सतपाल कसाना, जसपाल कसाना, बाबूराम, भूपेंद्र कसाना, मनोज नेहरा, सतपाल यादव, प्रवीण बंसल, आदेश त्यागी, रेनुवाला शर्मा, राजीव चौहान आदि सम्मानित अतिथि एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेक्टर 37 में जल्द बनेगा हॉकी ग्राउंड, जेवर विधायक ने किया भूमिपूजन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 37 में बहुप्रतीक्षित हॉकी ग्राउंड के निर्माण का कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है। रविवार को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने विधिवत भूमिपूजन एवं शिलान्यास कर परियोजना की शुरूआत की। हॉकी ग्राउंड का निर्माण दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में लगभग 10.30 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हॉकी मैदान विकसित किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में खिलाड़ियों और दर्शकों की सुविधा के लिए पवेलियन तथा दर्शक दीर्घा का निर्माण कराया जाएगा। बताया गया कि हॉकी ग्राउंड निर्माण का प्रस्ताव विधायक धीरेंद्र सिंह द्वारा दिया गया था। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद निविदा प्रक्रिया पूरी की गई और अब इसका निर्माण कार्य ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से कराया जाएगा। परियोजना को लगभग नौ माह में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि देश के राष्ट्रीय खेल हॉकी के प्रति क्षेत्र के युवाओं में रुचि और उत्साह बढ़ाने में यह ग्राउंड महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक खेल सुविधाओं के विकास से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और उन्हें बेहतर प्रशिक्षण का वातावरण प्राप्त होगा। विधायक ने इस परियोजना को स्वीकृति देने और शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सराहना भी की। भूमिपूजन कार्यक्रम सुबह लगभग 10:30 बजे शुरू हुआ और दोपहर 12:30 बजे तक चला। कार्यक्रम में प्राधिकरण के वर्क सर्किल-5 के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश निम, स्थानीय जनप्रतिनिधि, आरडब्ल्यूए पदाधिकारी तथा सेक्टर 37 एवं आसपास के क्षेत्रों के बड़ी संख्या में निवासी उपस्थित रहे। क्षेत्रवासियों ने हॉकी ग्राउंड के निर्माण को खेल प्रतिभाओं के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान एवं खेत बचाओ कार्यक्रम का आयोजन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। किसानों को वैज्ञानिक खेती, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विकास खंड कोतवाली क्षेत्र की ग्राम पंचायत खिजरपुर एवं रसूलपुर आबाद में विकसित कृषि संकल्प अभियान एवं खेत बचाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और कृषि विशेषज्ञों से आधुनिक खेती की तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर मिट्टी की उर्वरता को लंबे समय तक बनाए रखा जा सकता है, जिससे उत्पादन बढ़ने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि संभव है।

कृषि विज्ञान केंद्र नगीना की उद्यान वैज्ञानिक डॉ. प्रतिमा ने किसानों को आम, लीची तथा विभिन्न सब्जी फसलों की उन्नत खेती संबंधी तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी। वहीं कृषि विभाग बिजनौर की ओर से खेत बचाओ अभियान और संतुलित उर्वरक उपयोग के महत्व पर किसानों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी (कृषि) रोहित कुमार ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों से उनका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। कृषि विभाग के क्षेत्रीय प्रभारी बालकरण सिंह ने संतुलित पोषण प्रबंधन, हरी खाद के उपयोग तथा जैविक उत्पादों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को टिकाऊ खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की ओर प्रोत्साहित करना, मृदा स्वास्थ्य का संरक्षण सुनिश्चित करना तथा संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। किसानों ने कार्यक्रम में दी गई जानकारियों को उपयोगी बताते हुए कृषि विशेषज्ञों के सुझावों को अपनाने की बात कही।

14 दिवसीय निशुल्क योग शिविर का शुभारंभ, 20 जून तक चलेगा अभियान

शामली (शिखर समाचार)। दिव्य योग संस्थान ट्रस्ट के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के अंतर्गत रविवार से 14 दिवसीय विशाल निशुल्क योग शिविर का शुभारंभ नगर पालिका की ऊपरी मंजिल पर किया गया। यह शिविर 20 जून तक प्रतिदिन प्रातः 5:00 बजे से 6:30 बजे तक संचालित किया जाएगा। शिविर का उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा सहित पदाधिकारियों, सदस्यों एवं योग साधकों ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के बाद आयोजित योगाभ्यास सत्र में

अंतरराष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। योग साधकों ने ग्रीवा चालन, स्कंध चालन, पादहस्तासन, त्रिकोणासन, कटिचक्रासन, वक्रासन, भुजंगासन, शलभासन, मकरासन, उत्तानपादासन, अर्धहलासन, कपालभाति, शीतली प्राणायाम तथा अनुलोम-विलोम का अभ्यास किया। सत्र का समापन प्रार्थना एवं शांति पाठ के साथ हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने कहा कि योग स्वस्थ जीवन का आधार है। नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है तथा व्यक्ति तनावमुक्त जीवन जी सकता है। उन्होंने उपस्थित योग साधकों से अपने मित्रों, परिचितों और आसपास के लोगों को भी शिविर से जोड़ने का आह्वान किया, ताकि अधिक से अधिक लोग योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें। शिविर में रमेश बजाज, सर्वन संगल, रण कुमार शर्मा, ऋषिपाल गोयल, अजय शर्मा, जयपाल सिंह, अरविंद मलिक, सुभाष चंद्र शर्मा, रविंद्र सिंह, अशोक चावला, कविता गुप्ता, शिक्षा शर्मा, उषा सिंह, रेखा राणा, पूनम शर्मा सहित अनेक योग साधक उपस्थित रहे।

धर्मांतरण के कथित मामले को लेकर हिंदू रक्षा दल का प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की मांग

शामली (शिखर समाचार)। हिंदू रक्षा दल के पदाधिकारियों ने रविवार को शामली रेलवे स्टेशन पर धर्मांतरण के एक कथित मामले को लेकर प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

हिंदू रक्षा दल के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी रेलवे स्टेशन पर एकत्र हुए। विरोध दर्ज कराने के लिए प्रदेश अध्यक्ष ने अर्द्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। उन्होंने शहर के भारत मेडिकल स्टोर संचालक देवराज मलिक के पुत्र आयुष के कथित धर्मांतरण प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। संगठन के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह उर्फ दीपक ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय गृहमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि शामली में सामने आया यह मामला अत्यंत गंभीर और संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि एक हिंदू युवक द्वारा इस्लाम धर्म अपनाने और नमाज पढ़ने की सूचना के बाद क्षेत्र में विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई है। ज्ञापन में मांग की गई कि पूरे प्रकरण की गहन जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि कहीं युवक पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव, प्रभाव या कथित ब्रेनवॉश तो नहीं किया गया। प्रदर्शन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने शहर के एक निजी चिकित्सक तथा कैराना सांसद के खिलाफ भी नारेबाजी की और मामले में उनकी भूमिका की जांच की मांग उठाई। हिंदू रक्षा दल ने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों का सम्मान करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए तथा यदि किसी प्रकार की अवैध गतिविधि सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन के मद्देनजर रेलवे स्टेशन परिसर और आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। बाद में संगठन के पदाधिकारी चेतावनी देकर शांतिपूर्वक लौट गए।

इस अवसर पर सोनू चावला, संजय उपाध्याय, नितिन शर्मा, श्रद्धा राजपूत, संध्या राजपूत, सोनू शर्मा और हरिओम पाठक सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी सीओ जितेंद्र कुमार, कोतवाली प्रभारी सचिन शर्मा, थाना आदर्श मंडी प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह तथा अन्य पुलिस अधिकारियों ने संभाली।

धर्मांतरण मामले में पिता-पुत्री गिरफ्तार, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

शामली (शिखर समाचार)। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला काजीवाड़ा में एक युवक के कथित धर्मांतरण मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपियों पिता-पुत्री को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार युवक को प्रेमजाल में फंसाकर, ब्लैकमेल कर तथा दबाव बनाकर धर्म परिवर्तन कराने और उसके परिवार को धमकाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में नामजद अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग अलग टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने बताया कि गत 4 जून को विभिन्न माध्यमों से सूचना प्राप्त हुई थी कि मोहल्ला काजीवाड़ा निवासी कुछ लोगों द्वारा दयानंद नगर निवासी आयुष मलिक को अपने प्रभाव में लेकर उसका धर्म परिवर्तन कराया गया। आरोप है कि आरोपियों ने चार वर्ष पुराना कथित निकाहनामा दिखाकर युवक और उसके परिवार पर इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बनाया। विरोध करने पर परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस संबंध में 6 जून को आयुष मलिक के पिता देवराज मलिक की तहरीर पर कोतवाली शामली में नौ नामजद आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। मुकदमे में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की धाराएं भी शामिल की गई हैं।

एसपी ने बताया कि रविवार को कोतवाली पुलिस ने मामले की मुख्य आरोपी चांदनी कुरैशी तथा उसके पिता इस्लाम कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी काजीवाड़ा क्षेत्र के निवासी हैं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में नामजद अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित कर दी गई हैं और उनकी तलाश में लगातार कार्रवाई की जा रही है।

जिला कमेटी और बूथ गठन पर सपा की मासिक बैठक, महंगाई बेरोजगारी को लेकर सरकार पर निशाना

शामली (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर रविवार को मासिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिला कमेटी और बूथ कमेटियों के गठन, वोटर लिस्ट सत्यापन तथा समाजवादी आंदोलन को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में महंगाई और भ्रष्टाचार को लेकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए।

करनाल रोड स्थित सपा कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र ताना ने की। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए जिला कमेटी और बूथ कमेटियों का शीघ्र गठन किया जाएगा, जिससे पार्टी कार्यकर्ता मतदाता सूची के सत्यापन कार्य में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से समाजवादी आंदोलन को गति देने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार को लेकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार को विफल बताया। बैठक में तीनों विधानसभा क्षेत्रों के बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) के कार्यों की समीक्षा की गई तथा शिक्षक स्नातक निर्वाचन की तैयारियों पर भी विचार विमर्श हुआ। बैठक में शेर सिंह राणा, दीपा पंवार, राशिद चौहान एडवोकेट, सुरेश प्रधान, वतन सिंह सैनी, प्रदीप सिंभालका, कलीम हसन, शमशाद बलवा, शमशेर जंग, अश्वनी गुर्जर, विपिन रोड, राहुल राणा, इमरान राणा, बबलू, सचिन सरोहा, सतीश चेयरमैन, प्रवीन प्रजापति, ममरेजे राणा सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बस स्टैंड के पास महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर जेवर और नकदी ठगी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित बस स्टैंड के निकट एक महिला को झांसे में लेकर बदमाशों ने सोने के आभूषण और नकदी ठग ली। पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। आदर्श नगर कॉलोनी निवासी ललित कुमार ने बताया कि उनकी माता शशिवाला किसी दुकान से सामान खरीदने के लिए बस स्टैंड क्षेत्र गई थीं। इसी दौरान रास्ते में दो युवक उनसे मिले। युवकों ने पहले किसी स्थान का रास्ता पूछा और बातचीत के दौरान उन्हें खाने के लिए कुछ दिया। आरोप है कि उसे खाने के बाद महिला बेसुध हो गई। कुछ समय बाद जब उन्हें होश आया तो उन्होंने देखा कि उनके कानों के सोने के कुंडल, अंगूठी तथा पास रखी नकदी गायब थी। इसके बाद महिला घर पहुंचीं और घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस का कहना है कि घटना स्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फुटेज के आधार पर संदिग्ध युवकों की पहचान कर जल्द ही उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अनजान व्यक्तियों से किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री या पेय पदार्थ स्वीकार न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को दें।

टोल प्लाजा प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की मांग, किसान संगठनों में रोष

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा प्रबंधक द्वारा किसान संगठनों को लेकर दिए गए कथित बयान के बाद क्षेत्र के विभिन्न किसान संगठनों में नाराजगी व्याप्त है। संगठनों के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक से मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

भारतीय किसान यूनियन (महासभा) तथा राष्ट्रीय किसान यूनियन सहित कई किसान संगठनों ने टोल प्रबंधक के बयान की कड़ी निंदा करते हुए इसे गैर-जिम्मेदाराना और किसानों की भावनाओं को आहत करने वाला बताया है। किसान नेताओं का कहना है कि किसान संगठन हमेशा किसानों के हितों और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करते रहे हैं, ऐसे में उन्हें असामाजिक तत्वों की संज्ञा देना पूरी तरह अनुचित है। किसान संगठनों ने सवाल उठाया कि यमुना एक्सप्रेसवे पर कई श्रेणियों के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों से टोल शुल्क नहीं लिया जाता, जबकि किसानों से नियमित रूप से टोल वसूला जाता है। उनका कहना है कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देने के बजाय संगठन और किसानों की छवि धूमिल करने वाले बयान दिए जा रहे हैं, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पदाधिकारियों ने कहा कि यदि किसानों और किसान संगठनों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले ऐसे बयान वापस नहीं लिए गए और संबंधित अधिकारी के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन आगे की रणनीति तय करने के लिए बाध्य होंगे। उल्लेखनीय है कि जेवर टोल प्लाजा के प्रबंधक ने हाल ही में मीडिया को दिए एक बयान में कुछ किसान संगठनों को असामाजिक तत्वों से जोड़ते हुए टिप्पणी की थी। इसी बयान को लेकर किसान संगठनों में आक्रोश है और उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

किरायेदार पर महिला ने लगाया मकान कब्जाने का आरोप, सोशल मीडिया पर लगाई गुहार

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-19 स्थित गौड़ यमुना सिटी में एक महिला मकान मालिक ने अपने किरायेदार पर मकान पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर प्रशासन से हस्तक्षेप करते हुए मकान खाली कराने की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि किरायेदार के पास मौजूद किरायानामा अभी दो माह तक वैध है। गाजियाबाद के इंदिरापुरम निवासी श्वेता सिंह के अनुसार उन्होंने अक्टूबर 2025 में अपना मकान 11 माह के लिए दिल्ली निवासी एक महिला को किराये पर दिया था। उनका आरोप है कि पिछले तीन माह से किरायेदार ने किराया नहीं दिया है। कई बार संपर्क करने का प्रयास करने के बावजूद किरायेदार न तो फोन उठा रही है और न ही मकान खाली करने को तैयार है। पीड़िता का यह भी आरोप है कि किरायेदार ने उनकी अनुमति के बिना मकान में 10 से 12 कुत्ते रख लिए हैं, जिससे आसपास के निवासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उधर गौड़ सिटी चौकी प्रभारी आशीष यादव ने बताया कि मामला पुलिस के संज्ञान में है। जांच के दौरान यह सामने आया है कि किरायेदार के पास मौजूद किरायानामे की अवधि समाप्त होने में अभी लगभग दो माह का समय शेष है। इसके बावजूद किरायेदार को जल्द से जल्द मकान खाली करने की हिदायत दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खतौली चीनी मिल में श्रीमद्भागवत कथा में उमड़े श्रद्धालु, कथा व्यास ने बताया जीवन का सार

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। त्रिवेणी ग्रुप की स्थानीय शुगर यूनिट परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही। कथा के दौरान कथा व्यास गंगोत्री तिवारी मृदुल ने भगवान के स्मरण और मानव जीवन के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि परमात्मा को भूलने का समय दुख नहीं, बल्कि सुख होता है। अक्सर व्यक्ति सुख और वैभव प्राप्त होने पर भगवान का स्मरण छोड़ देता है। इसी संदर्भ में उन्होंने महाभारत का उल्लेख करते हुए बताया कि माता कुंती ने भगवान से सुख नहीं, बल्कि दुख मांगा था, ताकि उनका भगवान के प्रति स्मरण निरंतर बना रहे। भीष्म पितामह से जुड़े प्रसंग का वर्णन करते हुए कथा व्यास ने कहा कि जिस व्यक्ति का भगवान के प्रति अगाध प्रेम और अटूट श्रद्धा होती है, उस पर भगवान अवश्य कृपा करते हैं। उन्होंने कहा कि भीष्म पितामह की इच्छा के अनुरूप भगवान ने उन्हें दर्शन दिए, क्योंकि उनके हृदय में प्रभु दर्शन की तीव्र अभिलाषा जागृत हुई थी।

कथा व्यास ने कहा कि मानव जीवन का वास्तविक लक्ष्य ऐसा होना चाहिए कि व्यक्ति संसार के सभी दायित्वों का निर्वहन करते हुए भी परमात्मा का स्मरण बनाए रखे। यही जीवन की सार्थकता और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग है। इस अवसर पर यूनिट के उपाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार, दीपक शर्मा एवं विशाल अग्रवाल ने अपनी धर्मपत्नी के साथ व्यासपीठ का पूजन किया। कार्यक्रम में डी.पी. गुप्ता, डी.पी. सिंह, डॉ. ए.एन. पाण्डेय, राजेश सिंह, श्याम सुंदर शर्मा, अशोक शर्मा, एन.के. शर्मा, प्रवीण कुमार, आशीष भारद्वाज, पंकज शर्मा, सुधाकर पाण्डेय, आयुष शर्मा, अंजू सिंह, पुष्पा सिंह, लता सिंह, राखी शर्मा, शिवानी अग्रवाल, संगीता पाण्डेय और आरती शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सहारनपुर के उप गन्ना आयुक्त ओ.पी. सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और कथा का श्रवण किया।

बिजनौर में नशे का कारोबार करने वाली दो सगी बहनें गिरफ्तार, 88 हजार से अधिक नकदी और स्मैक बरामद

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना शहर कोतवाली पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सगी बहनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लगभग 100 ग्राम स्मैक तथा उसकी बिक्री से प्राप्त 88,950 की नकदी बरामद की है।पुलिस के अनुसार जाटान चौकी क्षेत्र में लंबे समय से नशे के कारोबार की शिकायतें मिल रही थीं। मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चांदपुर चुंगी के पास स्थित एक मकान पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान मकान से भारी मात्रा में स्मैक बरामद हुई, जिसके

बाद पुलिस ने मौके से रहनुमा उर्फ नूरी और तबस्सुम नामक दो सगी बहनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे स्मैक की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर ग्राहकों को लगभग 400 प्रति पुड़िया के हिसाब से बेचती थीं। पुलिस का कहना है कि बरामद नकदी नशीले पदार्थों की बिक्री से अर्जित की गई रकम प्रतीत होती है। गिरफ्तार महिलाओं ने पूछताछ के दौरान बताया कि उनके पिता लंबे समय से बीमार हैं और परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। घर का खर्च और इलाज का खर्च उठाने में कठिनाई होने के कारण उन्होंने स्मैक तस्करी के अवैध कारोबार का रास्ता अपनाया। पुलिस ने बरामद स्मैक और नकदी को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही यह पता लगाने के लिए जांच तेज कर दी गई है कि इस अवैध नेटवर्क में और कौन कौन लोग शामिल हैं तथा नशीले पदार्थों की आपूर्ति कहां से की जा रही थी।

संपादकीय

घरेलू गैस की बढ़ती कीमतें : आम परिवारों की रसोई पर बढ़ता आर्थिक दबाव

देश में महंगाई का मुद्दा हमेशा से आम जनता के जीवन से सीधे जुड़ा रहा है, लेकिन जब महंगाई का असर रसोई तक पहुंचता है तो उसकी पीड़ा सबसे अधिक महसूस होती है। 7 जून 2026 से घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की वृद्धि लागू होने के बाद एक बार फिर करोड़ों परिवारों की चिंता बढ़ गई है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत बढ़कर 942 रुपये हो गई है। इससे पहले इसी वर्ष 7 मार्च को घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 60 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। यानी मात्र तीन महीनों के भीतर घरेलू गैस उपभोक्ताओं को दूसरी बार मूल्य वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के मध्यम वर्ग, निम्न मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों के मासिक बजट पर सीधा प्रभाव डाल रही है।

भारत जैसे देश में जहां बड़ी आबादी अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा भोजन और आवश्यक घरेलू जरूरतों पर खर्च करती है, वहां रसोई गैस की कीमतों में लगातार वृद्धि एक गंभीर सामाजिक और आर्थिक प्रश्न बन जाती है। एलपीजी अब केवल एक ईंधन नहीं बल्कि हर घर की बुनियादी आवश्यकता है। सरकारों ने वर्षों तक स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाए, करोड़ों परिवारों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए और पारंपरिक चूल्हों से होने वाले धुएं तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से मुक्ति दिलाने का प्रयास किया। ऐसे में यदि गैस सिलेंडर की कीमतें लगातार बढ़ती रहेंगी तो यह आशंका भी बढ़ेगी कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग पुनः पुराने और प्रदूषणकारी ईंधन स्त्रोतों की ओर लौटने को मजबूर हो सकते हैं।

एलपीजी मूल्य वृद्धि के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार की परिस्थितियों का तर्क दिया जाता है। कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की वैश्विक कीमतों में उतार चढ़ाव का प्रभाव भारतीय बाजार पर पड़ना स्वाभाविक है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है, इसलिए वैश्विक कीमतों में वृद्धि का असर घरेलू उपभोक्ताओं तक पहुंचता है। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि सरकार और संबंधित एजेंसियां आम जनता पर पड़ने वाले प्रभाव का संतुलित आकलन करें। केवल आर्थिक गणनाओं के आधार पर निर्णय लेना पर्याप्त नहीं है; सामाजिक प्रभावों को भी समान महत्व देना आवश्यक है।

वर्तमान समय में देश का आम नागरिक पहले से ही अनेक आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बढ़ता खर्च, आवास और परिवहन की बढ़ती लागत तथा रोजगार बाजार की अनिश्चितताएं पहले ही परिवारों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में रसोई गैस के दाम बढ़ना घरेलू बजट के उस हिस्से को प्रभावित करता है जहां बचत की गुंजाइश पहले ही सीमित हो चुकी है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में रहने वाले परिवारों के लिए यह अतिरिक्त बोझ चिंता का विषय है।

यह भी विचारणीय है कि गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि का प्रभाव केवल घरेलू उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं रहता। छोटे होटल, ढाबे, रेस्तरां, मिठाई की दुकानें और अनेक लघु व्यवसाय भी एलपीजी पर निर्भर हैं। उनके परिचालन खर्च में वृद्धि होने पर उसका असर अंततः वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों पर पड़ता है। इस प्रकार गैस की बढ़ी हुई कीमतें अप्रत्यक्ष रूप से व्यापक महंगाई को भी बढ़ावा दे सकती हैं। आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह एक श्रृंखलाबद्ध प्रभाव है, जिसका असर समाज के लगभग हर वर्ग तक पहुंचता है। सरकार के सामने चुनौती यह है कि ऊर्जा क्षेत्र की वित्तीय वास्तविकताओं और आम नागरिकों की आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित किया जाए।

~ मौलिक चिंतन ~

जिसका कोई लक्ष्य नहीं,
उसका कोई भविष्य नहीं।

© विनय संकोची

समंदर रो रहा है और हम सो रहे हैं ...

दिलीप कुमार पाठक

शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे समंदर किनारे बैठना अच्छा न लगता हो। पानी की उठती-गिरती लहरें, ठंडी हवा और दूर तक फैला नीला पानी हर किसी का मन मोह लेता है। लेकिन क्या कभी हम यह सोचते हैं कि जिस समंदर को हम सिर्फ घूमने-फिरने की जगह समझते हैं, वो असल में हमारी हर सांस से जुड़ा हुआ है? आज 8 जून को पूरी दुनिया विश्व महासागर दिवस मना रही है। यह दिन सिर्फ अखबारों में बधाई देने या भाषण झाड़ने का दिन नहीं है। यह दिन एक चेतावनी है उस समंदर की तरफ से, जो इंसानों की गलतियों की वजह से अब धीरे-धीरे बीमार पड़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस बार रीइमेजिन यानी फिर से सोचने की बात कही है, जो हमें याद दिलाती है कि अगर समंदर नहीं बचा, तो हमारा वजूद भी नहीं बचेगा। किताबों में तो लिख दिया जाता है कि धरती पर सत्तर प्रतिशत पानी है। लेकिन आसान भाषा में समझें तो यह समंदर हमारे ग्रह के फेफड़े हैं। हम जो सांस लेते हैं, उसकी आधी से ज्यादा ऑक्सीजन समंदर के छोटे-छोटे पौधों से आती है, न कि सिर्फ जंगलों से। दुनिया का मौसम बदलना, टाइम पर बारिश होना और धरती का तापमान काबू में रहना, यह सब इसी नीले समंदर के दम पर मुमकिन हो पाता है। लेकिन इसके बदले में हम इंसान समंदर को क्या दे रहे हैं? सिर्फ और सिर्फ अपना कचरा! हमारे घरों, नालों और फैक्ट्रियों का सारा गंदा पानी और केमिकल आखिरकार समंदर में ही जाकर मिलता है। इससे भी बड़ा दुश्मन है प्लास्टिक। हर साल लाखों टन प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां और चिप्स के पैकेट समंदर में फेंक दिए जाते हैं। आज हालत यह है कि समंदर के बीचों-बीच प्लास्टिक के तैरते हुए बड़े-बड़े पहाड़ बन चुके हैं। इस इंसानी लापरवाही की सबसे भारी कीमत बेजुबान समुद्री जीव चुका रहे हैं। कछुओं के मुंह में प्लास्टिक की स्ट्रॉ फंस जाती है, तो मछलियों के पेट से टनों प्लास्टिक की थैलियां निकल रही हैं। और नुकसान सिर्फ उनका नहीं हो रहा। जो मछलियां इस प्लास्टिक को खाती हैं, जब वही मछलियां इंसानों की थाली तक पहुंचती हैं, तो वो जहर घूम-फिरकर हमारे खुद के शरीर में आ जाता है। अगर हम भारत की बात करें, तो हमारी तटीय सीमा बहुत बड़ी है। करोड़ों मछुआरों के परिवारों की रोटी-रोटी इसी समंदर से चलती है। लेकिन पिछले कुछ सालों में आपने भी ध्यान दिया होगा कि समुद्री तूफानों की गिनती अचानक बढ़ गई है। आए दिन चक्रवात तबाही मचाते हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी गलतियों से समंदर गर्म हो रहा है और उसका गुस्सा इन तूफानों के रूप में हमारे शहरों पर फूट रहा है। हम प्रकृति को जो दे रहे हैं, वही लौटकर हमारे पास आ रहा है। अब सवाल यह है कि एक आम आदमी क्या कर सकता है? हमें कोई बहुत बड़ा काम नहीं करना है, बस अपनी छोटी-छोटी आदतें बदलनी हैं। जब भी हम किसी बीच या नदी किनारे घूमने जाएं, तो वहां कचरा न फैलाएं। सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दें। आज हमारे हाथ से छूटी एक प्लास्टिक की बोतल कल किसी मासूम जीव की जान ले सकती है।

रही बात सरकारों और नेताओं की, तो बड़े-बड़े वादे और कागजी नियम बहुत बन चुके। अब जरूरत इस बात की है कि फैक्ट्रियों के मालिक और नगर निगम वाले शहर का गंदा नाला सीधे नदियों और समंदर में गिराना बंद करें। जब तक इन पर तगड़ा जुमार्ना नहीं लगेगा और कैमरे लगाकर निगरानी नहीं होगी, तब तक कुछ बदलने वाला नहीं है। आखिर में बात बस इतनी सी है कि समंदर हमें चुपचाप जीवन दे रहा है और हम बदले में उसे धीरे-धीरे मार रहे हैं। अगर हम आज भी नहीं सुधरे, तो आने वाले समय में समंदर किनारे सिर्फ कचरे के ढेर और बदबू ही मिलेगी, सुकून नहीं। इसलिए, इस 8 जून को मोबाइल पर केवल फोटो और स्टेटस लगाने का दिखावा करने के बजाय, खुद से एक छोटा सा वादा करें कि हम अपनी तरफ से गंदगी नहीं फैलाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश से रक्षा संबंध बना रहा तुर्किये, भारत को दो तरफ से घेरने की रणनीति!

नीरज कुमार दुबे

दक्षिण एशिया की बदलती भू राजनीतिक बिसात पर अब एक नया और बेहद खतरनाक समीकरण तेजी से उभर रहा है। भारत विरोधी रवैये के लिए लंबे समय से चर्चित तुर्किये अब केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने बांग्लादेश के साथ भी अपने रक्षा और सामरिक रिश्तों को तेजी से विस्तार देना शुरू कर दिया है। ढाका पहुंचे तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने जिस तरह बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया, उसने नई दिल्ली की चिंता और गहरा दी है। इस बयान को भारत के चारों ओर रणनीतिक दबाव बनाने की सुनियोजित चाल के रूप में देखा जा रहा है।

तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई, वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है। बांग्लादेश ने तुर्किये को रक्षा सामग्री निर्माण में निवेश का खुला न्योता दिया है। दोनों देशों ने पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाने की बात कही है। यह वही तुर्किये है जिसने पाकिस्तान के साथ मिलकर वर्षों तक भारत विरोधी मोचेबंदी की, कश्मीर मुद्दे पर खुलकर इस्लामाबाद का साथ दिया और इस्लामी सहयोग संगठन के मंचों पर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास किया।

उधर, दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता यह है कि तुर्किये अब भारत के पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान और पूर्वी मोर्चे पर बांग्लादेश के साथ समानांतर सामरिक रिश्ते बना रहा है। यह दो तरफा दबाव की रणनीति जैसी दिखाई देती है। पाकिस्तान पहले से ही तुर्किये के रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और सैन्य प्रशिक्षण का लाभ उठा रहा है। अब यदि वही ढांचा बांग्लादेश तक पहुंचता है, तो भारत के लिए सुरक्षा समीकरण और जटिल हो जाएंगे। खास तौर पर तब, जब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार अपनी विदेश नीति को नए ढंग से गढ़ने की कोशिश कर रही है।

इसके अलावा, तुर्किये और बांग्लादेश के बीच केवल रक्षा सहयोग ही नहीं, बल्कि आर्थिक और संस्थागत साझेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। दोनों देश व्यापार को तेरह अरब डॉलर से बढ़ाकर बीस अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में तुर्किये को निवेश का निमंत्रण दिया गया है। वस्त्र, दवा निर्माण, जहाज निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। ढाका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अस्पताल और नर्सिंग संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यह साफ दिखाता है कि तुर्किये केवल सैन्य साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव स्थापित करने की नीति पर काम कर रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुर्किये दक्षिण एशिया में खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रभावशाली संरक्षक के रूप में स्थापित करना चाहता है। रोहिंग्या मुद्दे पर उसकी सक्रियता, गाजा पर आक्रामक बयानबाजी और बांग्लादेश के साथ मानवीय सहयोग इसी रणनीति का हिस्सा हैं। लेकिन इसके पीछे छिपा बड़ा उद्देश्य क्षेत्रीय प्रभाव विस्तार और भारत की सामरिक चुनौती को बढ़ाना है।

वैसे तो तुर्किये लगातार यह कह रहा है कि भारत को उसके पाकिस्तान से रिश्तों की वजह से उससे दूरी नहीं बनानी चाहिए। लेकिन असली सवाल भरोसे का है। राष्ट्रपति एर्दोआन कई बार खुलकर कश्मीर पर पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे चुके हैं। तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा रिश्ते भी काफी मजबूत कर लिए हैं। इतना ही नहीं, पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरण और ड्रोन तक मुहैया कराए थे। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से आए जिन कई ड्रोनों को मार गिराया था, उनमें तुर्किये में बने ड्रोन भी शामिल थे। ऐसे में तुर्किये का भारत से दोस्ती और संतुलन की बात करना नई दिल्ली को एक सोची समझी रणनीतिक चाल जैसा लगता है। यही वजह है कि भारत भी अब तुर्किये को उसी की भाषा में जवाब दे रहा है।

दरअसल, भारत ने हाल के वर्षों में साइप्रस और ऑर्मेनिया के साथ अपने रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत किया है। ऑर्मेनिया अब भारतीय हथियारों का बड़ा खरीदार बन चुका है। साइप्रस के साथ भी भारत रणनीतिक और रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। यह सीधे-सीधे तुर्किये को संदेश है कि यदि अंकारा भारत के पड़ोस में दखल बढ़ाएगा, तो नई दिल्ली भी तुर्किये के सामरिक क्षेत्र में जवाबी दबाव बनाएगी। जिस तरह तुर्किये पाकिस्तान और अब बांग्लादेश के जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह भारत भी तुर्किये के विरोधी या प्रतिस्पर्धी देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। यह नई शीत प्रतिद्वंद्विता का संकेत है।

उधर, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति भी इस समय भारत के लिए गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। भारत की ओर से सबसे पहले आधिकारिक यात्रा का निमंत्रण मिलने के बावजूद रहमान ने पहले मलेशिया और फिर चीन जाने का फैसला किया। ढाका ने साफ तौर पर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह अब केवल भारत पर निर्भर रहने वाली नीति से आगे बढ़ना चाहता है। खास बात यह है कि चीन यात्रा के दौरान तीस्ता परियोजना समेत कई बड़े रणनीतिक मुद्दों पर बातचीत की संभावना जताई जा रही है। साथ ही तारिक रहमान की मलेशिया यात्रा को केवल एक सामान्य विदेश दौरे के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। इसके पीछे साफ रणनीतिक सोच दिखाई दे रही है। बांग्लादेश नहीं चाहता था कि नई सरकार की पहली विदेश यात्रा सीधे भारत या चीन में से किसी एक देश की तरफ झुकाव का संकेत दे। यही वजह है कि ढाका ने मलेशिया को पहले पड़ाव के तौर पर चुना, ताकि वह खुद को तटस्थ दिखा सके और भारत, चीन प्रतिस्पर्धा से दूरी बनाने का संदेश दे सके। लेकिन इसके राजनीतिक और सामरिक मायने काफी बड़े हैं। मलेशिया यात्रा के बाद चीन जाने की तैयारी यह संकेत देती है कि बांग्लादेश अब अपनी विदेश नीति को नए संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहता है। इससे भारत की चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि ढाका अब एक साथ चीन, तुर्किये, पाकिस्तान और अन्य इस्लामी देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। यह आने वाले समय में भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक चुनौती को और कठिन बना सकता है।

देखा जाये तो भारत के लिए यह समय बेहद सतर्क रहने का है। पाकिस्तान के साथ तुर्किये की साझेदारी पहले ही चिंता का कारण थी, लेकिन अब यदि बांग्लादेश भी उसी धुरी का हिस्सा बनने लगता है, तो यह भारत की पूर्वी सुरक्षा संरचना के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। हालांकि भारत को कम करके आंकना ढाका, इस्लामाबाद और अंकारा तीनों की सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। भले ही बांग्लादेश चीन, पाकिस्तान और तुर्किये के साथ मिलकर नए समीकरण बनाने की कोशिश करे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति बेहद दूरदर्शी और बहुस्तरीय मानी जाती है। कभी कभार ऐसा लग सकता है कि भारत चुप क्यों है, लेकिन इतिहास गवाह है कि सही समय आने पर प्रधानमंत्री मोदी का जवाब बेहद सटीक और ताकतवर होता है। कूटनीति का जवाब कूटनीति से और रणनीतिक चालों का जवाब उससे भी बड़ी चाल से देना ही मोदी की कार्यशैली रही है। यही वजह है कि आज भारत केवल अपने विरोधियों की गतिविधियों पर नजर नहीं रख रहा, बल्कि उनके हर कदम का जवाब देने के लिए समानांतर रणनीतिक मोर्चे भी तैयार कर रहा है।

कंगाली में आटा गीला का सामना करती ममता बनर्जी

मनोज कुमार अग्रवाल

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी कंगाली में आटा गीला। यह ममता बनर्जी के साथ बिल्कुल खरी साबित हो रही है एक ओर वह सत्ता से बाहर हो गयीं हैं दूसरे ओर उनके अपने ही उनके खिलाफ मुखर हो गए हैं।

आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है।

राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है।

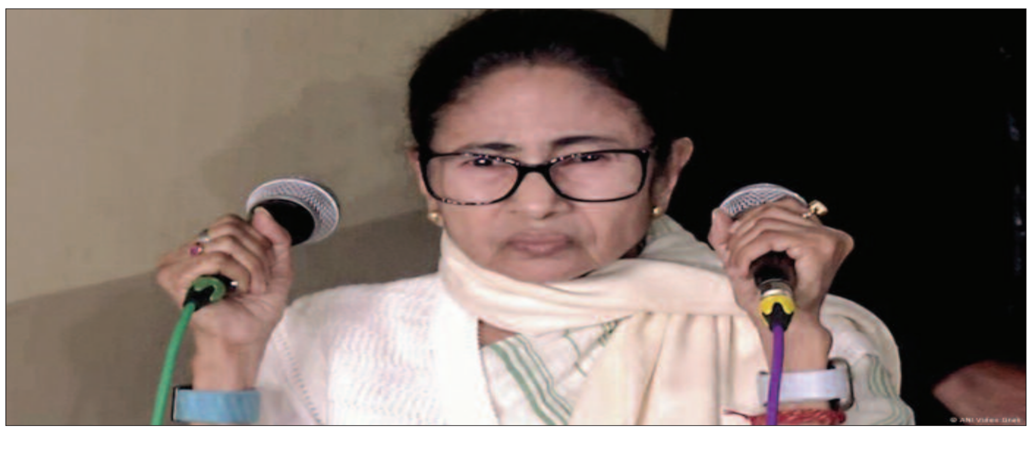

ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं।

आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी।

ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन की वह सदस्य जरूर बनी रही थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमजोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण प्रदेश की आर्थिकता डावांडोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा। हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए सैमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रिताव्रता बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बगावत का मार्ग अपना लिया। इस मामले को लेकर ही बुधवार को पार्टी के 80 विधायकों में से 59 विधायकों ने विधानसभा के स्पीकर से सम्पर्क किया। अपने हस्ताक्षरों वाला पत्र उन्हें सौंपा और अपने गुट को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। पार्टी के 28 वर्ष के के इतिहास में ममता पर पहली बार इतना बड़ा हमला हुआ है। इसकी उदाहरण महाराष्ट्र से मिलती है, जब 20 जून, 2022 को वहां शिव सेना के 55 में से 40 विधायकों ने एकनाथ शिंदे का उस समय साथ दिया था, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। उसके सप्ताह भर बाद ही शिंदे वहां भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए थे। अब दो तिहाई सदस्यों के एकजुट होने से विधानसभा में ममता के समर्थक सदस्य 2 दर्जन से भी कम रह गए हैं, जिससे उनकी राजनीतिक हालत और भी दयनीय हो गई प्रतीत होती है।

दूसरी तरफ भाजपा को बड़ी जीत प्राप्त होने के कारण उसके नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के बागियों के साथ कोई भी समझौता करने से इंकार कर दिया है। रिताव्रता बनर्जी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत वामपंथी विद्यार्थी संगठन से की थी। 34 वर्ष की उम्र में वह राज्यसभा के सदस्य बन गए थे और बाद में वह टी.एम.सी. में शामिल हो गए थे। ममता ने ही उन्हें वर्ष 2024 में राज्यसभा में भेजा था। विधानसभा चुनाव में वह उलबेरिया सीट से विधायक चुने गए हैं। चाहे ममता ने इस बड़ी चुनौती के समक्ष भी अपना हौसला कायम रखते हुए इन बागियों और भाजपा को ललकारा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा विरोधी पार्टियों से सम्पर्क करने की बात भी की है, परन्तु अब यह देखना शेष होगा, कि वह निकट भविष्य में प्रदेश और देश की राजनीति में किस तरह विचरण करेंगी।स्पष्ट है कि आज की राजनीति में साम दाम दंड भेद सब का चलन बढ़ गया है सत्ता में सबको समेट रखने की ताकत है लेकिन सत्ता से बाहर होते ही अपने सगे साथियों की हकीकत सामने आ जाती है कि उनके दिल में कितना खार छुपाए बैठे थे यह बदलते दौर की राजनीति की नंगी तस्वीर है इस को स्वीकार करना ही होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अधिकतर हिन्दुओं के पास अपने ही धर्मग्रंथ को पढ़ने की फुरसत नहीं है। वेद, उपनिषद पढ़ना तो दूर, वे गीता तक को नहीं पढ़ते जबकि गीता को 1 घंटे में पढ़ा जा सकता है। हालांकि कई जगह वे भागवत पुराण सुनने या रामायण का अखंड पाठ करने के लिए समय निकाल लेते हैं या घर में सत्यनारायण की कथा करवा लेते हैं। लेकिन आपको यह जानकारी होना चाहिए कि पुराण, रामायण और महाभारत हिन्दुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं।

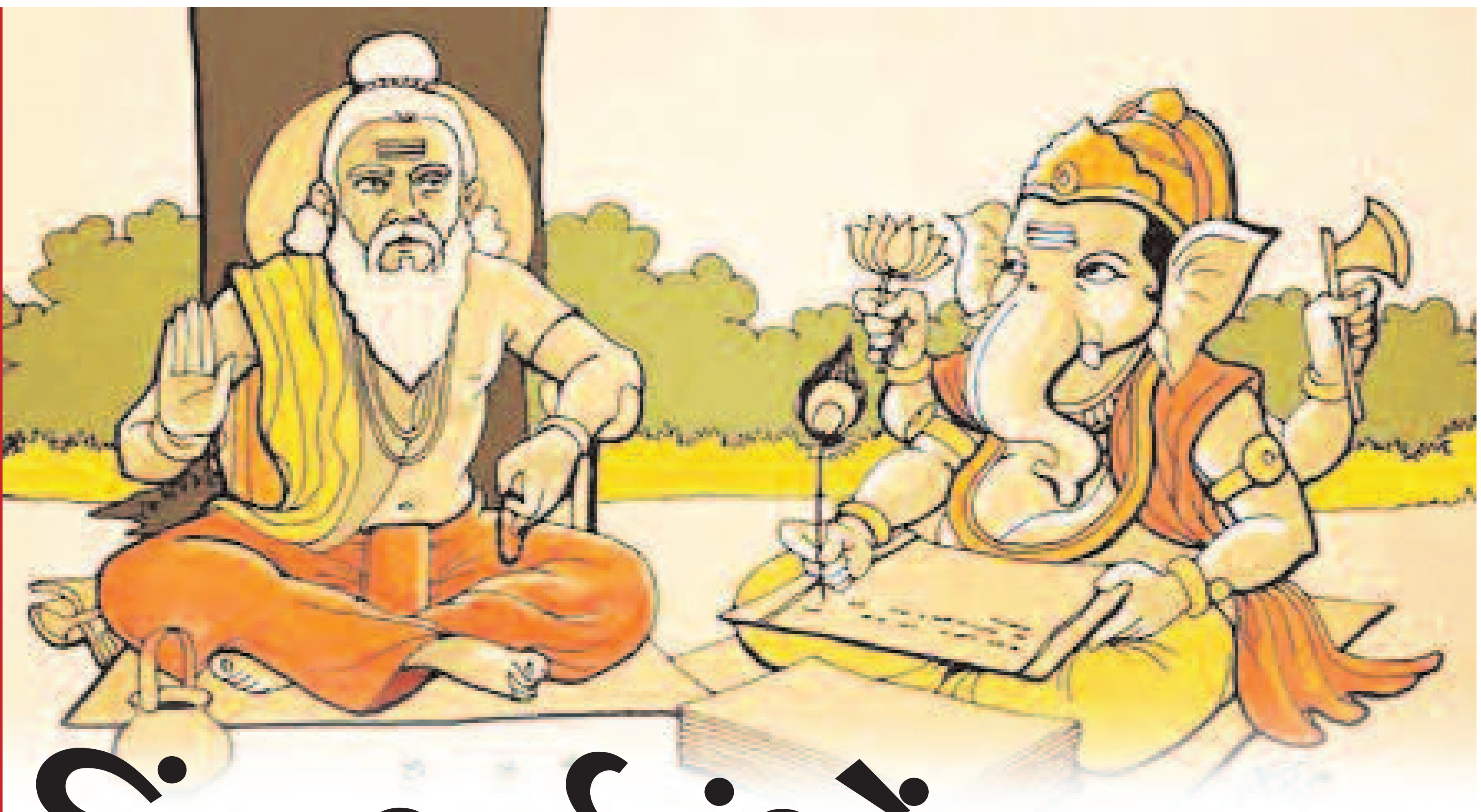

हिंदू धर्मग्रंथों का सार

जानिए किस ग्रंथ में क्या है?

शास्त्रों को 2 भागों में बांटा गया है– श्रुति और स्मृति। श्रुति के अंतर्गत धर्मग्रंथ वेद आते हैं और स्मृति के अंतर्गत इतिहास और वेदों की व्याख?या की पुस्तकें पुराण, महाभारत, रामायण, स्मृतियां आदि आते हैं। हिन्दुओं के धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। आओ जानते हैं कि उक्त ग्रंथों में क्या है।

वेदों में क्या है?

वेदों में ब्रह्म (ईश्वर), देवता, ब्रह्मांड, ज्योतिष, गणित, रसायन, औषधि, प्रकृति, खगोल, भूगोल, धार्मिक नियम, इतिहास, संस्कार, रीति–रिवाज आदि लगभग सभी विषयों से संबंधित ज्ञान भरा पड़ा है। वेद 4 हैं– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गंधर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद ये क्रमश: चारों वेदों के उपवेद बतलाए गए हैं।

ऋग्वेद : ऋक अर्थात स्थिति और ज्ञान। इसमें भौगोलिक स्थिति और देवताओं के आवाहन के मंत्रों के साथ बहुत कुछ है। ऋग्वेद की ऋचाओं में देवताओं की प्रार्थना, स्तुतियां और देवलोक में उनकी स्थिति का वर्णन है। इसमें जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सौर चिकित्सा, मानस चिकित्सा और हवन द्वारा चिकित्सा आदि की भी जानकारी मिलती है।

यजुर्वेद : यजु अर्थात गतिशील आकाश एवं कर्म। यजुर्वेद में यज्ञ की विधियां और यज्ञों में प्रयोग किए जाने वाले मंत्र हैं। यज्ञ के अलावा तत्वज्ञान का वर्णन है। तत्वज्ञान अर्थात रहस्यमयी ज्ञान। ब्रम्हांड, आत्मा, ईश्वर और पदार्थ का ज्ञान। इस वेद की 2 शाखाएं हैं– शुक्ल और कृष्ण।

सामवेद : साम का अर्थ रूपांतरण और संगीत। सौम्यता और उपासना। इस वेद में ऋग्वेद की ऋचाओं का संगीतमय रूप है। इसमें सविता, अग्नि और इन्द्र देवताओं के बारे में जिक्र मिलता है। इसी से शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जिक्र भी मिलता है। इस वेद को संगीत शास्त्र का मूल माना जाता है। इसमें संगीत के विज्ञान और मनोविज्ञान का वर्णन भी मिलता है।

अथर्ववेद : थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी–बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है।

उपनिषद क्या है?

उपनिषद वेदों का सार है। सार अर्थात निचोड़ या संक्षिप्त। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। ईश्वर है या नहीं, आत्मा है या नहीं, ब्रह्मांड कैसा है आदि सभी गंभीर, तत्वज्ञान, योग, ध्यान, समाधि, मोक्ष आदि की बातें उपनिषद में मिलेंगी। उपनिषदों को प्रत्येक हिन्दू को पढ़ना चाहिए। इन्हें पढ़ने से ईश्वर, आत्मा, मोक्ष और जगत के बारे में सच्चा ज्ञान मिलता है।

वेदों के अंतिम भाग को 'वेदांत' कहते हैं। वेदांतों को ही उपनिषद कहते हैं। उपनिषद में तत्वज्ञान की चर्चा है। उपनिषदों की संख्या वैसे तो 108 है, परंतु मुख्य 12 माने गए हैं, जैसे– 1.ईश, 2.केन, 3.कठ, 4.प्रश्न, 5.मुण्डक, 6.माण्डूक्य, 7.तैत्तिरीय, 8.ऐतरेय, 9.छांदोग्य, 10.बृहदारण्यक, 11.कौषीतकि और 12.श्वेताश्वतर।

षड्दर्शन क्या है?

गीता में क्या है?

महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा है गीता। गीता में भी कुल 18 अध्याय हैं। 10 अध्यायों की कुल श्लोक संख्या 700 है। वेदों के ज्ञान को नए तरीके से किसी ने व्यवस्थित किया है तो वे हैं भगवान श्रीकृष्ण। अत: वेदों का पॉकेट संस्करण है गीता, जो हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र ग्रंथ है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह वेद या उपनिषद पढ़े। उनके लिए गीता ही सबसे उत्तम धर्मग्रंथ है। गीता को बार–बार पढ़ने के बाद ही वह समझ में आने लगती है। गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम–नियम और धर्म–कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार–बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म–कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी–देवता, उपासना, प्रार्थना, यम–नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्व जन्म, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है।

श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान–भक्ति–कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है। गीता को अर्जुन के अलावा और संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। उपरोक्त ग्रंथों के ज्ञान का सार बिंदुवार :

ईश्वर के बारे में :

ब्रह्म (परमात्मा) एक ही है जिसे कुछ लोग सगुण (साकार) तो कुछ लोग निर्गुण (निराकार) कहते हैं। हालांकि वह अजन्मा, अप्रकट है। उसका न कोई पिता है और न ही कोई उसका पुत्र है। वह किसी के भाग्य या कर्म को नियंत्रित नहीं करता। न कि वह किसी को दंड या पुरस्कार देता है। उसका न तो कोई प्रारंभ है और न ही अंत। वह अनादि और अनंत है। उसकी उपस्थिति से ही संपूर्ण ब्रह्मांड चलायमान है। सभी कुछ उसी से उत्पन्न होकर अंत में उसी में लीन हो जाता है। ब्रह्मलीन।

ब्रह्मांड के बारे में :

यह दिखाई देने वाला जगत फैलता जा रहा है और दूसरी ओर से यह सिकुड़ता भी जा रहा है। लाखों सूर्य, तारे और धरतीयों का जन्म है, तो उसका अंत भी। जो जन्मा है वह मरेगा भी। सभी कुछ उसी ब्रह्म से जन्मे और उसी में लीन हो जाने वाले हैं। यह ब्रह्मांड परिवर्तनशील है। इस जगत का संचालन उसी की शक्ति से स्वत: ही होता है, जैसे कि सूर्य के आकर्षण से ही धरती अपनी धूरी पर टिकी हुई होकर चलायमान है। उसी तरह लाखों सूर्य और तारे एक महासूर्य के आकर्षण से टिके होकर संचालित हो रहे हैं। उसी तरह लाखों महासूर्य उस एक ब्रह्मा की शक्ति से ही जगत में विद्यमान हैं।

आत्मा के बारे में :

आत्मा का स्वरूप ब्रह्म (परमात्मा) के समान है। जैसे सूर्य और दीपक में जो फर्क है उसी तरह आत्मा और परमात्मा में फर्क है। आत्मा के शरीर में होने के कारण ही यह शरीर संचालित हो रहा है। ठीक उसी तरह जिस तरह कि संपूर्ण धरती, सूर्य, ग्रह–नक्षत्र और तारे भी उस एक परमपिता की उपस्थिति से ही संचालित हो रहे हैं। आत्मा का न जन्म होता है और न ही उसकी कोई मृत्यु होती है। आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरा शरीर धारण करती है। यह आत्मा अजर और अमर है। आत्मा को प्रकृति द्वारा 3 शरीर मिलते हैं– एक, वह जो स्थूल आंखों से दिखाई देता है। दूसरा, वह जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं, जो कि ध्यानी को ही दिखाई देता है और तीसरा, वह शरीर जिसके कारण शरीर कहते हैं, उसे देखना अत्यंत ही मुश्किल है। बस उसे वही आत्मा महसूस करती है, जो कि उसमें रहती है। आप और हम दोनों ही आत्मा हैं। हमारे नाम और शरीर अलग–अलग हैं लेकिन भीतरी स्वरूप एक ही हैं।

स्वर्ग और नरक के बारे में :

वेदों के अनुसार पुराणों के स्वर्ग या नर्क को गतियों से समझा जा सकता है। स्वर्ग और नर्क 2 गतियां हैं। आत्मा जब देह छोड़ती है तो मूलत: 2 तरह की गतियां होती हैं– 1.अगति और 2.गति।

वेद से निकला षड्दर्शन

वेद और उपनिषद को पढ़कर ही 6 ऋषियों ने अपना दर्शन गढ़ा है। इसे भारत का षड्दर्शन कहते हैं। दरअसल, यह वेद के ज्ञान का श्रेणीकरण है। ये 6 दर्शन हैं– 1.न्याय, 2.वैशेषिक, 3.सांख्य, 4.योग, 5.मीमांसा और 6.वेदांत। वेदों के अनुसार सत्य या ईश्वर को किसी एक माध्यम से नहीं जाना जा सकता। इसीलिए वेदों ने कई मार्गों या माध्यमों की चर्चा की है।

1.अगति : अगति में व्यक्ति को मोक्ष नहीं मिलता है उसे फिर से जन्म लेना पड़ता है।

2.गति : गति में जीव को किसी लोक में जाना पड़ता है या वह अपने कर्मों से मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

*अगति के 4 प्रकार हैं– 1.क्षिणोदर्क, 2.भूमोदर्क, 3.अगति और 4.दुर्गति।

*क्षिणोदर्क : क्षिणोदर्क अगति में जीव पुन: पुण्यात्मा के रूप में मृत्युलोक में आता है और संतों–सा जीवन जीता है।

*भूमोदर्क : भूमोदर्क में वह सुखी और ऐश्वर्यशाली जीवन पाता है।

*अगति : अगति में नीच या पशु जीवन में चला जाता है।

*दुर्गति : दुर्गति में वह कीट–कीड़ों जैसा जीवन पाता है।

* गति के भी 4 प्रकार– गति के अंतर्गत 4 लोक दिए गए हैं– 1.ब्रह्मलोक, 2.देवलोक, 3.पितृलोक और 4.नर्कलोक। जीव अपने कर्मों के अनुसार उक्त लोकों में जाता है।

तीन मार्गों से यात्रा :

जब भी कोई मनुष्य मरता है या आत्मा शरीर को त्यागकर यात्रा प्रारंभ करती है तो इस दौरान उसे 3 प्रकार के मार्ग मिलते हैं। ऐसा कहते हैं कि उस आत्मा को किस मार्ग पर चलाया जाएगा और यह केवल उसके कर्मों पर निर्भर करता है। ये 3 मार्ग हैं– अर्चि मार्ग, धूम मार्ग और उत्पत्ति–विनाश मार्ग। अर्चि मार्ग ब्रह्मलोक और देवलोक की यात्रा के लिए होता है, वहीं धूममार्ग पितृलोक की यात्रा पर ले जाता है और उत्पत्ति–विनाश मार्ग नर्क की यात्रा के लिए है।

धर्म और मोक्ष के बारे में :

धर्मग्रंथों के अनुसार धर्म का अर्थ है यम और नियम को समझकर उसका पालन करना। नियम ही धर्म है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से मोक्ष ही अंतिम लक्ष्य होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति को मोक्ष के बारे में विचार करना चाहिए। मोक्ष क्या है? स्थितप्रज्ञ आत्मा को मोक्ष मिलता है। मोक्ष का भावार्थ यह कि आत्मा शरीर नहीं है, इस सत्य को पूर्णत: अनुभव करके ही अशरीरी होकर स्वयं के अस्तित्व को पुख?ता करना ही मोक्ष की प्रथम सीढ़ी है।

व्रत और त्योहार के बारे में :

हिन्दू धर्म के सभी व्रत, त्योहार या तीर्थ सिर्फ मोक्ष की प्राप्त हेतु ही निर्मित हुए हैं। मोक्ष तब मिलेगा जब व्यक्ति स्वस्थ रहकर प्रसन्नचित्त और खुशहाल जीवन जीएगा। व्रत से शरीर और मन स्वस्थ होता है। त्योहार से मन प्रसन्न होता है और तीर्थ से मन और मस्तिष्क में वैराग्य और अध्यात्म का जन्म होता है।

मौसम और ग्रह–नक्षत्रों की गतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए व्रत और त्योहारों का महत्व अधिक है। व्रतों में चतुर्थी, एकादशी, प्रदोष, अमावस्या, पूर्णिमा, श्रावण मास और कार्तिक मास के दिन व्रत रखना श्रेष्ठ है। यदि उपरोक्त सभी नहीं रख सकते हैं तो श्रावण के पूरे महीने व्रत रखें। त्योहारों में मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव ही मनाएं। पर्व में श्राद्ध और कुंभ का पर्व जरूर मनाएं।

व्रत करने से काया निरोगी और जीवन में शांति मिलती है। सूर्य की 12 और 12 चन्द्र की संक्रांतियां होती हैं। सूर्य संक्रांतियों में उत्सव का अधिक महत्व है, तो चन्द्र संक्रांति में व्रतों का अधिक महत्व है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन। इसमें से श्रावण मास को व्रतों में सबसे श्रेष्ठ मास माना गया है। इसके अलावा प्रत्येक माह की एकादशी, चतुर्दशी, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या और अधिकमास में व्रतों का अलग–अलग महत्व है। सौरमास और चान्द्रमास के बीच बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिकमास कहते हैं। साधुजन चातुर्मास अर्थात 4 महीने श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह में व्रत रखते हैं।

उत्सव, पर्व और त्योहार सभी का अलग–अलग अर्थ और महत्व है। प्रत्येक ऋतु में एक उत्सव है। उन त्योहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र, स्मृति, पुराण और आचार संहिता में मिलता है। चन्द्र और सूर्य की संक्रांतियों के अनुसार कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। 12 सूर्य संक्रांतियां होती हैं जिसमें 4 प्रमुख हैं– मकर, मेष, तुला और कर्क। इन 4 में मकर संक्रांति महत्वपूर्ण है। सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, संक्रांति और कुंभ। पर्वों में रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा, वसंत पंचमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, शिवरात्रि, होली, ओणम, दीपावली, गणेश चतुर्थी और रक्षाबंधन प्रमुख हैं। हालांकि सभी में मकर संक्रांति और कुंभ को सर्वोच्च माना गया है।

तीर्थ के बारे में :

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं, उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। तीर्थों में 4 धाम ज्योतिर्लिंग, अमरनाथ, शक्तिपीठ और सप्तपुरी की यात्रा का ही महत्व है। अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयाग को तीर्थों का प्रमुख केंद्र माना जाता है जबकि कैलाश मानसरोवर को सर्वोच्च तीर्थ माना गया है। बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम्‌ और जगन्नाथपुरी ये 4 धाम हैं। सोमनाथ, द्वारका, महाकालेश्वर, श्रीशैल, भीमाशंकर, ?कारेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम्‌, घृष्णेश्वर और बैद्यनाथ ये द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं। काशी, मथुरा, अयोध्या, द्वारका, माया, कांची और अवंति उज्जैन ये सप्तपुरियां हैं। उपरोक्त कहे गए तीर्थ की यात्रा ही धर्मसम्मत है।

संस्कार के बारे में :

संस्कारों के प्रमुख प्रकार 16 बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है– गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह मनुष्य के सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है। उक्त संस्कारों को वैदिक नियमों के द्वारा ही संपन्न किया जाना चाहिए।

पाठ करने के बारे में :

वेदों, उपनिषद या गीता का पाठ करना या सुनना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है। उपनिषद और गीता का स्वयं अध्ययन करना और उसकी बातों की किसी जिज्ञासु के समक्ष चर्चा करना पुण्य का कार्य है। लेकिन किसी बहसकर्ता या भ्रमित व्यक्ति के समक्ष वेद वचनों को कहना निषेध माना जाता है। प्रतिदिन धर्मग्रंथों का कुछ पाठ करने से देव शक्तियों की कृपा मिलती है। हिन्दू धर्म में वेद, उपनिषद और गीता के पाठ करने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। वक्त बदला तो लोगों ने पुराणों में उल्लेखित कथा की परंपरा शुरू कर दी, जबकि वेदपाठ और गीता पाठ का अधिक महत्व है।

धर्म, कर्म और सेवा के बारे में :

धर्म–कर्म और सेवा का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। साथ ही जिससे हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय हित भी साधे जाते हों अर्थात ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म–कर्म को कई तरीके से साधा जा सकता है, जैसे– 1.व्रत, 2.सेवा, 3.दान, 4.यज्ञ, 5.प्रायश्चित, दीक्षा देना और मंदिर जाना आदि।

सेवा का मतलब यह कि सर्वप्रथम माता–पिता, फिर बहन–बेटी, फिर भाई–बंधु की किसी भी प्रकार से सहायता करना ही धार्मिक सेवा है। इसके बाद अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा–सहायता करना पुण्य का कार्य माना गया है। इसके अलावा सभी प्राणियों, पक्षियों, गाय, कुत्ते, कौओं, चींटी आति को अन्न–जल देना– ये सभी यज्ञ कर्म में आते हैं।

दान के बारे में :

दान से इन्द्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। देव आराधना का दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है। वेदों में 3 प्रकार के दाता कहे गए हैं– 1.उक्तम, 2.मध्यम और 3.निकृष्?टतम। धर्म की उन्नति, रूप, सत्य विद्या के लिए जो देता है, वह उत्तम। कीर्तिं या स्वार्थ के लिए जो देता है वह मध्यम और जो वेश?यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को देता वह निकृष्ट माना गया है। पुराणों में अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान को ही श्रेष्ठ माना गया है, यही पुण?य भी है।

यज्ञ के बारे में :

यज्ञ के प्रमुख 5 प्रकार हैं– ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, वैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। यज्ञ पालन से ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है। नित्य संध्यावंदन, स्वाध्याय तथा वेदपाठ करने से ब्रह्म यज्ञ संपन्न होता है। देवयज्ञ सत्संग तथा अग्निहोत्र कर्म से संपन्न होता है। अग्नि जलाकर होम करना अग्निहोत्र यज्ञ है। पितृयज्ञ को श्राद्धकर्म भी कहा गया है। यह यज्ञ पिंडदान, तर्पण और संतानोत्पत्ति से संपन्न होता है। वैश्वदेव यज्ञ को भूत यज्ञ भी कहते हैं। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्तव्य समझना व उन्हें अन्न–जल देना ही भूत यज्ञ कहलाता है। अतिथि यज्ञ से अर्थ मेहमानों की सेवा करना। अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा–सहायता करना ही अतिथि यज्ञ है। इसके अलावा अग्निहोत्र, अश्वमेध, वाजपेय, सोमयज्ञ, राजसूय और अग्निचयन का वर्णण यजुर्वेद में मिलता है।

मंदिर जाने के बारे में :

प्रति गुरुवार को मंदिर जाना चाहिए। घर में मंदिर नहीं होना चाहिए। मंदिर में जाकर परिक्रमा करना चाहिए। भारत में मंदिरों, तीर्थों और यज्ञादि की परिक्रमा का प्रचलन प्राचीनकाल से ही रहा है। मंदिर की 7 बार (सप्तपदी) परिक्रमा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 7 परिक्रमा विवाह के समय अग्नि के समक्ष भी की जाती है। इसी प्रदक्षिणा को इस्लाम धर्म ने परंपरा से अपनाया जिसे तवाफ कहते हैं। प्रदक्षिणा षोडशोपचार पूजा का एक अंग है। प्रदक्षिणा की प्रथा अतिप्राचीन है। हिन्दू सहित जैन, बौद्ध और सिख धर्म में भी परिक्रमा का महत्व है। इस्लाम में मक्का स्थित काबा की 7 परिक्रमा का प्रचलन है। पूजा–पाठ, तीर्थ परिक्रमा, यज्ञादि पवित्र कर्म के दौरान बिना सिले सफेद या पीत वस्त्र पहनने की परंपरा भी प्राचीनकाल से हिन्दुओं में प्रचलित रही है। मंदिर जाने या संध्यावंदन के पूर्व आचमन या शुद्धि करना जरूरी है। इसे इस्लाम में वुजू कहा जाता है।

संध्यावंदन के बारे में :

संध्यावंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। मंदिर में जाकर संधिकाल में ही संध्यावंदन की जाती है। वैसे संधि 8 वक्त की मानी गई है। उसमें भी 5 महत्वपूर्ण हैं। 5 में से भी सूर्य उदय और अस्त अर्थात 2 वक्त की संधि महत्वपूर्ण है। इस समय मंदिर या एकांत में शौच, आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 4 प्रकार हैं– 1.प्रार्थना, 2.ध्यान, 3.कीर्तन और 4.पूजा–आरती। व्यक्ति की जिसमें जैसी श्रद्धा है, वह वैसा करता है।

धर्म की सेवा के बारे में :

धर्म की प्रशंसा करना और धर्म के बारे में सही जानकारी को लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य होता है। धर्म प्रचार में वेद, उपनिषद और गीता के ज्ञान का प्रचार करना ही उत्तम माना गया है। धर्म प्रचारकों के कुछ प्रकार हैं। हिन्दू धर्म को पढ़ना और समझना जरूरी है। हिन्दू धर्म को समझकर ही उसका प्रचार और प्रसार करना जरूरी है। धर्म का सही ज्ञान होगा, तभी उस ज्ञान को दूसरे को बताना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म प्रचारक होना जरूरी है। इसके लिए भगवा वस्त्र धारण करने या संन्यासी होने की जरूरत नहीं। स्वयं के धर्म की तारीफ करना और बुराइयों को नहीं सुनना ही धर्म की सच्ची सेवा है।

मंत्र के बारे में :

वेदों में बहुत सारे मंत्रों का उल्लेख मिलता है, लेकिन जपने के लिए सिर्फ प्रणव और गायत्री मंत्र ही कहा गया है, बाकी मंत्र किसी विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों के लिए है। वेदों में गायत्री नाम से छंद है जिसमें हजारों मंत्र हैं किंतु प्रथम मंत्र को ही गायत्री मंत्र माना जाता है। उक्त मंत्र के अलावा किसी अन्य मंत्र का जाप करते रहने से समय और ऊर्जा की बर्बादी है। गायत्री मंत्र की महिमा सर्वविदित है। दूसरा मंत्र है महामृत्युंजय मंत्र, लेकिन उक्त मंत्र के जप और नियम कठिन है इसे किसी जानकार से पूछकर ही जपना चाहिए।

प्रायश्चित के बारे में :

प्राचीनकाल से ही हिन्दुओं में मंदिर में जाकर अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने की परंपरा रही है। प्रायश्चित करने के महत्व को स्मृति और पुराणों में विस्तार से समझाया गया है। गुरु और शिष्य परंपरा में गुरु अपने शिष्य को प्रायश्चित करने के अलग–अलग तरीके बताते हैं। दुष्कर्म के लिए प्रायश्चित करना तपस्या का एक दूसरा रूप है। यह मंदिर में देवता के समक्ष 108 बार साष्टांग प्रणाम, मंदिर के इर्द–गिर्द चलते हुए साष्टांग प्रणाम और कावडी अर्थात वह तपस्या, जो भगवान मुरुगन को अर्पित की जाती है, जैसे कृत्यों के माध्यम से की जाती है। मूलत: अपने पापों की क्षमा भगवान शिव और वरुणदेव से मांगी जाती है, क्योंकि क्षमा का अधिकार उनको ही है। जैन धर्म में 'क्षमा पर्व' प्रायश्चित करने का दिन है।

दीक्षा देने के बारे में :

दीक्षा देने का प्रचलन वैदिक ऋषियों ने प्रारंभ किया था। प्राचीनकाल में पहले शिष्य और ब्राह्मण बनाने के लिए दीक्षा दी जाती थी। माता–पिता अपने बच्चों को जब शिक्षा के लिए भेजते थे तब भी दीक्षा दी जाती थी। हिन्दू धर्मानुसार दिशाहीन जीवन को दिशा देना ही दीक्षा है। दीक्षा एक शपथ, एक अनुबंध और एक संकल्प है। दीक्षा के बाद व्यक्ति द्विज बन जाता है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म। दूसरा व्यक्तित्व। सिख धर्म में इसे अमृत संचार कहते हैं। यह दीक्षा देने की परंपरा जैन धर्म में भी प्राचीनकाल से रही है, हालांकि दूसरे धर्मों में दीक्षा को अपने धर्म में धर्मांतरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा। हिन्दू धर्म से इस परंपरा को ईसाई धर्म ने अपनाया जिसे वे बपस्तिमा कहते हैं। अलग–अलग धर्मों में दीक्षा देने के भिन्न–भिन्न तरीके हैं। यहूदी धर्म में खतना करके दीक्षा दी जाती है।

टाटा ग्रुप की 7 कंपनियां इस हफ्ते ट्रेड करेंगी एक्स-डिविडेंड

जानिए किन कंपनियों ने घोषित किया कितना लाभांश और रिकॉर्ड डेट

मुंबई ।

निवेशकों के लिए अच्छी खबर है, इस हफ्ते टाटा ग्रुप की कुल सात कंपनियां एक्स-डिविडेंड के तौर पर ट्रेड करेंगी। इसका मतलब है कि इन कंपनियों के शेयर खरीदने वाले योग्य निवेशकों को लाभांश का भुगतान किया जाएगा। टाटा मोटर्स, वोल्टास, टाटा स्टील जैसी दिग्गज कंपनियां इस सूची में शामिल हैं, जिनकी रिकॉर्ड डेट 10 और 12 जून तय की गई है। इस सप्ताह टाटा समूह के शेयरधारकों को लाभांश का लाभ मिलने वाला है। कुल सात कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेडिंग के लिए तैयार हैं। इनमें टाटा स्टील लिमिटेड, वोल्टास लिमिटेड और टाटा मोटर्स लिमिटेड शामिल हैं, जिन्होंने प्रति शेयर 4 रुपये का लाभांश घोषित किया है। इन तीनों कंपनियों के लिए रिकॉर्ड डेट 12 जून तय की गई है। वहीं टाटा केमिकल्स लिमिटेड ने प्रति शेयर 11 रुपये का बड़ा लाभांश देने का ऐलान किया है, जबकि टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड प्रति शेयर 3.40 रुपये का भुगतान करेगी। टाटा एलेक्सी लिमिटेड सबसे बड़ा लाभांश, प्रति शेयर 75 रुपये देने जा रही है। इन तीनों कंपनियों के लिए रिकॉर्ड डेट 10 जून निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, ट्रेंट लिमिटेड भी इस हफ्ते एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी और अपने निवेशकों को प्रति शेयर 6 रुपये का लाभांश देगी। निवेशकों को रिकॉर्ड डेट से पहले इन शेयरों को खरीदने पर ही लाभांश का लाभ मिलेगा।

सेमीकंडक्टर क्रांति- भारत में बनेंगे करोड़ों चिप्स, 2035 तक आधी जरूरतें होंगी पूरी

इसी साल शुरू होगा उत्पादन, आयात पर निर्भरता घटाने की दिशा में बड़ी छलांग

मुंबई ।

भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाने को तैयार है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुमानों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2035 तक भारत अपनी कुल सेमीकंडक्टर मांग का आधा हिस्सा (50 फीसदी) खुद देश में ही तैयार करने लगेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि कुछ फैक्ट्रियों में तो इसी साल से उत्पादन भी शुरू होने जा रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाला भारी बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा। फिलहाल भारत अपनी सेमीकंडक्टर जरूरतों का 90 फीसदी विदेशों से आयात करता है। सेमीकंडक्टर आयात बिल लगातार बढ़ रहा है; वित्त वर्ष 2019 में जहां यह 11.9 अरब डॉलर था, वहीं वित्त वर्ष 2025 तक इसके 30.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस बढ़ती निर्भरता और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग की बढ़ती मांग को देखते हुए, भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ढ्ढस्रू) की प्रोत्साहन योजना के तहत अब तक 12 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इनमें से कम से कम चार प्रोजेक्ट्स में इसी साल से कमर्शियल उत्पादन शुरू हो जाएगा। सरकार इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 लेकर आ रही है, जिसका बजट 1,00,000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। इसका लक्ष्य सिर्फ चिप बनाना ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े केमिकल, मशीनें और गैसें तैयार करने का पूरा ढांचा विकसित करना है। नीति आयोग का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में भारत की सेमीकंडक्टर मांग करीब 44 अरब डॉलर रहेगी, जो 2035 तक पांच गुना बढ़कर 206 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगी। आयोग का यह भी मानना है कि साल 2035 तक भारत करीब 120 अरब डॉलर का एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम खड़ा कर लेगा। शुरुआती दौर में टाटा ग्रुप, सीजी पावर और कायन्स के तीन प्लांट इसी साल चालू हो जाएंगे, जो मिलकर हर दिन करीब 6.9 करोड़ (69 मिलियन) चिप बनाएंगे।

इसके अलावा, देश में माइक्रो-एलईडी तकनीक लाने के प्रोजेक्ट को भी मंजूरी मिल गई है, जिसके तहत अगले 22 महीनों में देश के पहले माइक्रो-एलईडी चिप बनकर तैयार हो जाएंगे। यह पहल भारत को सेमीकंडक्टर उत्पादन में वैश्विक मानचित्र पर एक मजबूत स्थिति में स्थापित करेगी, जैसा कि चीन और जर्मनी जैसे देश भी अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

टॉप कंपनियों को 1.25 लाख करोड़ का नुकसान, आरआईएल सबसे बड़ा लूजर

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई की बाजार हैसियत बढ़ी

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत बढ़ गई।समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 39,718 करोड़ रुपये घटकर 17,47,321.40 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस के मूल्यांकन में 20,134.66 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,95,346.09 करोड़ रुपये पर आ गया।भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 18,736.04 करोड़ रुपये घटकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये रह गई। एलएंडटी का मूल्यांकन 16,880.20 करोड़ रुपये की कमी के साथ 5,43,956.44 करोड़ रुपये पर आ गया।इसके अलावा एलआईसी का बाजार मूल्य 14,610.74 करोड़ रुपये घटकर 5,05,873.32 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 9,681.36 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,53,580.97 रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 5,909.23 करोड़ रुपये घटकर 4,98,301.31 करोड़ रुपये पर आ गया।इस रुख के उलट एसबीआई का मूल्यांकन 12,692.09 करोड़ रुपये बढ़कर 9,02,523.63 करोड़ रुपये रहा।आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 4,484.86 करोड़ रुपये बढ़कर 9,05,074.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 4,101.47 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 11,50,743.31 करोड़ रुपये रहा।शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

झारखंड से ब्रिटेन को आम्रपाली आम का निर्यात

नई दिल्ली ।

भारत ने झारखंड से ब्रिटेन को 1.5 टन ताजा 'आम्रपाली' आम का निर्यात किया है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ये आम झारखंड के सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त किए गए हैं। यह एक पूर्ण महिला किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) है, जो स्थानीय महिला किसानों को संगठित कर कृषि उत्पादन और विपणन का कार्य करती है। आमों की यह खेप चार जून को कोलकाता से ब्रिटेन के लिए रवाना की गई। यह निर्यात झारखंड के कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने और महिला किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अल्फाग्रेप का एमएफ बाजार में प्रवेश, 30,000 करोड़ एयूएम का लक्ष्य

सेबी की हरी झंडी, 6 जुलाई को खुलेगा मल्टी-एसेट फंड

नई दिल्ली ।

अल्फाग्रेप इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट अगले महीने अपनी पहली म्यूचुअल फंड योजना के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहा है। कंपनी ने अगले तीन से पांच वर्षों में 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिलने के बाद, अल्फाग्रेप औपचारिक रूप से भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में प्रवेश कर रहा है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार उनकी पहली नई कोष पेशकश (एनएफओ) एक बहु-संपत्ति आवंटन कोष होगी, जो 6 से 20 जुलाई तक निवेशकों के लिए खुलेगी। यह कोष इक्विटी, बॉन्ड, मनी मार्केट और सोने, चांदी व अन्य अनुमत जिंस एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश करेगी। अंबानी ने बताया कि अल्फाग्रेप उन्नत गणितीय मॉडल, कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग पर आधारित 'क्वांटिटेटिव' निवेश रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। कंपनी का उद्देश्य निवेशकों को अलग व विशिष्ट उत्पाद देना है। बहु-संपत्ति कोष के बाद, एक ओपन-एंडेड डायनेमिक इक्विटी योजना भी पाइपलाइन में है, जो बड़े, मझोले और छोटे शेयरों में निवेश करेगी। 2010 में स्थापित अल्फाग्रेप एक वैश्विक क्वांटिटेटिव ट्रेडिंग और निवेश फर्म है।

सट्टेबाजों की सक्रियता, मजबूत रुपए से तेल-तिलहन बाजार में गिरावट रही

सरसों, मूंगफली, सोयाबीन समेत अधिकांश तेल-तिलहन के दाम लुढ़के; बिनौला में मामूली तेजी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजारों में सट्टेबाजों की बढ़ती सक्रियता और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से अधिकांश खाद्य तेलों के दाम में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों की कमजोरी और आयात सस्ता होने का भी असर दिखा। बाजार में सटोरियों की सक्रियता, मजबूत होते रुपये और विदेशों में टूटते बाजारों के चलते बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल जैसे अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरे। रुपये के मजबूत होने से आयात सस्ता हो गया, जिससे आयातक लागत से नीचे दाम पर तेल बेच रहे हैं। गर्मी की फसल की आवक की चर्चा ने मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट लाई। सटोरियों ने सोयाबीन का दाम तोड़कर स्टॉक जमा करने और बाद में ऊंचा बोलने का प्रयास किया।

हालांकि, कम उपलब्धता और बढ़ती मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर तेल बेचकर विदेशी मुद्रा के नुकसान पर सख्त निगरानी रखे।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये की गिरावट के साथ 7,650-7,675 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,580-2,680 रुपये और 2,580-2,725 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 450-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 120 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गर्मी की फसल आने की चर्चा के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,600-7,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 55 रुपये की गिरावट के साथ 2,490-2,790 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 200 रुपये की गिरावट के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 15,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जीडीपी, ईरान वार्ता और बैंकिंग सेक्टर से तय होगी शेयर बाजार की चाल

वैश्विक संकेत और रुपए की मजबूती पर भी रहेगी निवेशकों की रहेगी नजर

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह गिरावट दर्ज किए जाने के बाद इस सप्ताह निवेशकों की नजर शुक्रवार को जारी हुए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के असर पर टिकी रहेगी। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते, वैश्विक संकेतों और घरेलू बैंकिंग सेक्टर की चाल इस सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करेगी। जीडीपी के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद जारी किए गए थे, जिसके चलते इनका वास्तविक असर सोमवार को बाजार खुलने पर देखने को मिलेगा। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह बाजार की दिशा कई घरेलू और वैश्विक कारकों से तय होगी। सबसे पहले अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। यदि इस दिशा में कोई सकारात्मक प्रगति होती है, तो कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आ सकती है, जिसे भारतीय बाजार के लिए एक शुभ संकेत माना जाएगा। इसके अतिरिक्त अमेरिकी बाजारों की चाल व्यापक वैश्विक रुझान, रुपये की मजबूती और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक सकारात्मक संकेत के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की हालिया नीति के बाद बैंकिंग शेयरों में मजबूती देखने को मिली है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में बैंक निफ्टी निफ्टी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। उन्होंने बताया कि बैंक निफ्टी 54,400 के स्तर से ऊपर बंद हुआ है, जिसे तकनीकी रूप से एक महत्वपूर्ण ब्रेकआउट जोन माना जा रहा है। वहीं निफ्टी के लिए 23,100-23,150 का स्तर मजबूत सपोर्ट का काम कर सकता है। फिलहाल बाजार में बड़ी गिरावट की आशंका कम दिख रही है। विशेषज्ञों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे घबराने के बजाय गुणवत्ता वाले शेयरों में चरणबद्ध तरीके से खरीदारी के अवसर तलाशें। सरकार की तरफ से भी भविष्य में कुछ सकारात्मक कदम देखने को मिल सकते हैं, जो बाजार को और मजबूती प्रदान करेंगे।

मौसम की मार से मालदा के हिमसागर आम के निर्यात पर संकट

लगातार बारिश और बढ़े तापमान से आमों पर उभरे काले धब्बे

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के प्रसिद्ध हिमसागर आम का निर्यात इस वर्ष मौसम की मार से संकट में है। लगातार बारिश और फिर बढ़े तापमान के कारण आमों पर काले धब्बे उभर आए हैं, जिससे बड़ी मात्रा में गुणवत्तापूर्ण फलों का निर्यात संभव नहीं हो पा रहा है। निर्यातकों के अनुसार ये धब्बे रोग संक्रमण के शुरुआती संकेत हैं। आमों को सुरक्षित रखने वाली बैगिंग तकनीक भी इस बार लगातार वर्षा और बाद में बढ़ी गर्मी के कारण अप्रभावी साबित हुई, जिससे फलों को भारी नुकसान पहुंचा। एक फूड प्रोडक्ट्स कंपनी ने बताया कि धब्बेदार फलों को विदेशी आयातक स्वीकार नहीं करते, जिसके चलते अमेरिका भेजी जाने वाली इस सीज़न की पहली खेप को रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में निर्यात ऑर्डर होने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण फल उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है। हालांकिः उन्होंने आश्वस्त किया कि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। उनके अनुसार केवल लगभग 15 प्रतिशत बैग किए गए फल प्रभावित हुए हैं, और लाखों अन्य आम अभी भी निर्यात योग्य हैं। विदेशी बाजारों में हिमसागर की मांग मजबूत बनी हुई है। निर्यातक अब अप्रभावित बागानों से उच्च गुणवत्ता वाले आमों की पहचान कर अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति बनाए रखने और निर्यात लक्ष्य का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

टाटा स्टील ब्रिटेन परियोजना में देरी बिजली कनेक्शन बना रोड़ा

1.25 अरब की हरित इस्पात परियोजना छह से आठ महीने खिसकी

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील की ब्रिटेन में 1.25 अरब की कम कॉर्बन उत्सर्जन वाली इस्पात परियोजना को बिजली कनेक्शन में देरी के कारण छह से आठ महीने का विलंब हो सकता है। पोर्ट टैलबोट संयंत्र में 32 लाख टन क्षमता वाला इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) स्थापित करने की यह योजना अब तय समय से पीछे हो सकती है, क्योंकि राष्ट्रीय ग्रिड आवश्यक उच्च-वोल्टेज कनेक्शन उपलब्ध कराने में असमर्थ है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रिड की परियोजना में देरी से ईएएफ का परिचालन प्रभावित होगा। यह नया संयंत्र पुराने ब्लास्ट फर्नेस की जगह लेगा और टाटा स्टील की कार्बन उत्सर्जन में 90 प्रतिशत (सालाना करीब 50 लाख टन) कमी लाने की रणनीति का प्रमुख हिस्सा है। ब्रिटेन सरकार की 50 करोड़ पाउंड की सहायता वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना में टाटा स्टील, ब्रिटेन सरकार और राष्ट्रीय ग्रिड के साथ मिलकर देरी के प्रभाव को कम करने के लिए काम कर रही है। परियोजना स्थल पर प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्य पूरे हो चुके हैं और उपकरणों का निर्माण व आपूर्ति जारी है। हालांकि, नए ईएएफ को संचालित करने के लिए उच्च क्षमता वाली बिजली आपूर्ति अनिवार्य है, जो अभी उपलब्ध नहीं है। कंपनी ने ऐसी बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं में समय-सीमा में बदलाव को सामान्य बताया है। 3 जून को परियोजना स्थल पर आग लगने की एक घटना भी हुई थी, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

प्याज पर ढील बेअसर, किसान बोले- एमएसपी 3000 रुपए प्रति क्विंटल हो

केंद्र द्वारा खरीद मानकों में ढील का स्वागत, पर 1580 प्रति क्विंटल की मौजूदा दर नाकाफी

नासिक ।

महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा प्याज खरीद के मानकों में दी गई ढील का स्वागत किया है, लेकिन इसे नाकाफी बताते हुए अधिक राहत की मांग की है। किसानों का कहना है कि असली समस्या खरीद मानकों की नहीं, बल्कि कम कीमतों की है और उन्होंने प्याज के लिए 3,000 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम खरीद मूल्य (एमएसपी) तय करने की मांग की है। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) द्वारा लगभग 1,580 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही खरीद किसानों की औसत उत्पादन लागत (लगभग 1,800 रुपए प्रति क्विंटल) को भी पूरा नहीं करती। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के अनुसार, ढील के बावजूद किसान घाटे में हैं। किसानों ने खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने नेफेड और एनसीसीएफ से प्रतिदिन खरीदे गए प्याज और किसानों की सूची सार्वजनिक करने, साथ ही खरीद कृषि उपज मंडी समितियों (एपीएमसी) के माध्यम से कराने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, पिछले चार-पांच महीनों में कम कीमत पर प्याज बेचने वाले लाखों किसानों को 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने की भी मांग की गई है ताकि वे हुए नुकसान की भरपाई कर सकें। उधर, महाराष्ट्र सरकार ने नेफेड और एनसीसीएफ द्वारा की जाने वाली प्याज खरीद पर एपीएमसी शुल्क माफ कर दिया है, लेकिन किसान नेताओं का कहना है कि इसका लाभ मुख्य रूप से खरीद एजेंसियों को मिलेगा, किसानों को नहीं।

किसान संगठन ने चेतावनी दी है कि केवल मानकों में ढील देने से समस्या का समाधान नहीं होगा; इसके लिए लाभकारी मूल्य और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

एनसीएलएटी ने लिगेयर एविएशन की दिवाला प्रक्रिया रद्द की

राउंड-ट्रिपिंग को बताया असली कर्ज नहीं

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने लिगेयर एविएशन लिमिटेड के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही को रद्द कर दिया है। एनसीएलएटी ने अपने फैसले में कहा कि यह वास्तविक वित्तीय ऋण का नहीं, बल्कि धन के केवल इधर-उधर स्थानांतरण (राउंड-ट्रिपिंग) का मामला था। न्यायाधिकरण ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की याचिका स्वीकार की थी। एनसीएलएटी ने स्पष्ट किया कि किसी लेन-देन को वित्तीय ऋण मानने के लिए उसमें टाइम वैल्यू ऑफ मनी का तत्व होना आवश्यक है, जो इस मामले में अनुपस्थित था। रिकॉर्ड से पता चला कि लिगेयर एविएशन को कोई वास्तविक वित्तीय ऋण नहीं दिया गया था। पीठ ने कहा कि यह लेन-देन केवल अघोषित उद्देश्यों के लिए धन के घुमाव का एक उदाहरण था, जिसके आधार पर दिवाला प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती थी। मामले की सुनवाई में सामने आया कि 31 मार्च, 2009 को रेलिगेयर आर्ट्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट लिमिटेड ने लिगेयर एविएशन को 3.6 करोड़ रुपये भेजे थे, पर यह राशि उसी दिन तुरंत रेलिगेयर फिनवेस्ट को स्थानांतरित कर दी गई। एनसीएलएटी ने पाया कि बैंक रिकॉर्ड भी समूह की विभिन्न कंपनियों के बीच धन के लगातार आदान-प्रदान को दर्शाते हैं। यह पुष्टि करता है कि यह वास्तविक ऋण नहीं था और राशि लिगेयर एविएशन के पास 24 घंटे भी नहीं रही थी। एनसीएलएटी ने अपने अंतिम आदेश में कहा कि जब कोई वास्तविक वित्तीय ऋण ही नहीं था, तो कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती थी।

यह मामला सिंह बंधुओं से जुड़े कारोबारी समूह की कंपनियों से संबंधित है।

उज्बेकिस्तान का भारतीय फार्मा को न्योता, बनेगा क्षेत्रीय हब

– सब्सिडी, तकनीक हस्तांतरण से निवेश, द्विपक्षीय व्यापार में तेजी

नई दिल्ली ।

उज्बेकिस्तान भारतीय दवा कंपनियों को आकर्षित करने हेतु सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सरल नियमन की पेशकश कर रहा है। देश का लक्ष्य खुद को क्षेत्रीय दवा विनिर्माण और आपूर्ति केंद्र के रूप में स्थापित करना है। एक अे धिकारी ने बताया कि स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु नियामक मंजूरियों को आसान बनाना, लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को सरल करना और नौकरशाही बाधाएं कम करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट व अनुमान लगाने योग्य नियामकीय समयसीमा से स्थानीय उत्पादन अधिक आकर्षक होगा। इसके अतिरिक्त, कर प्रोत्साहन, सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व औद्योगिक संकुलों में भागीदारी भी निवेश बढ़ाएगी। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा व दीर्घकालिक नीतिगत स्थिरता को उच्च मूल्य वाले फार्मा निवेश के लिए अहम बताया। ये सुधार भारतीय कंपनियों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक दवाओं के उत्पादन में मदद करेंगे, जो उज्बेकिस्तान में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुधारेगा और उसे क्षेत्रीय केंद्र के रूप में मजबूत करेगा। भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार 2025 में 33.3 फीसदी बढ़कर 1.31 अरब डॉलर पहुंच गया।

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा है कि वह इस प्रारूप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा जब उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो असल में मुझे लग रहा था कि मेरा सपना पूरा हो गया है। यह पल उनके लिए केवल एक मुलाकात से कहीं बढ़कर था, यह एक युवा खिलाड़ी के लिए किसी सपने के सही होने जैसा था।

आईपीएल 2026 के अपने प्रदर्शन को लेकर हुए, वैभव ने माना है कि व्यक्तिगत सफलता के बावजूद कुछ निराशा भी थी। उन्होंने कहा, अगर अंतिम मैच में हम जल्दी विकेट नहीं खोते तो हम आईपीएल 2026 का फाइनल खेल रहे होते। अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के भविष्य के लिए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम अधिक से अधिक बार ट्रॉफी जीतना चाहेंगे।साथ ही कहा कि उन्हें लाल गेंद क्रिकेट से भी प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे लाल गेंद वाला क्रिकेट खेलना है क्योंकि मैं इसे पसंद करता हूं। मेरा सपना तीनों प्रारूपों में खेलना है। वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने को लेकर उत्साहित होने के साथ ही आत्मविश्वास से भरे दिखे।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है: एमएसके प्रसाद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बातें गलत हैं। वास्तवकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और - इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जग श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्त हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।

प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, "वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता।

दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है। इससे साफ है कि चयनसमिति की भविष्य की योजनाओं में सूर्यकुमार शामिल नहीं हैं। इसका एक कारण उनका अनकी बढ़ती उम्र को भी माना जा रहा है।

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

–बीसीसीआई चाहता है कि अभी एकदिवसीय विश्वकप पर ही ध्यान दें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनको जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसको को हैरान भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है।

चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकर्ताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनो प्रारूपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है।

गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरूरी है। इसी कारण चयनकर्ता उन्हें सभी प्रारूपों में एक साथ खेलने के बोझ से बचाना चाहते हैं जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस प्रभावित न हो और वह बड़े मुकाबलों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

इसके अलावा, वर्तमान टी20 टीम में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और पदार्पण करने जा रहे वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी पहले से ही मौजूद हैं। ऐसे में किसी और बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में शामिल करना टीम संतुलन को बिगाड़ देगा। शुभमन की कमजोर आईपीएल फॉर्म को देखते हुए, उन्हें टी20 टीम से बाहर रखने का मुख्य कारण भविष्य को देखते हुए बनायी गयी रणनीतिक प्राथमिकता ही है, न कि प्रदर्शन।

इसी कारण शुभमन को टी20 प्रारूप में शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि साल 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक या ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिर से इस प्रारूप में शामिल किया जा सकता है। साल 2028 में होने वाले दो बड़े टी20 टूर्नामेंट के लिए अभी काफी समय है। ऐसे में शुभमन का ध्यान निकट भविष्य के मुकाबलों पर है।

भारत के पहली पारी के 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान ने 113 रनों पर ही पांच विकेट गंवाये

– राहुल के बाद शुभमन ने भी लगाया शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। शुभमन गिल और केवल राहुल के शानदार शतकों और ऋषभ पंत के अर्धशतक की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी आठ विकेट पर 564 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहले पारी में पांच विकेट पर केवल 113 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय रहमत शाह 41 रनों पर खेल रहे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये।

इस प्रकार अफगान टीम भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 451 रनों से पीछे हैं। भारत की ओर से पदार्पण कर रहे गेंदबाज मानव सुथार ने केवल 21 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए।

इससे पहले आज पूरे दिन भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज हावी रहे। भारत ने 368/3 से आगे खेलना शुरु किया।

भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने 126 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 100 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहले दिन की तरह ही भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरे दिन भी जमकर रन बनाये। पहले दिन जहां केएल राहुल ने शतक लगाय था, वहीं दूसरे दिन कप्तान शुभमन ने कप्तानी पारी खेलकर 126 रन बनकार स्कोर आगे बढ़ाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे साई सुदर्शन ने भी 81 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

दूसरे दिन आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ ने अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। इसके अलावा मानव सुथार ने दो छक्के लगाकर 28 रन बनाये। वहीं जबकि मोहम्मद सिराज ने सिर्फ 12 गेंदों में 22 रन बना दिये। कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे भारतीय टीम ने 564 रन का विशाल स्कोर बनाया।

वहीं अफगान टीम की ओर से सलीम सफी ने 140 रन देकर सबसे अधिक छह विकेट लिए। सफी ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं हशमतुल्लाह शाहिदी ने एक विकेट लिया।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे : रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई के क्रिकेटरों के लिए कुछ भी आसान नहीं होता क्योंकि मुकाबला कड़ा होता है। उन्होंने कहा, देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। रोहित ने स्पष्ट किया कि कप्तानी ऐसी चीज है जिसे हासिल करना पड़ता है और अपने आसपास के लोगों का सम्मान पाना होता है, और अय्यर के पास ये सभी खूबियां मौजूद हैं।

भारतीय टी20 टीम की कप्तानी मिलने से सम्मानित अनुभव कर रहा : श्रेयस अय्यर

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये जाने से श्रेयस अय्यर बेहद खुश है। श्रेयस ने कहा कि वह कप्तानी दिये जाने से सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समितिन ने शनिवार को हुई बैठक में सूर्यकुमार यादव की जगह पर अय्यर को नय कप्तान घोषित कर दिया था। कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने से अय्यर ने कहा कि उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की ओर से खेल रहे श्रेयस ने कहा कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है और इस स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना और टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है। अय्यर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे कहा कि उन्होंने उसी दिन अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाए और जीत दिलाई। इससे राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने से पहले उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है।

जब उनसे उन प्रशंसकों के लिए कोई संदेश देने को कहा गया जिन्होंने वर्षों से उनका समर्थन किया है, तो श्रेयस ने स्वीकार किया कि उन्हें प्रशंसकों से अपार प्यार मिला है। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसक बहुत पसंद हैं – जिस तरह से उन्होंने मेरा समर्थन किया है और इतने सालों में अपना योगदान दिया है। मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, और मैं उन पर अपना प्यार और सम्मान बरसाना चाहता हूं। उन्होंने अपने प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके निरंतर समर्थन के महत्व पर जोर दिया। वहीं, कप्तानी में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आधिकारिक घोषणा के बाद, निवर्तमान कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी उन्हें बधाई दी।। सूर्यकुमार ने इस घटनाक्रम को मुंबई क्रिकेट के लिए एक गर्व का क्षण भी बताया।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है। एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत दावेदार माना जाना चाहिए। हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है। उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं। सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर: बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

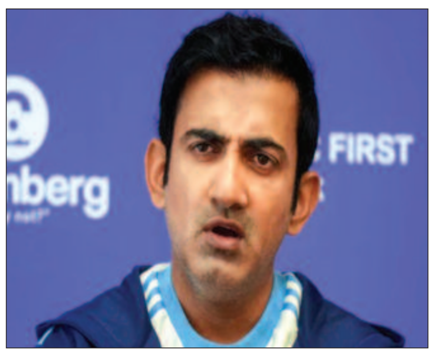

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है।

आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि एक ही मैच में लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स को जीत दिलायी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है1 शमी ने इस लीग में सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए शमी ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। उनके इस असाधारण प्रदर्शन से सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने श्राची राढ़ टाइगर्स को 24 रनों से हरा दिया। शमी ने लगातार तीन विकेट लेकरउनक प्रदर्शन, फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने तेजी से खेलते हुए 20 ओवरों में केवल 4 विकेट के नुकसान पर 208 रन बना दिये। युवा बल्लेबाज विशाल भाटी ने केवल 46 गेंदों में 86 रन बना दिये। उनकी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे, जिसने। भाटी के अलावा करण लाल ने 39 रनों की पारी खेली। वहीं प्रमोद चंदीला ने केवल 16 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 200 रनों के ऊपर पहुंचाय। शमी ने दो गेंदों पर 8 रन बनाये। इसके बाद 209 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स ने भी आक्रामक शुरुआत की। उसके सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाये। शुभम डे ने 25 गेंदों पर 48 रन जबकि राहुल प्रसाद ने भी 26 गेंदों में 44 रन बना दिय। टीम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी तभी लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से उनकी लय बिगड़ गयी। टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में विफल रही और यही जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेसस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारुप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिय गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छ रहा है। इसके अलवा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, 'श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हैरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है। वहीं जगह पक्के पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है।' ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बॉल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शॉट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं। टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों।

भारत के लिए खेलना सपना सच होने जैसा है, घरेलू क्रिकेट में की गई मेहनत रंग लाई:मानव सुथार

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाना सपने के सच होने जैसा है जिन्होंने गली-मोहल्लों में क्रिकेट का ककहरा सीखा और लगातार हतोत्साहित किए जाने के बावजूद क्रिकेट को करियर के रूप में चुना। राजस्थान के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट और भारत ए की तरफ से लगातार अच्छे प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम में जगह बनाई।

सुथार ने जियोस्टार पर कहा, 'क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिताजी को क्रिकेट बहुत पसंद है और घर में सभी लोग नियमित रूप से मैच देखते हैं। बचपन में मैं भी उनके साथ बैठकर मैच देखा करता था। यहीं से क्रिकेट के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ी। मैंने अपने दोस्तों के साथ गलियों में खेलना शुरू किया। गली क्रिकेट में मैंने इस खेल का ककहरा सीखा जैसे बल्ला पकड़ना और गेंदबाजी करना।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं 10 या 11 साल का था, तब मैंने एक अच्छी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिया तथा कोच धीरज सर और विनोद सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। उन्होंने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की।' सुथार ने कहा, 'मुझे पहली बड़ी सफलता तब मिली जब मैं अंडर-14 वर्ग में राजस्थान के लिए खेला। उससे मुझे काफी प्रेरणा मिली और मुझे लगा कि मैं क्रिकेट को अपना करियर बना सकता हूं।'

मानव के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने तक का सफर आसान नहीं रहा लेकिन टीम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए उन्होंने हौसला नहीं खोया और मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में क्रिकेट में सफल होना कभी आसान नहीं होता। कुछ ही स्थान के लिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। मुझे भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मुझे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कोई संभावना नहीं है और मैं अपना समय बर्बाद कर रहा हूं।'

मानव ने कहा, 'लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे भारतीय टीम में चुने जाने की उम्मीद थी। यह इंतजार का खेल था और मैंने धैर्य बनाए रखा।' सुथार ने 2022-23 रणजी ट्रॉफी से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक 29 प्रथम श्रेणी के मैचों में 129 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। उनके नाम पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक एक शतक और छह अर्धशतक दर्ज हैं।'

मानव ने 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ ढ्ढक्कमें पदार्पण किया, लेकिन उस सत्र में केवल एक मैच खेला। उन्हें 2025 में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2026 में उन्होंने चार मैच खेले। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में जगह बनाकर अच्छा लग रहा है। घरेलू क्रिकेट और भारत ए के लिए की गई सारी मेहनत रंग लाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सारी कुर्बानियों का आखिरकार फल मिल गया। मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3911

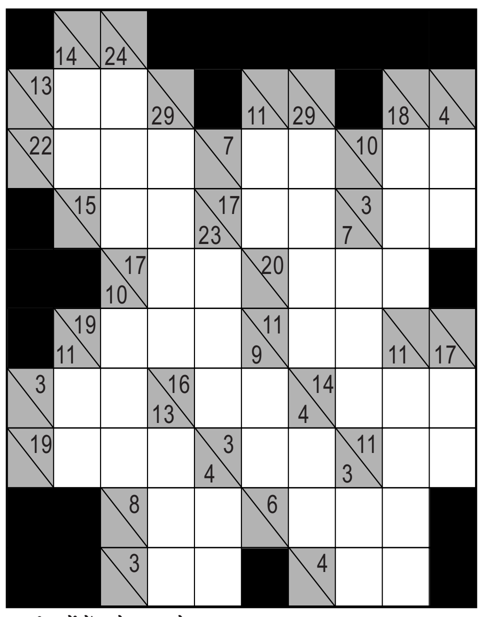

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3910 का हल

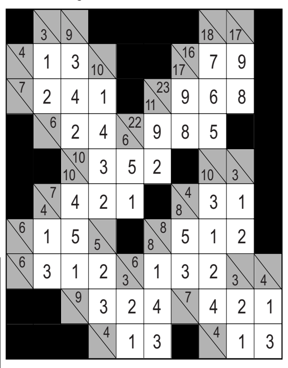

हंसी के फूव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला, उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा, 'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली, 'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला, 'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3911

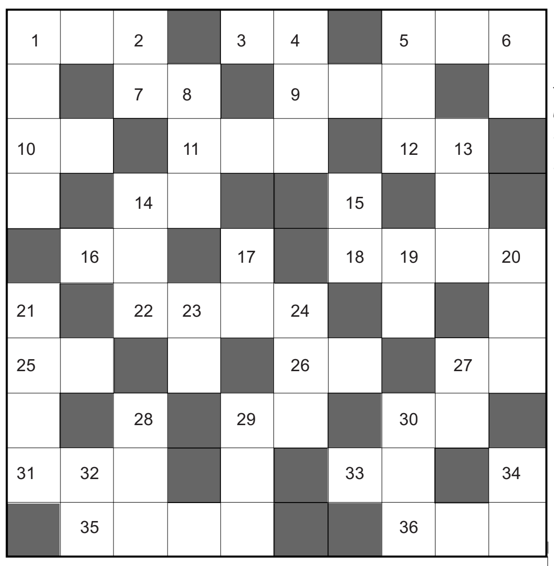

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3910

खु	शी		शो		द	श	र		फ
दा		प	र	ख		जे		खा	की
ग	द	र		त	ला	श			श
वा		दे	व	र		ख	ली	फा	
ह	व	स		ना		न्ना		गु	स
	क्त		नौ	क	र		आ	न	
गु		श	ज		च	र	स		बा
म	स्त		वा	स	ना		श	जा	जी
ना		जा	न	स		सु			ग
म	शा	ल		र	फ्ता	र		ड	र

सूडोकु -3911

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3910 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली -3911

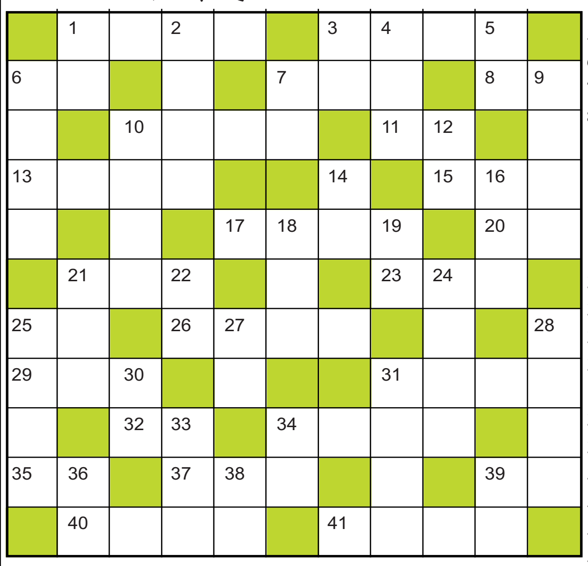

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3910 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	व	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		ध	र्मो	प	दे	श	क

फेस पैक लगाते समय की गई इन गलतियों की वजह से छिन सकता है चेहरे का निखार

ज्यादातर महिलाएं और पुरुष अपने चेहरे को खूबसूरत बनाने के लिए फेस पैक का इस्तेमाल करते हैं। ये चेहरे का ग्लो बरकरार रखने के लिए काफी फायदेमंद होता है। इससे त्वचा भी अंदर तक साफ हो जाती है। जिन लोगों के पास समय है वो तो पार्लर जाकर फेस पैक लगवाते हैं, लेकिन बहुत से लोग घरेलू फेस पैक पर ही ज्यादा भरोसा करते हैं।

घर पर फेस पैक का इस्तेमाल करते वक्त कई बार हम जाने-अनजाने में ऐसी गलती कर देते हैं, जिसकी वजह से त्वचा खिलने की बजाय मुरझा जाती है। ऐसे में अगर आप घर पर फेस पैक लगाकर दमकती त्वचा पाना चाहते हैं तो इसका इस्तेमाल करते वक्त कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें। यहां हम कुछ ऐसी गलतियों के बारे में आपको बताने जा रहे हैं, जो ज्यादातर लोग स्किन केयर के दौरान दोहरा देते हैं, जिसका खामियाजा उनकी त्वचा को भुगतना पड़ता है।

चेहरा साफ न करना

अगर आप फेस पैक लगाने से पहले अपने चेहरे को साफ नहीं करेंगे तो इससे आपको काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। फेस पैक लगाने से पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ नहीं करना एक बड़ी गलती है। गंदगी और तेल की परत फेस पैक के पोषक तत्वों को त्वचा में प्रवेश करने से रोक सकती है। ऐसे में फेस पैक आपकी त्वचा को ग्लो नहीं दे पाएगा।

गलत फेस पैक का चयन

कई बार हम सिर्फ ब्रांड का नाम देखकर ही फेस पैक खरीद लेते हैं, भले ही वो हमारी स्किन टाइप का हो या न हो। जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। हमेशा अपनी त्वचा के प्रकार और समस्याओं के अनुसार ही फेस पैक चुनना चाहिए। अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो ऑयल बेस्ड फेस पैक लगाने से बचें और अगर त्वचा ड्राई है तो ड्राई फेस पैक से बचें।

समय का ध्यान न रखना

बहुत बार ऐसा होता है फेस पैक लगाने के बाद हम दूसरे काम करने लगते हैं, जिस वजह से पैक चेहरे पर लंबे समय तक लगा रहता है। ऐसा करने से आपकी त्वचा खिंची-खिंची दिख सकती है। ऐसे में हमेशा पैक के निदेर्शों के अनुसार समय का पालन करें।

हर रोज इस्तेमाल करना

बिना किसी विशेषज्ञ की सलाह के फेस पैक का बार-बार उपयोग करने से त्वचा में जलन और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। आप हफ्ते में ज्यादा से ज्यादा दो या तीन बार ही किसी पैक का इस्तेमाल चेहरे पर कर सकते हैं।

मॉइस्चराइजर न लगाना

फेस पैक के इस्तेमाल के बाद त्वचा अंदर के काफी ड्राई हो जाती है। ऐसे में फेस पैक लगाने के बाद त्वचा को मॉइस्चराइजर की आवश्यकता होती है। ऐसा न करने पर आपकी त्वचा ड्राई हो सकती है।

बिना पैच टेस्ट के इस्तेमाल

ये गलती तो कभी भी न दोहराएं। चेहरे पर कुछ भी चीज का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट अवश्य करें। ताकि आपको ये पता लग जाए कि कहीं आपको किसी चीज से एलर्जी तो नहीं है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

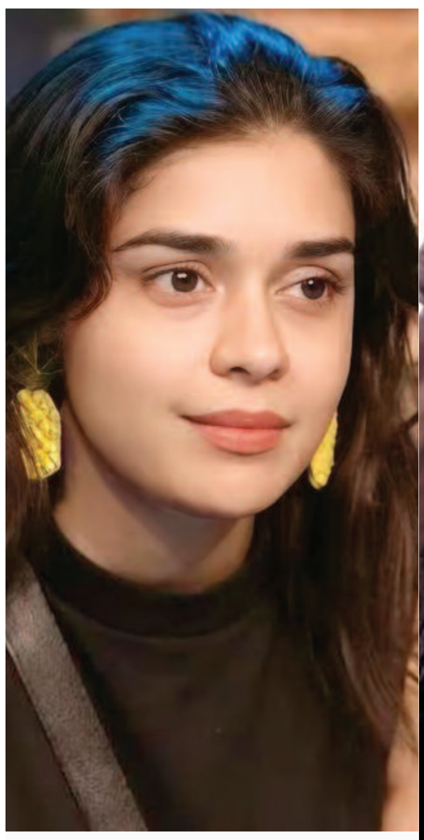

इंडस्ट्री में मेरा शुरुआती दौर बहुत मुश्किलों भरा था

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, 'मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं।' हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, 'रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं। जब अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, 'खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक 'ऑटिस्टिक' किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं।

आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है?

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी फिल्म 'ऑब्सेस' पर ही केंद्रित है। यह एक इमोशनल और बेहद प्रभावशाली फिल्म है और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।'

मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।' साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा: पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, 'मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।' 'पेड्डी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट 'पेड्डी' की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है।

बाबिल खान ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को बताया बेमिसाल

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है। अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं। बाबिल ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।'

पिछले कुछ वर्षों में, बाबिल खान ने अपने अनोखे और भावनात्मक रूप से गहरी परफॉर्मेंस के दम पर अपनी एक खास पहचान बनाई है। उन्हें आखिरी बार साइबर थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में देखा गया था। इसके अलावा, एक्टर को 'कला', 'फ्राइडे नाइट प्लान' और 'द रेलवे मेन' जैसी फिल्मों और सीरीज में अपने काम के लिए भी काफी तारीफ मिली है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईशान का जलवा

अभिनेता ईशान खट्टर हॉलीवुड अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट और अन्य कई जाने-माने नामों के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल के चौथे एडिशन में जूरी पैनल में शामिल होंगे। यह घोषणा खुद फिल्म फेस्टिवल की ओर से की गई है। ईशान के साथ-साथ फ्रांसीसी निर्देशक, स्क्रिप्ट राइर और एडिटर नाथन एम्ब्रोसियोनी, फ्रांसीसी अभिनेत्री सूजी बेम्बा, कनाडाई अभिनेत्री व्हिटनी पीक और अन्य लोग भी शामिल होंगे।

ईशान खट्टर के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत उनकी पहली फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से ही हो गई थी। इसे 2018 में ईरानी फिल्म निर्माता माजिद मजीदी ने निर्देशित किया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में लियोनार्डो डि कैप्रियो और जेनिफर लॉरेंस स्टारर फिल्म 'डोंट लुक अप' में एक कैमियो भूमिका निभाई। 2020 में उन्होंने मीरा नायर की ब्रिटिश सीरीज 'ए सूटेबल बॉय' में तब्बू के साथ मुख्य भूमिका निभाई। उनकी 2025 में आई फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया था और इसे शॉर्टलिस्ट भी किया गया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे ईशान खट्टर

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'होमबाउंड' में नजर आए थे। दो दोस्तों की कहानी और जातिवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर बात करती इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भी भारत की ओर से भेजा गया था। फिल्म को कान समेत कई फिल्म फेस्टिवल में भी काफी सराहा गया। नीरज घेवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ईशान के साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'जुगाडू' शामिल है। इसके अलावा पिछले साल आया उनके शो 'द रॉयल्स' के भी दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है।

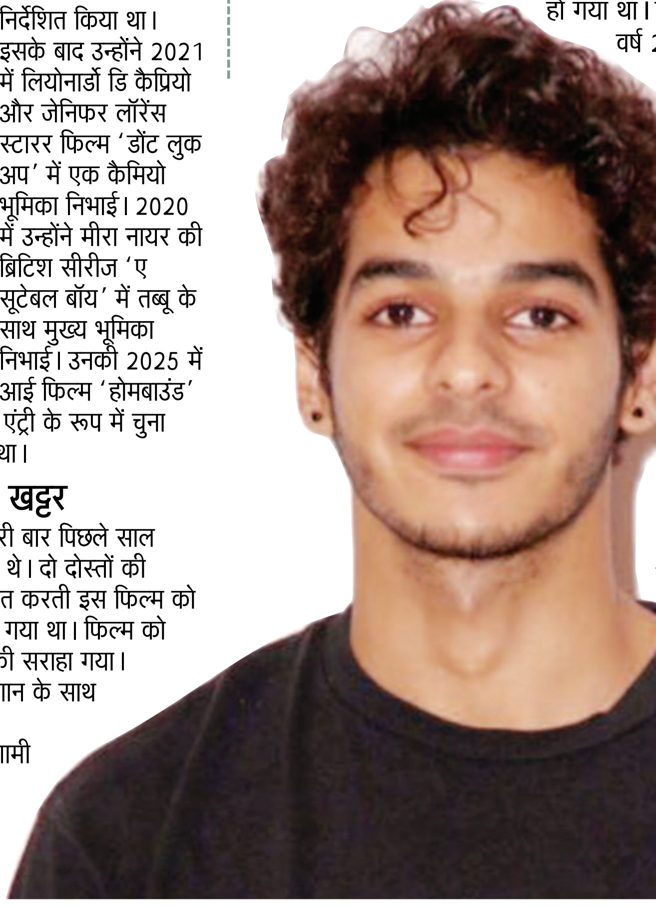

5 जुलाई को गौरी स्प्रैट संग शादी कर सकते हैं आमिर खान!

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 5 जुलाई को विवाह बंधन में बंध सकते हैं। आमिर के करीबी सूत्रों के अनुसार, यह शादी बेहद सादगीपूर्ण तरीके से की जाएगी। दोनों परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के लिए किसी भव्य रिसेप्शन का आयोजन नहीं किया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद से गौरी स्प्रैट कई मौकों पर आमिर खान के साथ नजर आ चुकी हैं। गौरी एक सात वर्षीय बेटे की मां हैं। बताया जाता है कि आमिर और गौरी लगभग 25 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और लंबे समय तक दोस्त रहने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला किया। गौरतलब है कि मार्च 2025 में अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर आमिर खान ने मीडिया के सामने गौरी स्प्रैट को अपनी पार्टनर के रूप में परिचित कराया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि दोनों करीब 25 साल से दोस्त हैं, लेकिन कुछ समय पहले ही उनके बीच प्रेम संबंध की शुरुआत हुई। अगर आमिर और गौरी शादी करते हैं, तो यह अभिनेता की तीसरी शादी होगी। आमिर की पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे जुनैद खान और ईरा खान हैं। वर्ष 2002 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद आमिर ने वर्ष 2005 में किरण राव से दूसरी शादी की। इस विवाह से उनका एक बेटा आजाद राव खान है। आमिर और किरण ने वर्ष 2021 में अलग होने का फैसला किया था। हालांकि, आमिर और गौरी की शादी को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी

'12वीं फेल' से सीधे दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली मेधा शंकर की कहानी जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही जमीन से जुड़ी भी है। नेशनल क्रश का टैग मिला लेकिन उन्होंने इसे बोझ नहीं बनाया क्योंकि उनका फंडा साफ है, जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेना। कभी इसी राह पर कदम रखने के फैसले पर घर में सवाल उठे लेकिन उन्होंने भरोसा नहीं छोड़ा। स्ट्रगल, रिजेक्शन और मेहनत के बीच मेधा ने खुद को अपने तरीके से बिना ज्यादा शोर के साबित किया। हाल ही में अपनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' के सिलसिले में लखनऊ आईं मेधा शंकर ने हमारे साथ दिलचस्प बातें शेयर कीं, जहां पर्दे के पीछे की उनकी असली कहानी, संघर्ष और सोच बिना किसी लाग-लपेट के सामने आई।

मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती

नेशनल क्रश बनने में मेरा कोई योगदान नहीं था। जनता को प्यार हो गया तो हो गया। इस वजह से मैंने इस टैग का कोई प्रेशर नहीं लिया। नेशनल क्रश बनना तो एक अलग बात है लेकिन 12वीं फेल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं। अगर दस स्क्रिप्ट आईं और उनमें से दो पसंद आईं तो मैं उन्हें हां कह देती हूं। मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती।

12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं।

बिना सफल हुए कोई भरोसा नहीं करेगा

'12वीं फेल' से पहले का दौर मुश्किल भरा था। ऑडिशन दे रही थी, पैसे खत्म हो गए थे। 2020 में सबकी तरह मेरे भी पैसे खर्च हो गए थे। ऐसा नहीं था कि घर से कोई फाइनेंशल सपोर्ट ना हो लेकिन 24 साल की उम्र में एक मिडिल-क्लास इंसान होने के नाते यह बात बुरी लगती है कि आपके पास अपना खुद का पैसा नहीं है। ऐसे समय में सिर्फ दो चीजें काम आती हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ता। आपको डटे रहना होता है और खुद पर भरोसा रखना होता है। आप जब तक सफल नहीं होंगे, तब तक आप पर कोई भरोसा नहीं करेगा। ऐसा नहीं था कि '12वीं फेल' से पहले मुझमें टैलेंट नहीं था लेकिन तब कोई भरोसा नहीं कर रहा था। फिल्म जैसे ही चली, सब बदल गया। कोई आप पर भरोसा नहीं करेगा, जब तक आप सफल नहीं होते।

इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, ये गलत

यह सोच कि सिर्फ सीए, इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, यह पूरी तरह से गलत है। ऐक्टर, सिंगर, मॉडल, हर प्रोफेशन की अपनी इज्जत होती है। कोई भी काम छोटा नहीं होता। चाहे आप ट्रेन में तबला या ढोलक ही क्यों न बजा रहे हों, उसमें भी उतनी ही इज्जत है।'

हमेशा वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है

सफल होने से पहले रिजेक्शन को पर्सनली नहीं लेना चाहिए। सामने वाला आपको जानता नहीं है तो वो पर्सनली आपके खिलाफ कैसे कुछ कर सकता है? अगर रिजेक्शन को पर्सनली लेते हैं तो आप बस अपना ही खून जलाते हैं। उससे कुछ हासिल नहीं होगा। मेरा मानना है कि अगर कोई जानबूझकर नेगेटिविटी फैला रहा तो मैं उसे लेकर क्या करूंगी, उसे जाने ही दूंगी। कभी-कभी सोचती हूं कि आखिर में सबको मरना ही है तो इतनी नेगेटिविटी का मतलब क्या है? हम खुद ही चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा बना लेते हैं। 12वीं फेल के बाद मैंने बहुत प्रेशर ले लिया था। आगे क्या होगा, अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। फिर समझ आया कि खुशी से काम है तो तनाव लेने से कोई फायदा नहीं। जिंदगी में परेशानी आई है तो रो-रोकर निकालो या खुशी के साथ। टाइम तो वैसे भी काटना ही है। चार लोग आपके बारे में बुरा बोलेंगे लेकिन चार लोग आपको प्यार भी कर रहे होंगे। अक्सर हमें वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है।

संक्षिप्त समाचार

सहारा रेगिस्तान में ट्रक फंसा, प्यास से 49 लोगों की मौत

हारौबा, एजेंसी। नाइजर के सहारा रेगिस्तान में प्यास से कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक जिस ट्रक में वे यात्रा कर रहे थे, वह रास्ते में खराब हो गया था। यात्रियों ने कई दिनों तक इसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं हो पाए। यह ट्रक माली के हारौबा शहर से रवाना हुआ था, जो नाइजर सीमा से 300 किलोमीटर से अधिक दूर है। वे एक मुस्लिम धार्मिक उत्सव में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। यात्रा के दौरान उनका ट्रक खराब हो गया। वे रेगिस्तान के ऐसी जगह फंस गए थे जहां बेहद ज्यादा तापमान होता है। वहां पानी और बाकी जरूरी सामान मिलना बहुत मुश्किल होता है। ऐसी जगह फंस जाने के कारण उनके पास मौजूद पानी खत्म हो गया। इस हादसे में केवल दो लोग बच पाए। उन्होंने किसी तरह रेगिस्तान पार कर नजदीकी शहर असामाका तक पहुंचने में सफलता हासिल की और वहां अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। जब बचाव दल मौके पर पहुंचा तो ट्रक के नीचे और उसके आसपास दर्जनों शव पड़े मिले। बचाव टीम ने मृतकों के शवों को सामूहिक कब्र में दफना दिया। घटनास्थल से लौटते समय बचाव दल को एक और खराब ट्रक मिला। इस ट्रक में 60 से अधिक लोग सवार थे, जो बैटरी खराब होने के कारण पिछले तीन दिनों से रेगिस्तान में फंसे हुए थे। बचाव टीम ने थके हुए और परेशान यात्रियों को पानी दिया। साथ ही उन्होंने ट्रक की मरम्मत में मदद की, जिसके बाद वे वापस लौट पाए।

एयरपोर्ट पर खड़ा विमान अचानक झुका, अगला हिस्सा जमीन पर गिरा; कई कर्मचारी घायल

बर्लिन, एजेंसी। फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर गेट के पास खड़ा एक यात्री विमान अचानक आगे की तरफ झुक गया। विमान का अगला पहिया टूटने से उसका सामने वाला हिस्सा सीधे जमीन पर जा गिरा। हादसे में कई कर्मचारी घायल हो गए। यह घटना तब हुई, जब जर्मन एयरलाइंस लुफ्थांसा के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान उड़ान की तैयारी में था। उस समय यात्री विमान में सवार नहीं हुए थे, लेकिन क्रू मेंबर और ग्राउंड स्टाफ अंदर मौजूद थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विमान का अगला हिस्सा तेजी से नीचे गिरता दिखा। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी टीमें पहुंचीं। लुफ्थांसा ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। यह विमान फ्रैंकफर्ट से लॉस एंजिलिस जाने वाला था। जिस विमान के साथ हादसा हुआ, वह नया बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर था और जनवरी 2026 से ही नियमित सेवा में शामिल हुआ था। फिलहाल हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका : आव्रजन नीति पर अदालत की रोक

बोस्टान , एजेंसी। अमेरिका में आव्रजन नीति को लेकर ट्रंप प्रशासन को बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने उस विवादित नीति को रद्द कर दिया है, जिसके तहत 39 देशों के प्रवासियों के शरण, वर्क परमिट, ग्रीन कार्ड और नागरिकता से जुड़े मामलों पर गंभीर असर पड़ रहा था। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह नीति हजारों प्रवासियों को कानूनी अनिश्चितता में धकेल रही थी और इसे लागू करने वाली एजेंसी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई की। अदालत ने नीति को बताया मनमाना और कानून के खिलाफ अमेरिकी जिला न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जॉन मैककॉनेल जूनियर ने अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (स्ष्ट्ढ्रस्) ने ऐसी शक्तियों का दावा किया, जो उसे कानूनन प्राप्त नहीं हैं। न्यायाधीश ने कहा कि एजेंसी ने बिना पर्याप्त और तर्कसंगत स्पष्टीकरण दिए फैसले लिए और उन लोगों के हितों को नजरअंदाज किया, जिन्होंने मौजूदा नियमों के आधार पर आवेदन किए थे। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर दिए गए कई तर्क वास्तविकता से मेल नहीं खाते और इन नीतियों में प्रवासियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण झलकता है।

अफ्रीका में इबोला का बढ़ता खतरा

किंशासा, एजेंसी। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 452 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 82 लोगों की मौत हो गई है। 4 जून को ही 71 नए मामले और 21 मौतें दर्ज की गईं, जिससे सामुदायिक संक्रमण की गंभीरता बढ़ गई है। वर्तमान में 258 मरीज इलाज या आइसोलेशन में हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने कमजोर संपर्क-ट्रेसिंग, दवाओं और चिकित्सा संसाधनों की कमी तथा 2.15 करोड़ डॉलर की फंडिंग कमी जैसी चुनौतियां हैं। पड़ोसी युगांडा में भी तीन नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 19 हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अफ्रीका सीडीसी और डब्ल्यूएचओ ने जून से नवंबर तक के लिए 518 मिलियन डॉलर की महाद्वीपीय इबोला तैयारी एवं प्रतिक्रिया योजना शुरू की है। अब तक 34 स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित हुए हैं।

युद्धविराम के बीच फिर भड़का तनाव, हिजबुल्ला ने इस्राइली लड़ाकू विमानों पर दागीं मिसाइलें

तेल अवीव , एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की कोशिशों के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइली सेना ने दावा किया है कि हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब कुछ दिन पहले ही इस्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी। हमले के बाद उत्तरी इस्राइल के कई इलाकों में सायरन बज उठे और हजारों लोग बंकरों की ओर भागे। हालांकि इस्राइली सेना ने कहा कि इस घटना में किसी विमान को नुकसान नहीं पहुंचा और न ही कोई घायल हुआ।

हिजबुल्ला ने हमला कैसे किया : इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ के मुताबिक, हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। इसके बाद किरीयत शमोना शहर और लेबनान सीमा से लगे आठ गांवों में एयर रेड सायरन बजाए गए। हमले के कारण पूरे इलाके में डर और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों और बंकरों में जाने के निर्देश दिए गए। हालांकि इस्राइल ने दावा किया कि उसकी वायुसेना के विमान सुरक्षित रहे और किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका की मध्यस्थता में हाल ही में युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी।

युद्धविराम के बावजूद क्यों बढ़ा तनाव : बुधवार को वॉशिंगटन में हुई त्रिपक्षीय वार्ता के बाद इस्राइल और लेबनान ने संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति जताई थी। लेकिन इसके बावजूद सीमा पर तनाव कम नहीं हुआ। ईरान समर्थित हिजबुल्ला लगातार इस्राइल के खिलाफ आक्रामक रुख बनाए हुए है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी बयान दिया कि अमेरिका और इस्राइल के साथ संघर्ष विराम की शर्तों में लेबनान मोर्चे पर पूर्ण युद्धविराम शामिल है। इससे साफ है कि लेबनान का मुद्दा अब सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें ईरान और क्षेत्रीय राजनीति की बड़ी भूमिका है।

लेबनान के राष्ट्रपति ने ईरान-हिजबुल्ला पर क्या कहा : लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि लेबनान को अमेरिका और ईरान के बीच सौदेबाजी का मैदान नहीं बनाया जाना चाहिए। आउन ने साफ कहा कि लेबनानी लोग युद्ध से थक चुके हैं और अब शांति चाहते हैं। उन्होंने हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम के बयानों की भी आलोचना की। आउन ने कहा कि लेबनान के लोगों की इच्छा सबसे महत्वपूर्ण है, न कि किसी एक संगठन की। उन्होंने जोर देकर कहा कि लेबनान और इस्राइल के बीच संघर्ष का समाधान सिर्फ बातचीत से ही संभव है।

पश्चिम एशिया पहले से ही इस्राइल, ईरान और ईरान समर्थित संगठनों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। ऐसे में हिजबुल्ला का ताजा हमला पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ा सकता है। लेबनान के भीतर भी अब युद्ध और शांति को लेकर अलग-अलग आवाजें सामने आ रही हैं। एक तरफ हिजबुल्ला संघर्ष जारी रखने की बात कर रहा है, वहीं लेबनान सरकार बातचीत और स्थिरता पर जोर दे रही है। अब दुनिया की नजर इस बात पर है कि क्या युद्धविराम बच पाएगा या फिर क्षेत्र एक बार फिर बड़े संघर्ष की तरफ बढ़ेगा। युद्ध की मार से तबाह हुए कई गांव दक्षिणी लेबनान के काफी इलाके पहले ही युद्ध की वजह से भारी तबाही झेल चुके हैं। कई गांव खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। इनमें मरजायौन कस्बे के पास स्थित दिब्बीन गांव भी शामिल है, जहां से इस्राइली सैनिक एक दिन पहले ही पीछे हटे थे।

पीओके में तैनात किए जाएंगे 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी, लोगों में बढ़ी चिंता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात करने जा रहा है। इससे क्षेत्रवासियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पीओजेके के मानवाधिकार कर्मी व राजनीतिक टिप्पणीकार अमजद अयूब मिर्जा ने पाकिस्तान पर सोची-समझी साजिश के तहत क्षेत्र के सैन्यीकरण का आरोप लगाया है। पीओजेके के पुलिस महानिरीक्षक की तरफ से स्थानीय प्रशासन के मुख्य सचिव को 4 जून, 2026 को एक सर्कुलर जारी किया गया है। इस सर्कुलर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के बहाने इलाके में हजारों सुरक्षाकर्मियों की तुरंत तैनाती की मांग की गई थी। इस कदम की निंदा करते हुए मिर्जा ने कहा कि इससे पीओजेके में पाकिस्तानी प्रशासन के दोहरेपन और औपनिवेशिक सोच का पता चलता है। उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्तावित तैनाती पीओजेके के प्रधानमंत्री द्वारा पहले दिए गए आश्वासनों के उलट है। पहले उन्होंने कहा था कि शांतिपूर्ण जन-प्रदर्शनों से निपटने के लिए बल या जबरदस्ती का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

पुतिन बोले- ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध रोकना समय की जरूरत, शांति बहाली में रूस देगा सहयोग

मॉस्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता जताते हुए संघर्ष विराम की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात बेहद जटिल हैं, लेकिन युद्ध को रोकना और शांति बहाल करना ही सबसे सही रास्ता है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस इस पूरे मुद्दे में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और किसी भी तरह की मध्यस्थता करने के लिए तैयार है।

'ईरान ने पहले उकसावे की कार्रवाई नहीं की' : रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें ईरान की ओर से किसी तरह की उकसावे वाली कार्रवाई नजर नहीं आती। उन्होंने बताया कि एक समय ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमति बनी थी और स्थिति नियंत्रण में थी, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए।

पुतिन ने बताया कि ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में लगातार संयम बरतने की अपील की जा रही है। हालांकि ईरान का कहना है कि उन पर हमले हो रहे हैं और उनके लोगों की मौतें हो रही हैं, ऐसे में जवाबी कार्रवाई करना उनकी मजबूरी बन गई है। पुतिन ने माना कि यह स्थिति बेहद संवेदनशील और जटिल है, जिसमें हर पक्ष अपनी-अपनी सुरक्षा चिंताओं के साथ काम कर रहा है।

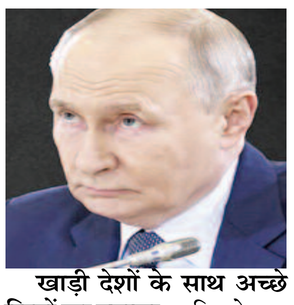

खाड़ी देशों के साथ अच्छे रिश्तों का हवाला : पुतिन ने कहा कि रूस के खाड़ी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं और वह सभी पक्षों से संवाद बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि ईरान और अरब देशों दोनों के साथ रूस के मजबूत संबंध हैं, जिससे स्थिति को समझना और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। पुतिन ने कहा कि रूस किसी भी तरह की शांति वार्ता या मध्यस्थता प्रक्रिया में योगदान देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि रूस से कोई भूमिका निभाने की आवश्यकता होगी, तो वह पीछे नहीं हटेगा।

ट्रंप के युद्धविराम निर्णय का समर्थन : रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कदम का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संघर्ष रोकने की बात कही थी। पुतिन ने कहा कि यह निर्णय सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में मदद मिल सकती है।

अमेरिका ने मार गिराए ईरान के ड्रोन, रडार ठिकानों पर किए हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे ईरान के चार हमलावर ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। इसके साथ ही, अमेरिका सेना ने ईरान के तटीय रडार ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि सेना ने इस क्षेत्र में जहाजों के लिए तत्काल खतरा महसूस होने पर कार्रवाई की। सेंटकॉम ने कहा, 'कुछ ही देर पहले सेना ने ईरान के चार वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया, जिन्हें होर्मुज स्ट्रेट की ओर भेजा गया था। ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री यातायात के लिए तत्काल खतरा पैदा कर रहे थे।' सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी सेना ने देश के दक्षिणी तट पर ईरान के निगरानी बुनियादी ढांचे के खिलाफ जवाबी हमले किए। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बलों ने आगे के हमलों से बचाव के लिए गोरुक और केशम द्वीप पर ईरान के तटीय निगरानी रडार ठिकानों पर हमले किए। हालांकि, सेंटकॉम ने हताहतों, नुकसान के आकलन या ऑपरेशन में इस्तेमाल किए गए विमान और हथियारों के प्रकार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। बयान में यह भी नहीं बताया गया कि क्या ड्रोन ने किसी कमर्शियल जहाज को सीधे निशाना बनाया था। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। अमेरिकी सेना मध्य पूर्व में बड़ी संख्या में मौजूद है और अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल शिपिंग की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले प्रमुख समुद्री रास्तों पर नियमित रूप से गश्त करती है।

सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी बल जरूरत पड़ने पर और कार्रवाई के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बल सतर्क हैं और आत्मरक्षा में ईरान की अनुचित आक्रामकता का जवाब देने के लिए तैयार हैं।' फिलहाल, इस ताजा घटनाक्रम ने अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है।

हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या

न्यूयॉर्क , एजेंसी। हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की उनके घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में 44 वर्षीय माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है, जो हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। घटना बुधवार सुबह की है, जब पुलिस को फोन पर संदिग्ध ने एक पापी व्यक्ति को मारने की बात कही। मौके पर पहुंचने पर 81 वर्षीय हैंडी घर के सामने बेहोश मिले, जिन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी ग्लेडहिल उसी घर में रहता था। और उसने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। जुमांजी और टॉप गनः मेवरिक जैसी फिल्मों से चर्चित हैंडी के निधन से मनोरंजन जगत स्तब्ध है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में उनकी गर्लफ्रेंड के 44 साल के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है। 911 कॉल से मिली जानकारी लॉस एंजिल्स पुलिस को बुधवार को एक विचलित करने वाला 911 कॉल मिला था। कॉल करने वाले शख्स ने डिस्पैचर से कहा था, 'मैं इंसान का बेटा हूं, मैंने अभी-अभी पाप के पुतले को मार दिया है।' इस सूचना के तुरंत बाद जब पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची। यहां जेम्स हैंडी घर के सामने वाले हिस्से (फ्रंट यार्ड) में बेहोश पड़े मिले। उनके सीने पर चाकू के कई गहरे जख्म थे। उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गर्लफ्रेंड का बेटा निकला हमलावर पुलिस जांच में सामने आया है कि हमला करने वाला शख्स 44 साल का माइकल ग्लेडहिल है। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने खुद पुलिस से संपर्क किया और इस हमले की जिम्मेदारी ली। जांच अधिकारियों के मुताबिक, माइकल जेम्स हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। हत्या के समय वह अपनी मां के घर पर ही रह रहा था। पुलिस ने उसे मर्डर के संदेह में मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है।

सीसीटीवी फुटेज और कपड़े मिले घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध शख्स घर के पास से आराम से पैदल गुजरता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही क्राइम सीन की तस्वीरों में घर के सामने कुछ कपड़े भी छूटे हुए मिले हैं।

पुलिस इन सभी सबूतों की बारीकी से जांच कर रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या के पीछे की मुख्य वजह या मकसद का खुलासा नहीं किया है। मामले की जांच अभी जारी है। जेम्स हैंडी का हॉलीवुड करियर जेम्स हैंडी ने हॉलीवुड में कई दशकों तक काम किया था और उनके नाम करीब 150 फिल्में और टीवी शोज दर्ज हैं। उन्होंने 'जुमानजी' और 'टॉप गनः मैवेरिक' जैसी सुपरहिट फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। इसके अलावा वे 'द एक्स-फाइल्स', 'एनवाईपीडी ब्लू' और 'सीनफील्ड' जैसे मशहूर टीवी शोज का भी हिस्सा रहे थे। उन्होंने इंडस्ट्री में एक लंबा समय बिताया था और अपनी अलग पहचान बनाई थी।

अस्पताल ले जाते समय हुआ निधन : आपातकालीन सहायता दल के पहुंचने पर अभिनेता बेहोश पाए गए। पैरामेडिक्स उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मामले की जांच जारी है। फिलहाल इस मामले में हैंडी की प्रेमिका के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हेनरी नोवाक हत्याकांड पर ब्रिटेन-अमेरिका में विवाद, जेडी वेंस के बयान पर भड़के पीएम स्टार्मर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के कार्यालय ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी की निंदा की है, जिसमें उन्होंने एक विश्वविद्यालय छात्र की हत्या के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन) को जिम्मेदार ठहराया था।

क्या है मामला : 18 वर्षीय हेनरी नोवाक की दिसंबर में इंग्लैंड के साउथेम्प्टन में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। हेनरी को विक्रम डिगवा ने चाकू मारा था। डिगवा, जो सिख है, ने पुलिस से झूठा दावा किया था कि वह नोवाक द्वारा किए गए नस्लीय हमले का शिकार हुए है। नोवाक श्वेत समुदाय से थे। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्होंने शुरुआत में गंभीर रूप से घायल नोवाक को ही संदिग्ध मान लिया और उसे हथकड़ी लगा दी। बाद में अधिकारियों को उनके घाव का पता चला और उन्हें बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी मौत हो गई। 23 वर्षीय डिगवा को हेनरी नोवाक की हत्या का दोषी ठहराया गया। डिगवा ने आठ इंच लंबे सिख कृपाण जैसे चाकू से हमला किया था। इस सप्ताह अदालत ने डिगवा को न्यूनतम 21 वर्ष की सजा के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

वेंस ने क्या की टिप्पणी : वेंस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस हत्या पर न्यायोचित गुस्सा होना चाहिए। उन्होंने इस घटना के लिए आंशिक रूप से बड़े पैमाने पर आए उन प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया, जो उनके अनुसार पश्चिम और उनके मूल्यों से नफरत करते हैं।

डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान किया जारी : वेंस की टिप्पणी के जवाब में डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान जारी कर कहा कि कुछ लोग ब्रिटेन के लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने और सड़कों पर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि नोवाक परिवार अपने बेटे की भयावह हत्या के कारण शोक में है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वे नहीं चाहते कि हेनरी की मौत का इस्तेमाल और अधिक विभाजन, नफरत या तनाव पैदा करने के लिए किया जाए। हमें उनकी इच्छा का सम्मान करना चाहिए। हमारे देश की राजनीति का उद्देश्य सबसे कठिन परिस्थितियों में भी लोगों को साथ लाना होना चाहिए।

डेमोक्रेट्स ने वेंस की आलोचना की : विपक्षी दल लिबरल डेमोक्रेट्स के नेता एड डेवी ने भी वेंस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हेनरी नोवाक की मौत का राजनीतिकरण करने और देश को बांटने की कोशिशों का विरोध किया जाना चाहिए, चाहे वे कोशिशें वेंस जैसे मागा नेताओं की ओर से हों या ब्रिटेन में उनके समर्थकों की ओर से। इस बीच, हार्ड-राइट पार्टी रिफॉर्म यूके के नेता निगेल फराज सहित कई नेताओं ने पुलिस की शुरुआती कार्रवाई को टू-टियर पुलिसिंग का उदाहरण बताया है।

ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को 'किसी न किसी तरह' खत्म कर दिया जाएगा : डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ टकराव खत्म होने के करीब है और उन्होंने ऐलान किया कि तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को 'किसी न किसी तरह' रोका जाएगा। शुक्रवार को विस्कॉन्सिन के चिप्पेवा फॉल्स में कृषि से जुड़ी एक बैठक में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनने से रोकने का अपना मकसद काफी हद तक हासिल कर लिया है। ट्रंप ने कहा कि हमें परमाणु हथियार के खतरे को खत्म करना था। हम ऐसा नहीं होने देने वाले थे। उन्होंने आगे कहा कि हमने इसे काफी हद तक पूरा कर लिया है, आप देखेंगे, और किसी न किसी तरह, यह काम पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि या तो यह किसी समझौते से खत्म होगा या फिर किसी मुश्किल तरीके से। बता दें कि ट्रंप ने चल रही बातचीत या संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि ईरान से जुड़े घटनाक्रम जल्द ही और स्पष्ट हो जाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस स्थिति को ऊर्जा बाजार और अमेरिकी किसानों पर पड़ने वाले खर्च से भी जोड़ा। ट्रंप ने कहा कि आपके लिए खाद की कीमतें काफी कम होने वाली हैं। खाद सस्ती होगी, ऊर्जा सस्ती होगी, और तेल व गैस की कीमतें भी काफी कम हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान की स्थिति का नतीजा आर्थिक दबाव को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे मोड़ पर हैं जहां हम ईरान के मामले से बहुत

जल्द बाहर निकलेंगे, और यह बहुत मजबूत स्थिति होगी। उन्होंने ये बातें कृषि, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर केंद्रित एक विस्तृत भाषण के दौरान कहीं। ट्रंप ने बार-बार कहा कि ऊर्जा की कम कीमतें किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए फायदेमंद होंगी। उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों का भी जिक्र किया और दावा किया कि ईरान की नौसेना की संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास कोई नौसेना नहीं है। चार दिनों में 159 जहाजों को निशाना बनाया गया। उन्होंने इस अभियान को अमेरिकी सैन्य ताकत का सबूत बताया और कहा कि संघर्ष के दौरान लगाई गई नाकाबंदी अभूतपूर्व थी। उन्होंने कहा कि ऐसी नाकाबंदी पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अभी भी ईरान से जुड़े 'अधूरे कामों' को निपटा रहा है। उन्होंने कहा कि हम ईरान में कुछ अधूरे कामों को ठीक कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप का यह दावा अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट से मेल नहीं खाता। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सांसदों को पिछले महीने दी गई ब्रीफिंग में बताया गया था।

अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के हथियार बेचने की मंजूरी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के संभावित विदेशी सैन्य सौदों को मंजूरी दे दी है। इनमें लंबी दूरी की मारक मिसाइलें, विमान सुरक्षा प्रणाली और ड्रोन-रोधी प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इसकी घोषणा अमेरिकी विदेश विभाग ने की है। सबसे बड़ा पैकेज कुवैत के लिए है, जिसे मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएसए) के प्लेटफॉर्म और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है, जिसकी अनुमानित लागत 1.98 अरब डॉलर है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से कुवैत की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता में सुधार होगा, क्योंकि इससे उसे मानवरहित हवाई प्रणालियों के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक और गतिज मारक क्षमताएं मिलेंगी। इस पैकेज में रोडरनर-म्यूनिशन और एनविल-काइनेटिक प्लेटफॉर्म, लॉन्च बॉक्स, कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम, सेंट्री टावर, समुद्री सेंट्री टावर, विद्युत चुम्बकीय युद्ध प्रणाली, सामरिक संचालन केंद्र, जनरेटर, प्रशिक्षण, सॉफ्टवेयर विकास और रसद सहायता शामिल हैं।

कुवैत को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार कैलिफोर्निया के कोस्टा मेसा स्थित अंदुरिल कंपनी होगी। एक अलग अधिसूचना में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसने डेनमार्क को 200 एजीएम-158 जॉइंट एयर-टू-सरफेस स्टैंडऑफ मिसाइलों (जेएएसएसएम-ईआर) और संबंधित उपकरणों की 842 मिलियन डॉलर की संभावित बिक्री को मंजूरी दे दी है।

विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री डेनमार्क की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे रॉयल डेनिश वायु सेना (आरडीएएफ) को लंबी दूरी के सटीक हमले करने की क्षमता मिलेगी और आरडीएएफ के एफ-35 विमानों की क्षमता मजबूत होगी। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो स्थित लॉकहीड मार्टिन डेनमार्क

को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार होगा। यूनाइटेड किंगडम को भी लगभग 160 मिलियन डॉलर की अनुमानित लागत पर बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है। ब्रिटेन के अनुरोध में 36 गार्जियन लेजर टरेट असेंबली और 18 एएन/एएक्यू 24(वी)एन बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर सिस्टम प्रोसेसर प्रतिस्थापन के साथ-साथ मिसाइल चेतावनी सेंसर, सहायक उपकरण, सॉफ्टवेयर, स्पेयर पार्ट्स और लॉजिस्टिक्स सहायता शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से बड़े हवाई प्लेटफार्मों को आधुनिक सुरक्षा प्रदान करके वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए यूनाइटेड किंगडम की क्षमता में सुधार होगा और रॉयल एयर फोर्स की परिचालन तत्परता सुनिश्चित होगी। ब्रिटेन को होने वाली इस बिक्री का प्रमुख ठेकेदार वर्जीनिया के आर्लिंगटन स्थित बोइंग कंपनी होगी। विदेश विभाग ने कहा कि प्रस्तावित बिक्री से संबंधित क्षेत्रों में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा और अमेरिकी रक्षा तैयारियों पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अमेरिकी विदेश सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत राजनीतिक-सैन्य मामलों के ब्यूरो द्वारा ये अधिसूचनाएं जारी की गईं। कांग्रेस को अधिसूचना मिलने का मतलब यह नहीं है कि अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर हो गए हैं, लेकिन इससे प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो जाता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)